पर्ल बुक्स

हिन्दी आरव

सहायक पुस्तिका : 6-8

- आध्यात्मिक कहानियाँ
- शाब्दिक अर्थ
- अभ्यास कार्य एवं व्याकरण

कीर्ति	—	**अपकीर्ति**	स्पष्ट	—	**अस्पष्ट**

2. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

उत्तर–

करमवीर	—	**कर्मवीर**	परयत्न	—	**प्रयत्न**
व्रथा	—	**वृथा**	समपदा	—	**संपदा**
दुग्रम	—	**दुर्गम्**	स्वाधिन	—	**स्वाधीन**

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

शेर	=	**सिंह**	**वनराज**	**केसरी**
गगन	=	**आकाश**	**अंबर**	**व्योम**
फूल	=	**पुष्प**	**सुमन**	**कुसुम**
हाथ	=	**हस्त**	**कर**	**गीर**

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

संपदा	=	कर्मवीर कभी भी **संपदा** नहीं जोड़ते हैं।
वृथा	=	कर्मवीर समय **वृथा** नहीं गँवाते हैं।
उज्ज्वल	=	कर्मवीरों अपने प्रयत्न से काँच को भी **उज्ज्वल** रत्न बना देते हैं।
जी चुराना	=	कर्मवीरों ने कभी **जी चुराना** नहीं सीखा।
यत्न	=	यत्न करना ही कर्मवीरों की पहचान है।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

2 हँसते-हँसते जीना

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. स्टालिन तानाशाह था हँसता नहीं था जबकि गांधी जी हँसकर काम करवाना जानते थे।

2. ''हँसना एक नियामत है।'' क्योंकि हँसकर मानव मानव का मित्र बन सकता हैं। द्वेष भावना को समाप्त कर सकता हे तिाा बिगड़ते काम को बना सकता है।

3. लॉर्ड जार्ज के प्रसंग से पता चलता है कि हँसने वाला व्यक्ति हमेशा हर क्षेत्र में विजय प्राप्त करता है।

लिखित उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. संत तुकारात एक बार घूमकर लौटे तो हाथ में सिर्फ एक गन्ना था। क्रोध में उनकी पत्नी ने गन्ना तड़ाक् से पीठ पर दे मारा। गन्ना दो टुकड़े हो गया तो तुकाराम बोले, "ठीक किया भाग्यवान्, वैसे भी तेरे–मेरे खाने के लिए मुझे इसके दो टुकड़े करने पड़ते।"

2. हँसते–हँसते हुए जीवन को अंतिम पलों तक जीना ही जीवन को सही ढंग से जीने का तरीका है।

3. प्रेमचंद ज़िंदगीभर बीमार रहते हुए गरीबी और अभाव से जूझते रहे; लेकिन कैसी उन्मुक्त और निश्छल हँसी हँसता था वह कलम का सिपाही!
जनार्दन राय नागर लिखते हैं कि किस प्रकार दिल्ली में एक कवि–सम्मेलन से देर रात घर लौटते समय प्रेमचंद कवियों की भंगिमाओं और मुद्राओं को याद कर–करके सड़क पर हँसी के मारे दुहरे हुए जा रहे थे; एक–एक तुक्काड़ के नाज़–नखरे ले–लेकर यह दुखी, दुखी प्रेमचंद हँस रहा था। हँस रहा था, जैसे सारा जीवन एक मस्त हास्य हो, आनंद की एक तरंग ... हँस तो हम भी रहे थे; पर हमारे मन मानो सींकचों में बंद मुँह झलका रहे हों और इस साहित्य के होरी को तो देखो, जैसे प्रतिपल एक नई हँसी हो।

4. लेनिन के बारे में गोर्की लिखता है कि मैंने लेनिन जैसी संक्रामक हँसी किसी और की नहीं देखी .... अजीब बात थी कि इतना कठोर, यथार्थवादी और शोषण से इतनी उत्कट घृणा करने वाला व्यक्ति बच्चों की तरह इतना हँसता था कि गला रुँधने लगता था, आँखों में आँसू आ जाते थे और इसके बाद गोर्की लिखते हैं, और बहुत ठीक लिखते हैं कि इस प्रकार हँस सकने के लिए बहुत स्वस्थ और शक्तिशाली मानस की जरूरत होती है।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) एक साहब **फिलासफर** होना चाहते थे।

(ख) हँसना एक **नियामत** है।

(ग) शामत का मारा एक **व्यापारी** शहर के चुनाव में खड़ा हो गया।

(घ) प्रेमचंद ज़िंदगीभर बीमार रहते हुए **गरीबी** और अभाव से जूझते रहे।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

उत्तर– मूर्ख **मूर्खता** कठिन **कठिनाई**

मित्र	**मित्रता**	महान	**महानता**

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–	नियामत	**दुर्लभ वस्तु**	भृकुटि	**भौंह**
	प्रतिष्ठा	**मान-मर्यादा**	उद्‌यत	**प्रस्तुत**

3. निम्नलिखित क्रिया-शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–	हँसना	—	**हँसना** जीवन की कला है।
	गरजना	—	**गरजना** बादलों का स्वभाव है।
	सुलगना	—	ईर्ष्या की आग में **सुलगना** स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं है।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

3 हमारे वैज्ञानिक

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. होमी जहाँगीर भाभा का जन्म 30 अक्टूबर, सन् 1909 में मुंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था।
2. परमाणु ऊर्जा का उपयोग, इसका बड़े पैमाने में उत्पादन, अंतरिक्ष में विद्यमान किरणों के रहस्य की जानकारी को हम सभी तक पहुँचाने का श्रेय हम देश के महान वैज्ञानिक डॉ० भाभा को देते हैं।
3. डॉ० भाभा ने अपने वैज्ञानिक शोध से बताया कि बाह्य अंतरिक्ष से आने वाली किरणों के कण बहुत छोटे-छोटे और तेज गति से चलने वाले होते हैं।
4. विज्ञान के क्षेत्र में, महान उपलब्धि के कारण कलाम को देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया है।
5. अब्दुल कलाम का पूरा नाम अब्दुल जाकिर जैनुलवद्‌दीन अब्दुल कलाम है।
6. वैज्ञानिक परीक्षण इसलिए किए जाते हैं, ताकि वैज्ञानिक सिद्धान्तों और यंत्रों/उपकरणों की भली-भाँति जाँच हो सके और उन्हें कार्यरूप प्रदान किया जा सके।

लिखित उत्तर दीजिए

1. डॉ० भाभा ने इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से सन् 1930 ई० में

बी०एस-सी० की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा यहीं से सन् 1934 ई० में पी-एच० डी० की उपाधि प्राप्त की। डॉ० भाभा ने रोम तथा स्विटजरलैंड देशों का भ्रमण करके गणित का विशेष अध्ययन भी किया। डॉ० भाभा ने बंगलौर में स्थित इंडियन इन्स्टीटयूट ऑफ साइंस नामक संस्था में कार्य करना आरंभ किया। इस संस्था में वह अंतरिक्ष किरणों पर शोध करने लगे। देश की स्वतंत्रता के बाद सन् 1948 ई० में परमाणु शक्ति आयोग की स्थापना की गई। डॉ० भाभा इस आयोग के चेयरमैन बनाए गए। भाभा के कुशल निर्देशन में अप्सरा, सिरस तथा जरलीना नामों से तीन परमाणविक रिएक्टरों की स्थापना हुई। वर्ष 1963 में मुंबई के पास ट्राम्बे में परमाणु बिजली घर की स्थापना भी डॉ० भाभा के निर्देशन में हुई। विज्ञान के क्षेत्र में भाभा के इन महत्त्वपूर्ण योगदानों के कारण इन्हें सन् 1942 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा 'एडम्स' तथा सन् 1948 में 'हॉकिन्स' पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 1958 में भारत के राष्ट्रपति ने डॉ० भाभा को पद्मभूषण की उपाधि से विभूषित किया।

2. 18 मई, सन् 1974 में राजस्थान के पोखरण नामक स्थान में शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु विस्फोट किया गया।
3. डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 में तमिलनाडु प्रांत के रामेश्वरम् में हुआ था।
4. अब्दुल कलाम ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान एस० एल० बी-3 का निर्माण किया। कलाम ने पृथ्वी और अग्नि जैसी मिसाइलों की डिजाइन बनाकर देश को मिसाइल शक्ति से सुसज्जित किया।
5. मिसाइल एक प्रकार का आग्नेय अस्त्र है, जो हवा, जल तथा थल पर स्थित अपने लक्ष्यों को भेदकर उन्हें नष्ट कर देता है, इसे कम्प्यूटर की सहायता से संचालित किया जाता है।
6. हवा में उड़ते हुए वायुयान द्वारा किसी आती हुई मिसाइल को नष्ट करना हवा से हवा में मार करना कहलाता है, इसी तरह जमीन पर स्थित मिसाइल लांचर द्वारा किसी ऐसे लक्ष्य को भेदना जो दुश्मन देश की धरती पर स्थित हो और जिससे अपने देश की जान-माल की हानि होने का अंदेशा हो, जमीन से जमीन पर मार करना कहलाता है।
7. **पी-एच० डी०-**यह शिक्षा के क्षेत्र में दी जाने वाली एक विशिष्ट उपाधि है,

जो उन लोगों को दी जाती है जिन्हें किसी विषय विशेष में विशेषता प्राप्त होती है।

पद्म भूषण–यह भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है। यह उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय सेवा की हो।

भारत रत्न–यह भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जो उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने किसी क्षेत्र विशेष में असाधारण योगदान दिया हो।

नोबेल पुरस्कार–यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन लोगों को दिए जाते हैं जिन्होंने विज्ञान, शांति, साहित्य और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में मौलिक व मानवोपयोगी असाधारण योगदान दिया हो।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण कीजिए-

शब्द	**उच्चारण**	**शब्द**	**उच्चारण**
क्षत्रिय, क्षमा	क्षत्रिय, क्षमा	ज्ञानी, ज्ञान	ज्ञानी, ज्ञान
त्रिशूल, त्रिदेव	त्रिशूल, त्रिदेव	श्रम, श्रमिक	श्रम, श्रमिक

2. निम्नलिखित मूल शब्दों से अधिकाधिक नए शब्द बनाइए-

शिक्षा = **शिक्षित, शैक्षिक, अशिक्षित, शिक्षार्थी, शिक्षाशाली, शिक्षण, शिक्षालय।**

शरीर = **शारीरिक, सशरीर, शरीरात, शरीरार्पण, शरीरावरण, शरीरस्थि।**

मांस = **मांसभक्षी, मांसाहारी, मासिक, मांसपेशियाँ, सामासिक, मांसल।**

विद्या = **विद्यार्थी, विद्यावान, विद्युत, विद्योत्तमा, महाविद्या, राजविद्या।**

शरण = **शरणार्थी, शरणागत, शरणवीर, शरक्षेत्र, शरणालय, शरणी।**

देश = **देशवासी, स्वदेश, देशहित, देशभक्त, देशद्रोही**

3. निम्नलिखित शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए-

भौगोलिक	नैतिक	ऐतिहासिक	दैनिक
वार्षिक	साप्ताहिक	आध्यात्मिक	धार्मिक,
सामाजिक,	आर्थिक,	लौकिक,	दैहिक

4. निम्न मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) शोध करना	=	**दीपक 'शिक्षाशास्त्र' नामक विषय में शोध कर रहा है।**
(ख) अवगत कराना	=	**तुम्हें मुझे इस बात से अवगत कराना चाहिए था।**
(ग) जोर पकड़ना	=	**आग ने जोर पकड़ लिया था।**
(घ) गौरव प्राप्त करना	=	**सोहन ने पुरस्कार लेकर गौरव प्राप्त किया।**
(ङ) विभूषित करना	=	**मेरे चाचा को असाधारण वीरता के लिए 'परमवीर चक्र' से विभूषित किया गया है।**
(च) सुसज्जित करना	=	**राजा के रथ को गेंदें के फूलों से सुसज्जित किया गया था।**
(छ) किताबी कीड़ा	=	**रिंकी को बाहर की कोई जानकारी नहीं है, वह तो केवल किताबी कीड़ा है।**
(ज) झंडा गाड़ना	=	**रोहित ने स्कूल में अपनी योग्यता के झंडे गाड़ दिए हैं।**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

4 हींगवाला

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. खान हींग बेचता था।
2. खान आँगन में आकर मौलश्री के नीचे बने चबूतरे पर बैठ गया था।
3. खान से हींग लेने के बाद छह साल के छोटे बच्चे ने बिगड़कर माँ से कहा, "दो माँ, दो रुपए हमको भी दो। हम मलाई खाएँगे।"
4. दोनों बच्चों की बात सुनकर सावित्री ने कहा, "अच्छा-अच्छा, चलो पहले खाना खाओ। फिर मैं एक रुपया दूँगी।"
5. होली के अवसर पर भयंकर रूप से दंगा हो गया जिसमें बहुत-से लोग मारे गए।
6. दशहरे पर बच्चे काली माँ का जुलूस देखने जाना चाहते थे।
7. दंगा होने की बात सुनकर खान ने सावित्री से कहा, "समझ नहीं है लड़ने वालों में।"

लिखित उत्तर दीजिए

1. दस-बारह बरस के बालक की बात सुनकर खान और आराम से बैठ गया तथा अपने साफे के छोर से हवा करते हुए बोला, "अम्मा हींग ले लो। अम्मा, हम अपने देश कूँ जाता है, बहुत दिनों में लौटेंगा।"
2. खान से हींग लेने के बाद सावित्री के बच्चे उससे इसलिए नाराज थे, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि माँ ने खान को दो रुपए दे दिए, अभी हम माँगें तो कभी न देंगी।
3. छोटे बच्चे ने खान को अच्छा इसलिए कहा, क्योंकि खान ने उन्हें बचाया था।
4. इस कहानी का उद्देश्य यह है कि हम चाहे किसी भी धर्म से संबंध रखते हो लेकिन हमें मानवता को कभी भी नहीं भूलना चाहिए। धर्म से ऊपर उठकर एक-दूसरे की मुसीबत के समय मदद करनी चाहिए।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) अभी कुछ नहीं **लेना** है, जाओ।
(ख) हम तुम्हारे हाथ की **बोहनी** माँगता है।
(ग) उनका **बेटा** तो वही खान है।
(घ) बच्चे तो **खुशी-खुशी** जुलूस देखने गए।
(ङ) बच्चे दौड़कर **सावित्री** से लिपट गए।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए-

बच्चा	=	**बच्चे**	खुशी	=	**खुशियाँ**	मूर्ख	=	**मूर्खों**
पुड़िया	=	**पुड़ियाँ**	हाथ	=	**हाथों**	पागल	=	**पागलों**
रुपया	=	**रुपये**	दंगा	=	**दंगे**	स्वर	=	**स्वरों**
त्योहार	=	**त्योहारों**	डिब्बा	=	**डिब्बे**	देश	=	**देशों**
बेटा	=	**बेटे**						

2. निम्न शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए-

वास	=	**रहना**	**निवास**	क्रोध	=	**गुस्सा**	**छोह**
पेड़	=	**तरु**	**विटप**	बेटा	=	**सुत**	**पुत्र**
बच्चा	=	**बालक**	**शिशु**	माँ	=	**माता**	**जननी**
धन	=	**संपत्ति,**	**पूँजी**				

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) छोर = **खान अपने साफे के छोर से हवा करने लगा।**

(ख) दिन ढलना = **जब बच्चे घर वापस आए तब दिन ढल चुका था।**

(ग) परिचित = **मरने वालों में से एक खान का परिचित भी था।**

(घ) रह-रहकर = **मुझे रह-रहकर अपने आप पर गुस्सा आ रहा था।**

(ङ) जुलूस = **शहर में काली माँ का जुलूस निकल रहा था।**

(च) आँगन = **खान आकर आँगन में बैठ गया था।**

(छ) सकुशल = **बच्चे सकुशल लौट आए थे।**

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-

हँसना	=	**रोना**	मारना	=	**बचाना**	कम	=	**ज्यादा**
अपना	=	**पराया**	धर्म	=	**अधर्म**	देश	=	**विदेश**
एक	=	**अनेक**	बाहर	=	**अन्दर**	नीचे	=	**ऊपर**
उत्तर	=	**प्रश्न**	आगे	=	**पीछे**	आज	=	**कल**

5. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए-

लड़का	=	**लड़की**	काका	=	**काकी**	मम्मी	=	**पापा**
बेटा	=	**बेटी**	बच्चा	=	**बच्ची**	डिब्बा	=	**डिब्बी**
पति	=	**पत्नी**	नौकर	=	**नौकरानी**	आदमी	=	**औरत**
धोबी	=	**धोबिन**	चिड़िया	=	**चिड़ा**	मच्छर	=	**मादा मच्छर**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

5 *शिष्टाचार*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. सभ्य आचरण को ही शिष्टाचार कहते हैं।
2. दो व्यक्तियों की परस्पर बातों में हस्तक्षेप न करना, अध्ययन के समय कक्षा न छोड़ना, बातें न करना, अध्यापक की अनुपस्थिति में कक्षा में शोर न करना, खाने में अधीरता न दिखाना आदि शिष्टाचार के नियम हैं।
3. ईर्ष्या-द्वेष और लोलुपता से रहित, अहंकार से विहीन, पाखंड, लालच, संग्रह, मोह, व क्रोध से विमुख व्यवहार को शिष्टाचार में महत्त्व दिया गया है।

4. बड़ों के बुलाने पर 'हाँ', 'अच्छा', 'क्या' न कहकर 'जी हाँ' या 'जी नहीं' आदि शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
5. बस अथवा ट्रेन में वृद्ध महिला, रोगी और अपाहिज को बैठने के लिए स्थान देकर हम शिष्टाचार का पालन कर सकते हैं।
6. यदि कोई कुछ कष्ट या असुविधा उठाकर हमारे लिए कोई काम करता है तो हमें उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करनी चाहिए। इसका सबसे सरल तरीका है उसे धन्यवाद देना।
7. किसी का नाम लेने या लिखने से पहले श्री, श्रीमती या कुमारी लगाना शिष्टाचार है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. छोटों के प्रति नम्रता या स्नेह का भाव रखकर हम शिष्टाचार का पालन कर सकते हैं।
2. विनम्रता और दीनता में पर्याप्त अंतर है। यदि हमारे पास सब कुछ है और हम दूसरों से किसी वस्तु की अपेक्षा न करते हुए उनसे मधुर व्यवहार करते हैं तो यह हमारी विनम्रता है और यदि हमें दूसरों से किसी चीज की अपेक्षा है और हम उसके द्वारा बार-बार तिरस्कृत किए जाने पर भी उससे बोलने का प्रयास करते हैं तो यह हमारी दीनता है।
3. दूसरों के निजी जीवन में दखल देना अनुचित है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का अपना निजी जीवन होता है तथा प्रत्येक व्यक्ति अकारण किसी की दखलअंदाजी अपने जीवन में बर्दाश्त नहीं कर सकता।
4. धन्यवाद बोलते समय ऐसा लगना चाहिए कि हम उसे हृदय से धन्यवाद दे रहे हैं।
5. भोजन करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम खाने में अधीरता न दिखाएँ, भोजन चबाते समय मुँह से आवाज न निकालें तथा अपने बड़ों के भोजन समाप्त कर देने पर भी खाते रहना उचित नहीं है।
6. राष्ट्रध्वज का सम्मान हमें सीधे खड़े होकर करना चाहिए।
7. विद्यालय में शिष्टाचार के नियम हैं—अध्ययन के समय कक्षा न छोड़ना, बातें न करना, अध्यापक की अनुपस्थिति में कक्षा में शोर न करना, कक्षा और उसके सामान की सफाई रखना, अध्यापक के कक्षा में प्रवेश करने पर चुपचाप अपने स्थान पर खड़े होना आदि।
8. कभी-कभी थक जाने पर इच्छा होती है कि कुर्सी पर पैर रखकर बैठें या

चारपाई पर निढाल होकर पड़े रहें। अन्य लोगों की उपस्थिति में हमें अपनी ऐसी इच्छा को दबा देना चाहिए।

9. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

(क) सभ्य आचरण ही **शिष्टाचार** कहलाता है।

(ख) शिष्टाचार का पहला लक्षण **विनम्रता** है।

(ग) **विनम्रता** और दीनता में अंतर है।

(घ) हर व्यक्ति का अपना एक निजी **जीवन** होता है।

(ङ) शिष्टता का **तीसरा** लक्षण है नियम पालन।

(च) हमको हर तरह के **अनुशासनों** का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए।

भाषा प्रवाह

1. **स्तंभ 'क' से स्तंभ 'ख' को इस प्रकार मिलाइए कि उपयुक्त शिष्ट आचरण प्रतीत हो-**

'क'	'ख'
छोटों के प्रति	आदर
बड़ों के प्रति	मिठास
सहायक के प्रति	विनम्रता
वाणी में	कृतज्ञता
व्यवहार में	स्नेह

छोटों के प्रति → स्नेह
बड़ों के प्रति → आदर
सहायक के प्रति → कृतज्ञता
वाणी में → मिठास
व्यवहार में → विनम्रता

2. **निम्नलिखित अवसरों पर हमें कैसा आचरण करना चाहिए? एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए-**

(क) तो हमें उसके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए।

(ख) तो उनकी रुचि का भोजन बनाना चाहिए।

(ग) तो हमें मुस्कराकर उसका स्वागत करना चाहिए।

(घ) तो हमें जूते उतारकर जाना चाहिए।

(ङ) तो सभा में शोर मचाना अनुचित है।

(च) तो हमें सम्मान में खड़े हो जाना चाहिए।

(छ) तो भोजन चबाने में मुँह से आवाज नहीं करनी चाहिए।

3. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-**

विनम्र	=	**क्रूर**	शिष्ट	=	**अशिष्ट**
संयम	=	**बेसब्री**	दीनता	=	**सम्पन्नता**
अनुशासन	=	**उद्दंडता**	मधुर	=	**कर्कश**

कर्कशता	=	**मधुरता**	कृतज्ञता	=	**कृतघ्नता**
धीरे	=	**तेज**	पूर्व	=	**अपूर्व**

4. नीचे लिखे वाक्यों में से क्रियाविशेषण शब्द छाँटिए-

(क) भीतर (ख) कम (ग) अधिक

(घ) प्रतिदिन (ङ) बाएँ (च) आज

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

6 किसान

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. प्रस्तुत कविता में शिशिर, शीत, ग्रीष्म, तथा वर्षा ऋतु आदि का वर्णन किया गया है।
2. कवि ने किसान के प्रति अपनी सहानुभूति इसलिए प्रकट की है, क्योंकि किसान विभिन्न ऋतुओं में कष्ट सहता हुआ भी प्रसन्नता से अपने कर्तव्य पालन में लगा रहता है।
3. शिशिर ऋतु में किसान को भंयकर सर्दी सहनी पड़ती है।
4. किसान शीत ऋतु में अधीर न होकर शीत का घमंड चूर कर देता है।
5. किसान गहन अँधेरी रात में चरागाह में अपनी भैंसें चराता हुआ मधुर तान छेड़ता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. ''किसान में सहन करने की अद्‌भुत शक्ति है''—इस कथन से तात्पर्य यह है कि किसान विभिन्न ऋतुओं की मार को सहता हुआ भी अपने कार्यों में निर्बाध रूप से लगा रहता है।
2. ग्रीष्म ऋतु में जब भूमि आग उगलती है, भयंकर गर्म वायु चलती है, तब भी किसान निर्भय होकर अपने काम में लगा रहता है।
3. 'है व्याकुल-सी हो रही सृष्टि' से कवि से तात्पर्य यह है कि जब मूसलाधार बारिश होती है और पूरा संसार परेशान हो जाता है, तब भी किसान हिम्मत नहीं हारता है।
4. वर्षा ऋतु में हमारी दृष्टि में चकाचौंध तब होती है, जब बिजली चमकती है।

5. 'मूसलाधार वृष्टि' से कवि का तात्पर्य है—लगातार तेज बारिश होना।
6. गहन अँधेरी रात का वर्णन करने में कवि ने कमल, पेड़, लता तथा पत्तों आदि का उल्लेख किया है।

7. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) है भूमि ———— कराल।

भाव स्पष्ट–जब पृथ्वी से आग की लपटें निकलती हैं और भयंकर गर्म वायु चलती है।

(ख) है मुँदे ———— लता–पात।

भाव स्पष्ट–रात्रि के समय जब पूरे संसार के लोगों के कमल के समान नेत्र नींद से बंद हुए होते हैं तथा पेड़, लताएँ और पत्ते इत्यादि भी सोये हुए से जान पड़ते हैं।

भाषा प्रवाह

1. पाठ में से योजक द्वारा जोड़े गए अन्य शब्दों को लिखिए-

शीत–व्यथा	विश्व–दृग	तरु–लता–पात
चुभता–सा	ज्वाल–माल	व्याकुल–सी

2. निम्नलिखित शब्दों के करण कारक के रूप दोनों वचनों में लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1. **तीर** = पक्षी को तीर लगा था।
   तीर से = तीर से वह जख्मी हो गया।
   तीरों से = तीरों से उसका सारा शरीर बिंध गया था।
2. **चश्मा** = तुम्हारा चश्मा बहुत सुंदर है।
   चश्मे से = वह चश्मे में से मुझे ही देख रहा था।
   चश्मों से = इन चश्मों में से एक चश्मा उठा लो।
3. **लाठी** = गांधी जी लाठी हमेशा साथ रखते थे।
   लाठी से = उसको लाठी से मत मारो।
   लाठियों से = ग्रामीणों ने चोरों को लाठियों से पीटा।
4. **कलम** = मेरे पास एक कलम है।
   कलम से = राजू ने कलम से पत्र लिखा।
   कलमों से = अध्यापक ने सभी विद्यार्थियों से अपनी–अपनी कलमों से लेख लिखने को कहा।
5. **पानी** = पानी व्यर्थ ही बह रहा था।

पानी से = पानी से अपना मुँह अच्छी तरह से धो लो।

3. **निम्नलिखित संयुक्त क्रियाओं का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

1. **होने लगी** = घर चलो, शाम **होने लगी** है।
2. **बरसने लगा** = पानी बहुत जोर से **बरसने लगा**।
3. **चल सकता है** = रवि से पूछ लो वह भी हमारे साथ **चल सकता है**।
4. **खा चुका है** = वह खाना **खा चुका है**।
5. **जीने दो** = जियो और **जीने दो**।
6. **तोड़ सकता हूँ** = मैं पेड़ पर से आम भी **तोड़ सकता हूँ**।
7. **जा सकता हूँ** = आज मैं जल्दी घर **जा सकता हूँ**।
8. **पी चुके** = वे सभी चाय **पी चुके हैं**।
9. **लिख देता है** = श्यामू दीवारों पर कुछ **भी लिख देता** है।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

7 *अक्ल बड़ी या भैंस*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. अकलू एक बंदर का नाम था। वह तालाब के किनारे एक पुराने पेड़ पर रहता था।
2. प्रतियोगिता अकलू बंदर और भैंस के बीच हुई।
3. प्रतियोगिता में जीत अकलू बंदर की हुई।

लिखित उत्तर दीजिए

1. भैंस जब नहाने के बाद तालाब से बाहर निकली तो उसकी देह में मिट्टी और कीचड़ लगा हुआ था। अकलू बंदर ने जब उसका यह रूप देखा तो वह हँसने लगा।
2. अकलू बंदर जब भैंस को देखकर हँसने लगा, तो वह अकलू पर बिगड़ गई।
3. भैंस के धमकाने पर बंदर ने कहा कि "अरे जा अपना काम कर।" "चली है बड़ी बनने..... इतना बड़ा डील तो है, पर अक्ल रत्ती भर की नहीं पाई।"
4. तालाब की ओर देखकर अकलू इसलिए घबरा गया, क्योंकि उसे तैरना नहीं आता था।
5. अकलू ने इस डाली से उस डाली दो-चार छलाँगें लगाईं और तालाब की

ओर झुकी डाल पर जा पहुँचा। भैंस अभी थोड़ी ही दूर गई थी। बस अकलू वहीं से कूद पड़ा और धम्म से भैंस की पीठ पर आकर बैठ गया। भैंस ने उसे गिराने के लिए एक-दो बार अपनी पूँछ चलाई, पर अकलू ने और भी जोर से पकड़ लिया। जंगल के सभी जानवर उसकी यह चतुराई देखकर चकित रह गए।

6. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

(क) भैंस और अकलू की **गरमागरम** बातें जंगल के अन्य जानवरों के कानों तक जा पहुँची।

(ख) प्रतियोगिता का **निर्णायक** शेर बना।

(ग) अचानक **गीदड़** ने हुआँ-हुआँ की पुकार लगाई।

(घ) अकलू परेशान था उसे **तैरना** तो आता न था।

(ङ) सारे जानवर अकलू की **अक्लमंदी** और जीत पर खुशी से चिल्ला उठे।

7. **सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-**

(क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

8. **किसने, किससे कहा-**

(क) ''तुझे शर्म नहीं आती, अपने से बड़ों पर हँसते हुए?'' **भैंस** ने **अकलू बंदर** से

(ख) ''अरे! तो ऐसा भी क्या नहाना कि देह में कीचड़-मिट्टी लगी रहे।'' **अकलू बंदर** ने **भैंस** से

(ग) ''इतना बड़ा डील तो है, पर अक्ल रत्ती भर की नहीं पाई।'' **अकलू बंदर** ने **भैंस** से

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित शब्दों से मुहावरे बनाइए तथा मूल शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

(क) अक्ल – **अक्ल का अंधा—अरे अक्ल के अंधे! जरा दिमाग से काम लो।**

(ख) भैंस – **भैंस के आगे बीन बजाना — एक भैंस तालाब में घुसकर नहाने लगी।**

(ग) बंदर – **बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद—बंदर ने प्रतियोगिता जीती।**

(घ) मूर्ख – **मूर्ख मित्र से बुद्धिमान शत्रु भला—मूर्ख व्यक्ति से हमेशा दूर रहना ही बेहतर है।**

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

तालाब	–	**सरोवर**	**ताल**	**जलाशय**
शेर	–	**सिंह**	**मृगराज**	**वनराज**
जंगल	–	**वन**	**कानन**	**विपिन**
बंदर	–	**कपि**	**वानर**	**मरकट**
जमीन	–	**पृथ्वी**	**भू**	**धरा**

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

पुराना	–	**नया**	अक्लमंद	–	**बेवकूफ**
हँसना	–	**रोना**	बड़े	–	**छोटे**
गंदा	–	**साफ**	झगड़ा	–	**प्रेम/शांति**
खुशी	–	**गम**	जमीन	–	**आसमान**

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित परसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए-

संग	–	**सत्संग**	शर्म	–	**बेशर्म**
भाषा	–	**परिभाषा**	दर्द	–	**बेदर्द**
इलाज	–	**लाइलाज**	ईमान	–	**बेईमान**
पुत्र	–	**सुपुत्र**	स्वर	–	**सस्वर**

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

जंगल – **जंगल** में एक बहुत बड़ा तालाब था।

तालाब – जंगल में सभी जानवर **तालाब** का पानी पीते हैं।

निपटाना – अकलू बंदर और भैंस के झगड़े को जंगल के सभी जानवरों ने **निपटाया**।

निर्णायक – प्रतियोगिता में एक **निर्णायक** और एक रेफरी भी होता है।

तमाशा – जंगल के सभी जानवर मजेदार **तमाशा** देखने को उत्सुक थे।

सावधान – प्रतियोगिता की तैयारी होने के बाद गीदड़ ने अकलू बंदर और भैंस को **सावधान** किया।

6. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए-

तलाब	–	**तालाब**	पूकारा	–	**पुकारा**
अकलमंद	–	**अक्लमंद**	किचड़	–	**कीचड़**
कीनारे	–	**किनारे**	चतूराइ	–	**चतुराई**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

8 पहली यात्रा

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. ऑटोवाले का नाम जमाल था।
2. महेंद्रलाल गरमी के मौसम में यात्रा कर रहे थे।
3. प्रस्तुत पाठ के लेखक का नाम 'अक्षय कुमार दीक्षित' है।
4. महेंद्रलाल ने ऑटो वाले को ढाई सौ रुपए दिए।

लिखित उत्तर दीजिए

1. महेंद्रलाल नए शहर में जाकर परेशानी में इसलिए पड़ गए क्योंकि उन्हें उस शहर के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं थी।
2. ऑटोवाला महेंद्रलाल के चेहरे और हाव-भाव से जान गया था कि महेंद्रलाल शहर में पहली बार आए हैं।
3. जिस जगह महेंद्रलाल को जाना था, वह जगह स्टेशन से मुश्किल से चालीस-पचास मीटर दूर थी।
4. रेलवे स्टेशन से बाहर आकर महेंद्रपाल ने ऑटोवाले से पूछा, ''क्यों भैया, बस अड्डे चलोगे?''

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) इस शहर में तो **तीन** से भी ज्यादा बस अड्डे हैं।

(ख) **महेंद्रलाल** को किसी काम से एक नए शहर में जाना पड़ा।

(ग) महेंद्रलाल बटुए से **एक सौ** का नोट निकालकर देने लगे।

(घ) अच्छा? **अस्सी हजार** का ऑटो लिया था साहब!

(ङ) इतने में **आठ-दस** आदमी आस-पास इकट्ठा हो गए।

6. नीचे दिए गए कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं और कौन-से असत्य लिखिए?

(क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य

(घ) सत्य (ङ) असत्य

7. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) (i) नए शहर में (ख) (i) जमाल

(ग) (i) पाँच सौ रुपए (घ) (i) ढाई सौ रुपए

भाषा प्रवाह

1. 'लिख' शब्द के अंत में 'इत' प्रत्यय लगने पर 'लिखित' शब्द बनता है। निम्न शब्दों में 'इत' प्रत्यय लगाकर शब्द-रचना कीजिए-

पठ	=	**पठित**	सुगंध	=	**सुगंधित**	चल	=	**चलित**
लाँछन	=	**लाँछित**	परिभाषा	=	**परिभाषित**	कथ	=	**कथित**
शोभा	=	**शोभित**	मोह	=	**मोहित**	चल	=	**चलित**

2. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-

वेद + अंत	=	**वेदांत**	देव + ईश	=	**देवेश**
मुनि + इन्द्र	=	**मुनींद्र**	नर + इन्द्र	=	**नरेंद्र**
नारी + इंद्र	=	नारींद्र	**राजा** + इंद्र	=	**राजेंद्र**
दया + आनंद	=	दयानंद	**सीमा** + अंत	=	**सीमांत**

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

आदमी	=	**नर**	नदी	=	**सरिता**	भैया	=	**भाई**
मुश्किल	=	**कठिन**	रुपए	=	**धन**	पिता	=	**जनक**
पेड़	=	**तरु**	हार	=	**पराजय**	बेईमान	=	**झूठा**

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

शहर	=	**गाँव**	पूरा	=	**आधा**	सस्ता	=	**महँगा**
बड़े	=	**छोटे**	पास	=	दूर	आगे	=	**पीछे**
ज्यादा	=	**कम**	हँसना	=	**रोना**	सोने	=	**जगने**

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) शहर = महेंद्रलाल नए **शहर** में आए थे।
(ख) बस अड्डा = **बस अड्डा** रेलवे स्टेशन से बहुत दूर था।
(ग) रकम = सोहन को मोटी **रकम** चुकानी पड़ी।
(घ) बहस = उन दोनों में **बहस** हो गई।
(ङ) रेलगाड़ी = देखते-ही-देखते **रेलगाड़ी** ने रफ्तार पकड़ ली।
(च) आदमी = वहाँ पर बहुत सारे **आदमी** इकट्ठे हो गए थे।

6. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए-

इकट्ठा	=	**इकट्ठे**	शहर	=	**शहरों**	पैसा	=	**पैसे**
दुकान	=	**दुकानें**	मिठाई	=	**मिठाइयाँ**	आदमी	=	**आदमियों**
किताब	=	**किताबें**	आवाज	=	**आवाजें**	बात	=	**बातें**
यात्रा	=	**यात्राएँ**	ठग	=	**ठगों**	खुशी	=	**खुशियाँ**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

9 सबसे बड़ी चीज़

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. बीरबल अकबर के दरबार की शोभा थे।
2. अकबर ने बीरबल की ओर संकेत करते हुए कहा, ''बीरबल! हमें पूरा विश्वास है कि तुम इस प्रश्न का उत्तर अवश्य दोगे।''
3. गिरिधर एक निर्धन बालक था तथा बीरबल उसकी बुद्धिमत्ता से प्रभावित थे।
4. गिरिधर ने बीरबल को चिन्तित देखकर पूछा, पिताजी! मैं देख रहा हूँ कि कई दिनों से आप खोए-खोए से रहते हैं। कृपया बताइए कि आपकी चिन्ता का क्या कारण है?
5. गिरिधर ने बुद्धिमान और मूर्ख लोगों में अंतर बताते हुए कहा कि बुद्धिमान लोग प्राय: चिन्तित रहा करते हैं, जबकि मूर्ख लोग बेफिक्र रहकर मौज-मस्ती करते हैं।
6. क्रोध पर काबू नहीं रखने के कारण मनुष्य को अनेक समस्याओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. बुद्धि दुनिया की सबसे बड़ी चीज है, क्योंकि बुद्धि के द्वारा मनुष्य के सभी काम बन जाते हैं।
2. बुद्धि चिंता खाती है क्योंकि बुद्धिमान लोग प्राय: चिन्तित रहा करते हैं, जबकि मूर्ख लोग बेफिक्र रहकर मौज-मस्ती करते हैं।
3. बुद्धि क्रोध को पीती है, क्योंकि बुद्धिमान लोग क्रोध को पी जाते हैं, जबकि मूर्ख तथा अज्ञानी अपने क्रोध पर नियंत्रण नहीं रख पाते।
4. बुद्धि करती क्या है, इस प्रश्न को समझाने के लिए गिरिधर ने अकबर से राजगद्दी से नीचे उतरने के लिए कहा। अकबर के नीचे उतरने पर गिरिधर ने कहा कि ''अब तो आपने प्रत्यक्ष देख ही लिया कि बुद्धि क्या करती है? बादशाह के यह कहने पर कि हम कुछ समझ नहीं पाए, गिरिधर ने कहा, बुद्धि किसी को राजगददी से उतार देती है तो किसी को उस पर बिठा देती है

अर्थात् बुद्धि किसी को नीचे गिरा देती है, तो किसी को ऊपर उठा देती है।''

5. प्रस्तुत कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें चिंता से दूर रहना चाहिए, अपने क्रोध पर विजय प्राप्त करनी चाहिए और बुद्धि का सदुपयोग करना चाहिए।

6. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) (i) बीरबल बहुत बुद्धिमान थे तथा अपने उत्तरों से सबको हँसा देते थे।

(ख) (i) हँसा दिया करते थे।

7. उपयुक्त शब्द भरकर वाक्यों को पूरा कीजिए-

(क) यदि मनुष्य के मन में कोई **चिंता** या **बोझ** आदि हो, तो उसे दूसरे पर प्रकट कर देने से **चित्त** हल्का हो जाता है।

(ख) बुद्धिमान लोग प्राय: **चिन्तित** रहा करते हैं, जबकि मूर्ख लोग **बेफिक्र** रहकर मौज-मस्ती करते हैं।

(ग) **बुद्धिमान** लोग क्रोध को पी जाते हैं, जबकि **मूर्ख** तथा **अज्ञानी** अपने क्रोध पर नियंत्रण नहीं रख पाते।

(घ) **बुद्धि** किसी को नीचे गिरा देती है, तो किसी को **ऊपर** उठा देती है।

भाषा प्रवाह

1. इन क्रियाओं से वाक्य बनाइए-

कटाव = **कटना** = **यहाँ पर पानी के कटाव को रोकना बहुत आवश्यक है।**

बहाव = **बहना** = **वहाँ पर मत जाओ। वहाँ पानी का बहाव बहुत तेज है।**

बचाव = **बचना** = **विभिन्न रोगों से बचाव के लिए सावधानी अत्यावश्यक है।**

लगाव = **लगना** = **पास में रहने पर पशुओं से भी लगाव हो जाता है।**

पड़ाव = **पड़ना** = **राजा की सेना ने नदी के किनारे पड़ाव डाला।**

पहनावा = **पहनना** = **पंजाबी लोगों का पहनावा सलवार कुरता है।**

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए-

थाली	**थालियाँ**	नीति	**नीतियाँ**
डोली	**डोलियाँ**	रीति	**रीतियाँ**
विधि	**विधियाँ**	क्यारी	**क्यारियाँ**
बेटी	**बेटियाँ**	खिड़की	**खिड़कियाँ**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

10 हम कुछ करके दिखाएँगे

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. प्रस्तुत कविता में बच्चों के दिलों में देशभक्ति की भावना दिखाई देती है।
2. बच्चों के दिलों में दीन-दुखियों की सहायता करने और मातृभूमि पर मर मिटने के अरमान हैं।
3. बच्चे अपना नाम अमर लोगों में लिखवाना चाहते हैं।
4. जो लोग अँधेरों में कहीं खो गए हैं अर्थात् आलसी व निष्क्रिय हो गए हैं बच्चे उनके दिलों में श्रम तथा मेहनत का दीप जलाना चाहते हैं।
5. बच्चे अपने आपको आजादी के दीवाने इसलिए कहते हैं, क्योंकि उनके दिलों में देश पर बलिदान होने का जज्बा है।

लिखित

1. बच्चे गरीब तथा भिखारी लोगों को गले लगाने को कहते हैं।
2. उद्यम के दीपक से कवि का तात्पर्य है—आलसी तथा निकम्मे लोगों के मन में श्रम तथा मेहनत का भाव उत्पन्न करना।
3. बच्चे ऐसे लोगों में उत्साह जगाएँगे जो हर उम्मीद छोड़कर तथा जीवन से हार मानकर बैठे हैं।
4. बच्चे अपना सर्वस्व मातृभूमि की सेवा में लगाना चाहते हैं।
5. बच्चे उन वीरों के बेटे हैं जो अपनी धुन के पक्के थे।

6. निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) **भाव-**जो लोग अँधेरों में कही गुम हो गए हैं। जिन लोगों की पहचान खो गई है।

(ख) **भाव-**हम उन वीरों के बच्चे हैं, जो अपनी लगन के पक्के थे तथा सच्चे थे अर्थात् हम देश पर बलिदान हो जाने वाले वीरों के बच्चे हैं।

7. कविता के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) है शौक यही, **अरमान यही,**
हम कुछ करके दिखलाएँगे।

(ख) **जो लोग** गरीब भिखारी हैं,
जिन पर न किसी की **छाया** है।

(ग) हम उनके **कोने-कोने में,**

(घ) हम उन वीरों **के बच्चे हैं,**

उद्यम का दीप जलाएँगे। **जो धुन के** पक्के, सच्चे थे।

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए-**

कमाएँगे	=	**जलाएँगे**	नजर	=	**अजर**
अरमान	=	**फरमान**	दीप	=	**सीप**
घर	=	**कर**	छाया	=	**माया**
सुखी	=	**दुखी**	सेवा	=	**मेवा**

2. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-**

अँधेरा	=	**उजाला**	सच्चे	=	**झूठे**	पक्का	=	**कच्चा**
खुशी	=	**दुख**	छाया	=	**धूप**	गरीब	=	**अमीर**
आजादी	=	**गुलामी**	हार	=	**जीत**			

3. **निम्न वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए-**

(क) अनाथ (ख) सत्यवादी (ग) बलिदानी (घ) साहसी

(ङ) स्वर्गवासी (च) परोपकारी (छ) देशप्रेमी

4. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

दुनिया	-	**विश्व**	**संसार**	**जग**
घर	-	**गृह**	**निकेतन**	**सहन**
उद्यम	-	**परिश्रम**	**मेहनत**	**प्रयास**
उत्साह	-	**उमंग**	**उद्यम**	**हर्ष**

रचनात्मक गतिविधियाँ

''आपके दिल में अपनी मातृभूमि के लिए क्या भावना है?'' पाँच वाक्य लिखिए-

1. हमारा मन करता है कि हम अपनी मातृभूमि पर सर्वत्र समानता का प्रसार करें।
2. यदि हमें अपनी मातृभूमि के लिए जान भी देनी पड़े तो हम देंगे।
3. हमारी मातृभूमि पर सभी में भाईचारा हो, किसी के मन में भी एक-दूसरे के प्रति द्वेष की भावना न हो।
4. हमारी मातृभूमि पर सर्वत्र खुशहाली हो, कहीं कोई उदास न हो।
5. हम अपनी मातृभूमि पर अपने प्राण न्यौछावर करके अमर हो जाना चाहते हैं।

11 आदि कांड (रामायण) से

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. राजा दशरथ के पिता का नाम अज था, वह कोसल देश के राजा थे।
2. कोसल प्रदेश की राजधानी का नाम अयोध्या था।
3. राजा दशरथ के पूर्वज सगर, रघु, दिलीप आदि थे।
4. दशरथ की तीन रानियाँ कौशल्या, सुमित्रा और कैकेयी थीं।
5. राम का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को हुआ था, उनकी माता कौशल्या थीं।
6. विश्वामित्र यज्ञ की रक्षा करने के लिए राम को लेने आए थे, क्योंकि उन्हें रावण के अनुचर मारीच और सुबाहु यज्ञ नहीं करने देते थे।
7. राम का विवाह सीता के साथ हुआ।

लिखित उत्तर दीजिए

1. राजा दशरथ की तीनों रानियों के पुत्रों के नाम इस प्रकार थे—कौशल्या के पुत्र राम, सुमित्रा के लक्ष्मण और शत्रुघ्न तथा भरत, कैकेयी के पुत्र थे।
2. राजा दशरथ राम को विश्वामित्र के साथ भेजने में इसलिए हिचक रहे थे, क्योंकि उस समय राम बहुत छोटे थे।
3. राम ने अनेक राक्षसों का संहार किया। महाराक्षसी ताड़का को राम ने पहले चारों ओर से बाणों से घेर लिया, फिर उसके हृदय में तीक्ष्ण बाण चलाकर उसे मार दिया। मारीच नामक राक्षस पर मानवास्त्र चलाकर समुद्र के किनारे फेंक दिया तथा सुबाहु नामक राक्षस को आग्नेयास्त्र से मार डाला।
4. यज्ञ के बाद राम विश्वामित्र के साथ मिथिला गए, क्योंकि वहाँ पर एक अन्य यज्ञ हो रहा था।
5. सीता के विवाह के लिए राजा जनक ने यह शर्त रखी थी कि मेरे पास जो शिव का पुराना धनुष है, उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने वाले से ही मैं सीता का विवाह करूँगा।
6. सीता का जन्म हल चलाते समय पृथ्वी में से निकले घड़े से हुआ था।
7. लक्ष्मण का विवाह उर्मिला से, भरत का मांडवी से और शत्रुघ्न का विवाह श्रुतिकीर्ति से हुआ था।

भाषा प्रवाह

1. **इस प्रकार के पाँच अन्य शब्द लिखिए जिनमें 'इक' प्रत्यय जुड़ने पर 'अ' का 'आ' हो गया हो-**

वार्षिक	तामसिक	मानसिक	सामाजिक	ऐतिहासिक

2. **चंद्रबिंदु और बिंदु वाले अनुनासिक शब्द लिखिए-**

यहाँ	जहाँ	वहाँ	करूँगा	दिशाएँ
गूँज	पाँच	पहुँचे	आँखें	हूँ
चारों	पुत्रों	मैं	सौंप	टंकार
चरणों	खींचना	संकेत	हैं	प्रशंसा

3. **नीचे लिखे शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए-**

शब्द	**स्त्रीलिंग**	**शब्द**	**स्त्रीलिंग**	**शब्द**	**स्त्रीलिंग**
डिब्बा	**डिबिया**	ठाकुर	**ठकुराइन**	मामा	**मामी**
काका	**काकी**	पाठक	**पाठिका**	चूहा	**चुहिया**
चौधरी	**चौधराइन**	बाबू	**बबुआइन**	दादा	**दादी**
लोटा	**लुटिया**	हाथी	**हथिनी**	राजा	**रानी**
लड़का	**लड़की**	अध्यापक	**अध्यापिका**	बच्चा	**बच्ची**
वर	**वधू**	आदमी	**औरत**	चाचा	**चाची**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें

12 मेरी अभिलाषा है

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. बालक चंद्रमा के समान चमकना चाहते हैं।
2. बालक तारों के समान दमकना चाहता है।
3. बालक कोयल की तरह इसलिए कुहुकना चाहता है, क्योंकि कोयल अपनी बोली से सभी को अपनी तरफ आकर्षित कर लेती है।
4. बालक नभ की तरह निर्मल तथा चंद्रमा के समान शीतल बनना चाहता है।

लिखित

1. पहली तीन पंक्तियों में बालक ने सूरज के समान दमकने, चंद्रमा के समान चमकने तथा तारों के समान दमकने की इच्छाएँ प्रकट की हैं।
2. छात्र स्वयं करें।

3. बालक सेवा के पथ पर सुमन की तरह इसलिए बिछ जाना चाहता है, क्योंकि ऐसा करने से उसे असीम सुख की प्राप्ति होगी।
4. बालक धरती के समान सहनशील बनना चाहता है।
5. मेघों–सा–मिट जाऊँ, सागर–सा लहराऊँ,
सेवा के पथ पर मैं, सुमनों–सा बिछ जाऊँ,
मेरी अभिलाषा है।
कविता की उपर्युक्त पंक्तियाँ सबसे सुंदर हैं, क्योंकि इन पंक्तियों में सेवा का भाव है।

6. निम्न पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) मेघों सा ________________ जाऊँ।

भावार्थ–कवि कहता है कि मेरी यह अभिलाषा है कि, मैं बादलों के समान मिट जाऊँ, सागर की लहरों के समान लहराऊँ तथा सेवा के रास्ते पर फूलों के समान बिछ जाऊँ।

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) **फूलों–सा महकूँ मैं,** विहगों–सा चहकूँ मैं,
गुन्जित कर वन–उपवन, कोयल–सा कुहकूँ मैं,

(ख) सूरज–सा दमकूँ **मैं, चंदा–सा चमकूँ मैं,**
झलमल–झलमल उज्जवल तारों–सा दमकूँ मैं,

(ग) **नभ जैसा निर्मल हूँ,** शशि जैसा शीतल हूँ,
धरती–सा सहनशील, पर्वत–सा अविचल हूँ।

भाषा प्रवाह

1. नीचे लिखे शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

सूरज	=	**भानु**	**भास्कर**	**सूर्य**
मेघ	=	**बादल**	**जलद**	**नीरद**
सागर	=	**समुद्र**	**वारिधि**	**रत्नाकर**
चंदा	=	**विधु**	**चंद्रमा**	**राकेश**
फूल	=	**सुमन**	**पुष्प**	**पुहुप**
पक्षी	=	**खग**	**विहग**	**पखेरू**
नभ	=	**आकाश**	**अंबर**	**आसमान**

2. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग पृथक करके लिखिए-

अनुमान	=	**अनु**	अतिरिक्त	=	**अति**

सुरक्षा	=	**सु**	असमर्थ	=	**अ**
कुमार्ग	=	**कु**	बेवजह	=	**बे**
लाइलाज	=	**ला**			

3. **'कष्ट' में 'कर' प्रत्यय जोड़कर 'कष्टकर' शब्द बनता है, जिसका अर्थ है-'कष्ट देने वाला' अब निम्नलिखित शब्दों में 'कर' जोड़कर नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ भी लिखिए-**

दिन	=	**दिनकर**	=	**सूर्य**	निशा	=	**निशाकर**	=	**चंद्रमा**
प्रभा	=	**प्रभाकर**	=	**चंद्रमा**	लाभ	=	**लाभकर**	=	**जिससे लाभ हो**
हित	=	**हितकर**	=	**हितकारी**	सुधा	=	**सुधाकर**	=	**चंद्रमा**

स्वास्थ्य = **स्वास्थ्यकर = जो स्वास्थ्यवर्धक हो**

हानि = **हानिकर = जिससे हानि हो**

4. **निम्नलिखित शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए-**

सूरज	—	**स् + ऊ + र् + अ + ज् + अ**
उज्जवल	—	**उ् + ज् + ज् + अ + व् + अ + ल् + अ**
गुंजित	—	**ग् + उ + अं + ज् + इ + त् + अ**
कोयल	—	**क् + ओ + य् + अ + ल् + अ**
निर्मल	—	**न् + इ + र् + म् + अ + ल् + अ**
अभिलाषा	—	**अ + भ् + इ + ल् + आ + ष् + आ**
हलवाई	—	**ह् + अ + ल् + अ + व् + आ + ई**
रिश्तेदार	—	**र् + इ + श् + त् + ए + द् + आ + र् + अ**
रेलगाड़ी	—	**र् + ए + ल् + अ + ग् + आ + ड़ + ई**
ठिकाने	—	**ठ् + इ + क् + आ + न् + ए**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

13 *पर्यावरण के प्रदूषण की आवाज*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. पर्यावरण प्रदूषण का सामान्य अर्थ है—हमारे पर्यावरण का दूषित हो जाना। यह समस्या एक भंयकर रूप लेती जा रही है, क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण का

कुप्रभाव न केवल मानव जाति पर पड़ रहा है, बल्कि मनुष्य के अतिरिक्त थलचर, नभचर, तथा जलचर सभी जीव-जंतु इससे कुप्रभावित हो रहे हैं।

2. प्रकृति पर्यावरण में जब किन्हीं दो तत्वों का अनुपात इस रूप में बदलने लगता है जिसका जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका होती है, तब कहा जाता है कि पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है।
3. वायु प्रदूषण के लिए मुख्य रूप से औद्योगिक संस्थान तथा यातायात के साधन जिम्मेदार हैं। वायु प्रदूषण का गंभीर प्रतिकूल प्रभाव मनुष्यों एवं अन्य जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है।
4. जल के मुख्य स्रोतों में दूषित एवं विषैले तत्वों का समावेश होना जल-प्रदूषण कहलाता है, जल-प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए औद्योगिक संस्थानों की गतिविधियों को नियंत्रित करना होगा।
5. पर्यावरण में शोर का बढ़ जाना ही ध्वनि प्रदूषण है। विद्वानों का कहना है कि शोर व्यक्ति को समय से पहले बूढ़ा कर देता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, क्योंकि यह समस्या किसी एक व्यक्ति, समूह या देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण विश्व की समस्या है।
2. प्रदूषण के निम्न प्रकार हैं—

1. पर्यावरण प्रदूषण–प्रकृति पर्यावरण में जब किन्हीं दो तत्वों का अनुपात इस रूप में बदलने लगता है, जिसका जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका होती है, तब पर्यावरण प्रदूषित माना जाता है।

2. वायु प्रदूषण–वायुमंडल में विभिन्न प्रकार की गैसें होती हैं, जब इन गैसों का प्राकृतिक अनुपात बिगड़ जाता है, तब हम कह सकते हैं कि वायु प्रदूषित हो गई है।

3. जल प्रदूषण–जल के मुख्य स्रोतों में दूषित एवं विषैले तत्वों का समावेश होना जल-प्रदूषण कहलाता है।

3. वायु-प्रदूषण के कारण अनगिनत रोग होने की निरंतर आशंका रहती है, जिनमें फेफड़ों के रोग मुख्य हैं। इसके अतिरिक्त सिरदर्द, आँखों का दुखना, आँखों में चिरमिराहट होना, खाँसी, दमा, ब्रोंकाइटिस, गले का रोग, न्यूमोनिया, चक्कर आना, हृदय रोग तथा हड्डियों के दर्द आदि रोग भी किसी-न-किसी रूप में वायु-प्रदूषण से जुड़े हुए हैं।

वायु-प्रदूषण के मुख्य स्रोत हैं—औद्योगिक संस्थान, सड़कों पर चलने वाले वाहन तथा गंदगी। अत: वायु-प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इन्हीं स्रोतों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। औद्योगिक संस्थानों में धुएँ के निष्कासन के लिए ऊँची चिमनियाँ लगाई जानी चाहिए तथा सभी चिमनियों में उत्तम प्रकार के छन्ने भी लगाए जाने चाहिए। इन छन्नों द्वारा व्यर्थ गैसों में से सभी प्रकार के कण छनकर भीतर ही रह जाएँगे, केवल गर्म हवा एवं कुछ गैसें ही वायुमंडल में निष्कासित हो पाएँगी। इसी प्रकार वाहनों के द्वारा होने वाले वायु-प्रदूषण को भी नियंत्रित करना अति आवश्यक है।

4. प्रदूषित जल के सेवन से मुख्य रूप से पाचन तंत्र संबंधी रोग उत्पन्न हो जाते हैं। इन रोगों में मुख्य हैं—हैजा, पेचिस, पीलिया, टाइफाइड तथा पैराटाइफाइड आदि।
5. पर्यावरण में शोर का बढ़ जाना ही ध्वनि प्रदूषण है। शोर व्यक्ति को समय से पहले बूढ़ा कर देता है। शोर से व्यक्ति बहरा तक हो सकता है। शोर या ध्वनि-प्रदूषण का सर्वाधिक बुरा प्रभाव कारखानों एवं औद्योगिक संस्थानों में काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ता है। इन श्रमिकों के कानों के अतिरिक्त हृदय, केंद्रीय तंत्रिका-तंत्र तथा पाचन-तंत्र पर भी शोर का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

   शोर के कारण रक्तचाप, श्वसन गति, नाड़ी गति में उतार-चढ़ाव, जठरांत्र गतिशीलता में कमी, रुधिर परिसंचरण में परिवर्तन तथा हृदय-पेशी के गुणों में भी परिवर्तन हो जाता है। शोर से शारीरिक एवं मानसिक तनाव बढ़ता है। अत्यधिक शोर से निस्टैग्मस हो जाता है और चक्कर आने लगते हैं।
6. ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव हमारे शरीर के विभिन्न अंगों पर पड़ता है; जैसे—कान, हृदय, केंद्रीय तंत्रिका-तंत्र तथा पाचन-तंत्र आदि।
7. पर्यावरण प्रदूषण से बचने के लिए निम्न उपाय किए जाने चाहिए— औद्योगिक संस्थानों में धुएँ के निष्कासन के लिए ऊँची चिमनियाँ लगाई जानी चाहिए तथा सभी चिमनियों में उत्तम प्रकार के छन्ने भी लगाए जाने चाहिए इसके अतिरिक्त जहाँ तक संभव हो, सड़कों पर यातायात रुकना नहीं चाहिए। हर प्रकार की गंदगी एवं कूड़े-करकट को विधिवत् समाप्त करने के लिए निरंतर उपाय किए जाने चाहिए। औद्योगिक संस्थानों में ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि कम-से-कम व्यर्थ पदार्थ बाहर निकाले जाएँ तथा निकलने वाले व्यर्थ पदार्थों एवं जल को उपचारित करके ही निकाला

जाए। इसके अतिरिक्त नगरीय कूड़ा-करकट को भी उचित विधि से नष्ट कर देना चाहिए तथा जल स्रोतों में मिलने से रोकना चाहिए। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भी विशेष उपाय किए जाने चाहिए। वाहनों के हार्न अनावश्यक रूप से न बजाए जाएँ। सार्वजनिक रूप से लाउडस्पीकरों आदि के इस्तेमाल को नियंत्रित किया जाना चाहिए। घरों में भी रेडियो, टी०वी० आदि की ध्वनि को नियंत्रित रखा जाना चाहिए। औद्योगिक संस्थानों में छुट्टी आदि के लिए बजने वाले उच्च ध्वनि के सायरन न लगाए जाएँ। इन उपायों तथा सावधानियों को अपनाकर काफी हद तक पर्यावरण प्रदूषण से बचा जा सकता है।

8. इस पंक्ति का आशय यह है कि यदि इस ध्वनि प्रदूषण को रोका नहीं गया तो एक दिन ऐसा आएगा, जब यह शोर ही हमारे स्वास्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु होगा और हमें इससे संघर्ष करना पड़ेगा।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) पर्यावरण-प्रदूषण का कुप्रभाव **न केवल मानव जाति पर पड़ रहा है बल्कि मनुष्य** के अतिरिक्त थलचर, नभचर तथा जलचर सभी जीव-जंतुओं पर पड़ता है।

(ख) जल-प्रदूषण भी एक **गंभीर** समस्या है।

(ग) **पशु** भी मल-मूत्र त्याग कर जल को दूषित करते हैं।

(घ) **पर्यावरण प्रदूषण** का एक रूप ध्वनि प्रदूषण भी है।

(ङ) अत्यधिक शोर से **निस्टैग्मस** हो जाता है और चक्कर आने लगते हैं।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

पर्यावरण	**परि + आवरण**	जीवनाधार	**जीवन + आधार**
प्रतिकूल	**प्रति + कूल**	औद्योगिक	**औद्य + यौगिक**
कदापि	**कदा + अपि**	विषाक्त	**विष + अक्त**
कीटाणु	**कीट + अणु**	जलाशय	**जल + आशय**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

अतिवृष्टि	**अनावृष्टि**	प्रतिकूल	**अनुकूल**
असंतुलन	**संतुलन**	हानिकारक	**लाभदायक**
असंभव	**संभव**	नियंत्रित	**अनियंत्रित**
शुद्ध	**अशुद्ध**	समान	**असमान**

जीवन **मरण** निर्माण **ध्वस्त**

3. **वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-**

(क) जलचर (ख) नभचर (ग) बंजर

(घ) स्वार्थी (ङ) धनी

रचनात्मक गतिविधियाँ

पर्वत- 1. पर्वतों पर उपयोगी वन पाए जाते हैं।

2. पर्वत वर्षा कराने में सहायक होते हैं।

समुद्र- 1. समुद्र के द्वारा बादलों का निर्माण होता है।

2. समुद्र के जल से नमक बनाया जाता है।

स्वयं कीजिए।

14 कड़वी मिठाई

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. अतजल देखने में सुंदर पर स्वभाव से आलसी बच्चा था।
2. वह स्वर्ग इसलिए जाना चाहता था क्योंकि उसने सुन रखा था कि स्वर्ग में सब आराम करते हैं।
3. डॉ० योत्स की यह बात सुनकर कि, "अरे, यह बच्चा तो मर चुका है, इसे दफनाते क्यों नहीं!" अतजल खुशी से चहकने लगा।
4. अतजल ने मरकर स्वर्ग जाने की हठ ठान ली थी।

लिखित उत्तर दीजिए

1. डॉ० योत्स ने मकान के एक कमरे को सुंदर ढंग से सजाया। पलंग पर फूल बिखेर दिए गए। कई नौकर परियों के पंख लगाकर देवदूत बन गए। कमरे में दीवारों पर लिख दिया गया—स्वर्गलोक।
2. दीवार पर लिखे शब्द पढ़कर तथा वहाँ पर माँ-बाप तथा दोस्त आदि किसी को भी न पाकर अतजल को विश्वास हो गया कि वह मर चुका है।
3. स्वर्ग पहुँचकर शुरू में अतजल इसलिए खुश था, क्योंकि वहाँ उसे कोई काम नहीं करना पड़ा तथा इच्छा करते ही मनचाही वस्तु तुरंत प्राप्त हो गई।
4. इस कहानी का शीर्षक 'कड़वी मिठाई' इसलिए रखा गया है क्योंकि अतजल के माता-पिता को उसे रास्ते पर लाने के लिए जो नाटक करना पड़ा, अतजल के लिए वह कड़वी मिठाई के समान था। क्योंकि वह जो चाहता

था, उसे वह मिल तो गया था पर वह उसके लिए असहनीय बन गया था।

5. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) (i) स्वर्ग में सब आराम करते हैं। (ख) (iii) दुखी रहने लगा था।
(ग) (iii) ''मैं उसका इलाज कर सकता हूँ।''

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) कादिश का इकलौता पुत्र था **अतजल**।
(ख) अतजल चुपचाप जाकर **बिस्तर** पर लेट गया।
(ग) कई **हकीम-वैद्य** आए, पर वे कुछ न कर सके।
(घ) आखिर में अतजल के पिता कादिश **डॉ० योत्स** के पास गए।
(ङ) कमरे में दीवारों पर लिख दिया गया **स्वर्गलोक**।
(च) हर तरफ **रेशमी** परदे पड़े थे।
(छ) माँ के झिंझोड़ने से अतजल की **आँखें** खुलीं।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) स्वर्ग—**स्वर्ग** में देवताओं का निवास होता है।
(ख) फरिश्ते—तुम एक **फरिश्ते** के रूप में धरती पर आए हो।
(ग) पृथ्वी—**पृथ्वी** पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु रहते हैं।
(घ) माँ—**माँ** के समान प्यार करने वाला कोई नहीं होता।
(ङ) वैद्य—कल मुझे **वैद्य** के पास जाना है।

2. निम्नलिखित शब्दों/मुहावरों के सही अर्थ पर निशान (✓) लगाइए-

(क) (ii) घबरा जाना (ख) (ii) संकट (ग) (i) खंबा
(घ) (i) खरीदना (ङ) (i) बुरी आदत

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

स्वर्ग	=	**नरक**	मालिक	=	**नौकर**	पहला	=	**आखिरी**
विक्रेता	=	**क्रेता**	सारा	=	**थोड़ा**	पढ़ना	=	**लिखना**
पक्का	=	**कच्चा**	रोना	=	**हँसना**	दिन	=	**रात**
मोटा	=	**पतला**	घृणा	=	**प्रेम**	निडर	=	**डरपोक**

4. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

आँख	=	**चक्षु**	**नयन**	**नेत्र**	दोस्त =	**मित्र**	**सखा**	**सहचर**
माँ	=	**अंबा**	**जननी**	**माता**	पिता =	**जनक**	**पितृ**	**तात**
दिन	=	**दिवस**	**वासर**	**दिवा**				

5. नीचे दिए शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए और उपसर्ग से दो-दो शब्द बनाइए-

(क)	बेईमान	=	**बे**	+	**ईमान**	**बेहिसाब**	**बेनाम**
(ख)	बदमिजाज	=	**बद**	+	**मिजाज**	**बद्दिमाग**	**बद्तमीज**
(ग)	लाइलाज	=	**ला**	+	**इलाज**	**लाजबाव**	**लापता**
(घ)	गैरहाजिर	=	**गैर**	+	**हाजिर**	**गैरजिम्मेदार**	**गैरमर्द**
(ङ)	हमदर्द	=	**हम**	+	**दर्द**	**हमराज**	**हमसफर**

6. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों में उपयुक्त सर्वनाम शब्द लिखिए-

(क) **उसकी बात** सुनकर अतजल रो पड़ा।

(ख) **मैं** दोनों के साथ खेलना चाहता हूँ।

(ग) **जो** गलती करता है **उसे** उसका फल भोगना पड़ता है।

(घ) बस **उसने** मरने की ठान ली।

(ङ) मैं **जैसा** कहूँगा **तुम्हें** वैसा ही करना पड़ेगा।

7. 'ई' प्रत्यय जोड़कर आठ नए शब्द बनाइए-

कतर	+	**नी**	=	**कतरनी**	**कर**	+	**नी**	=	**करनी**
सूँघ	+	**नी**	=	**सूँघनी**	**छन**	+	**नी**	=	**छननी**
मोह	+	**नी**	=	**मोहनी**	**भर**	+	**नी**	=	**भरनी**
स्वामी	+	**नी**	=	**स्वामिनी**	ओढ़	+	**नी**	=	**ओढ़नी**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

15 मैं सबसे छोटी होऊँ

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. इस कविता में बच्ची माँ की गोद में सोते रहने की इच्छा प्रकट करती है।
2. बच्ची अपनी माँ के साथ-साथ फिरते रहने की बात इसलिए कहती है, क्योंकि उसे अपनी माँ से बिछुड़ने का डर है।
3. माँ बच्ची से इस प्रकार छल करती है कि बच्ची के बड़ा होने पर वह उसका हाथ पकड़कर उसके साथ-साथ नहीं घूमती है।
4. माँ बच्चों को परियों की कहानी सुनाती है।
5. माँ अपने बच्चों को अपने हाथों से नहलाती, धुलाती है तथा उनके मुख से

धूल साफ करती है और उन्हें अपने हाथों से सजाती है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. माँ वास्तव में स्नेह एवं ममता की प्रतिमा होती है। हर बच्चा माँ के स्नेह की शीतल छाया में रहना चाहता है तथा माँ के आँचल की छाँव में हर बच्चा निर्भयता का अनुभव करता है।
2. माँ सबसे छोटे बच्चे को सबसे अधिक प्यार करती है।
3. माँ बच्चे को अपनी गोद से वंचित करती है।
4. बच्ची अपनी माँ से शिकायत करती है कि माँ! तू पहले हमें बड़ा करती है और फिर धीरे से अपनी उँगली छुड़ाकर हमारे साथ छल करती है।
5. बच्ची को नहला-धुलाकर माँ सजाती है।
6. बच्ची अपनी माँ के प्यार भरे आँचल के स्नेह तथा निर्भयता की छाया में जीवन व्यतीत करना चाहती है।

7. पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) अपने कर से खिला, **धुला मुख,**
धूल पोंछ, सज्जित कर गात,
थमा **खिलौने, नहीं सुनाती, पकड़कर**
हमें सुखद परियों की बात!

(ख) मैं सबसे **छोटी होऊँ,**
तेरी गोदी में सोऊँ,
तेरा आँचल **पकड़-**
फिरूँ सदा **माँ! तेरे साथ,**
कभी न छोड़ूँ तेरा हाथ।

8. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) **आशय-**प्रस्तुत पंक्तियों में कहा गया है कि हे माँ! जब हम छोटे होते हैं तब तू हमें अपने हाथों से खिलाती है, अपने हाथों से हमारा मुख धोकर, धूल पोंछकर हमारे शरीर को सजाती है। जब हम बड़े हो जाते हैं तब तू हमें न नहलाती, न अपने हाथों से खाना खिलाती है तथा हमें अच्छी-अच्छी परियों की कहानियाँ नहीं सुनाती है और हमारे हाथों में खिलौने पकड़ा देती है।

(ख) **आशय-**प्रस्तुत पंक्तियों से आशय है कि हे माँ! मैं सबसे छोटी बनना चाहती हूँ तथा हमेशा तेरी गोद में सोना चाहती हूँ। तेरा आँचल पकड़कर हमेशा तेरे साथ घूमना चाहती हूँ तथा मैं चाहती हूँ कि तेरे हाथ से मेरा हाथ कभी न छूटे।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

माँ	=	**माता**	**जननी**	**अम्बा**
चन्द्रमा	=	**राकेश**	**विधु**	**शशि**
पुष्प	=	**फूल**	**सुमन**	**कुसुम**
पक्षी	=	**खग**	**विहग**	**पखेरू**
स्नेह	=	**प्रेम**	**प्यार**	**कोमलता**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-

छोटी	=	**बड़ी**	तेरा	=	**मेरा**	दिन	=	**रात**
भय	=	**निर्भय**	पीछे	=	**आगे**	प्यार	=	**नफरत**
शीत	=	**उष्णा**	हमारा	=	**तुम्हारा**	न्याय	=	**अन्याय**
सुख	=	**दुख**	पकड़ना	=	**छोड़ना**	बड़ा	=	**छोटा**

3. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए उचित विशेषण लिखिए-

काला	बादल	**दयालु**	अध्यापिका	**ऊँची**	लहरें
सूखी	धरती	**हरी**	घास	**सुंदर**	कलम
पीला	आम	**मीठा**	दूध	**लाल**	कपड़ा
लंबा	आदमी	**सफेद**	घोड़ा	**छोटा**	बालक
सुंदर	लड़की	**प्यारी**	माँ	**अच्छी**	बात

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

16 हमारे वैज्ञानिक

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. वायु, जल, पेड़-पौधे, मिट्टी आदि सभी पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं।
2. प्राचीन काल में गुरुकुलों की स्थापना वनों में इसलिए की जाती थी, ताकि शिष्यों का प्रकृति से संबंध बना रहे।
3. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वृक्षों को मनुष्य के पुत्र के समान बताया गया है।
4. जड़ से लेकर तना, शाखाएँ, छाल, फूल, फल तथा बीज आदि सभी हमारे जीवन के लिए उपयोगी हैं।
5. पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचा लेते हैं और वायु को शुद्ध रखते हैं। इस प्रकार पेड़-पौधे वातावरण को शुद्ध करने

में सहायक हैं।

6. वृक्षों की कमी होने से वर्षा कहीं अधिक और कहीं कम होने लगती है और बाढ़ आने का खतरा भी बना रहता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति कहकर उसका महत्त्व स्पष्ट किया है। अग्निपुराण में वृक्षों को काटने का निषेध किया गया है, क्योंकि वे परिवार की सुख समृद्धि के आधार हैं। मत्स्य पुराण में एक वृक्ष को दस युगों के बराबर बताया गया है।
2. किसान के यह कहने पर कि ''महाराज, जिस पौधे को मेरे बाप-दादा ने लगाया था, उसके फल मैं खा रहा हूँ। इसी प्रकार जो पौधे मैं लगा रहा हूँ, उनके फल मेरे बेटे-बेटी और पोते-पोती खाएँगे तथा पेड़-पौधे तो समाज की धरोहर हैं, ये हमारी अमूल्य संपदा हैं।'' राजा ने प्रसन्न होकर वृद्ध को पुरस्कार दिया और सम्मानित किया।
3. जिस प्रकार सुपुत्र अपने सत्कर्मों से पिता के यश को फैलाते हैं, उसी प्रकार ये वृक्ष भी उन्हें लगाने वाले मनुष्य को मृत्यु के बाद सुदीर्घकाल के लिए यशस्वी और स्मरणीय बना देते हैं।
4. पेड़-पौधों को **हरा सोना** कहा जाता है। सोने (स्वर्ण) के आभूषण हमारे शरीर को सजाते हैं और पेड़-पौधे हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं इसलिए पेड़-पौधों को हरा सोना कहा गया है।
5. वनों से हमें विभिन्न लाभ हैं। पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचा लेते हैं और वायु को शुद्ध रखते हैं। ये भूमि को अधिक तप्त होने से रोकते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि भू-तल पर वृक्ष न होते तो पृथ्वी का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि ध्रुवीय प्रदेशों पर जमी बर्फ भी पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर जल की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर मानव रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति जगत ही।
6. वृक्ष हमारे जीवन को सुखी और सुविधापूर्ण बनाने में अत्यधिक सहायक हैं। आँधी-तूफान की तेज गति को नियंत्रित करते हैं, भूमि में आर्द्रता बनाए रखते हैं तथा भूमि को अपनी जड़ों से जकड़कर चट्टानों तथा मिट्टी को खिसकने से रोकते हैं।
7. वनों तथा परिवेश के हरे-भरे पेड़-पौधों का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्य

प्रदूषण को रोककर वायुमंडल में संतुलन बनाए रखना है। ये वातावरण में विद्यमान धूल-कणों को कम करते हैं तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहायक हैं।

8. **निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए-**

(क) श्रीकृष्ण ———————— किया है।

भाव–श्रीमदभागवत् गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि वृक्ष ईश्वर द्वारा दी गई संपत्ति है।

(ख) वृक्ष ———————— आधार है।

भाव–वृक्षों से वातावरण शुद्ध होता है तथा ये हमारे लिए फल, लकड़ी, ठंडी छाया भी प्रदान करते हैं और हम परिवार सहित इसका पर्याप्त लाभ उठाते हैं। इसलिए जिस परिवार में वृक्ष लगे होते हैं, वहाँ सुख-समृद्धि का वास होता है तथा सुख शांति की कोई कमी नहीं होती।

(ग) पेड़-पौधे ———————— धरोहर हैं।

भाव–पेड़-पौधे हमारी निजी संपत्ति नहीं है बल्कि ये तो वह संपत्ति है जो समाज की है।

(घ) वृक्ष भी ———————— देते हैं।

भाव–जो मनुष्य वृक्ष लगाते हैं उन्हें समाज लगाने वाले के रूप में लंबे समय तक याद रखता है। तथा उनकी प्रशंसा करता है।

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए-**

समृद्ध = **कोशल एक समृद्ध राज्य था।**
आपूर्ति = **आज विद्युत आपूर्ति बहुत बाधित हो रही है।**
संरक्षण = **हमें पेड़-पौधों का संरक्षण करना चाहिए।**
हरीतिमा = **बाग में चारों तरफ हरीतिमा फैली है।**
स्तर = **आप अपनी इस समस्या को अपने स्तर पर सुलझाइए।**
संतुलन = **पर्यावरण में संतुलन होना बहुत आवश्यक है।**

2. **उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-**

(क) विद्यालय = विद्या + आलय

(अ) योजनावधि **योजना + अवधि** (ब) सर्वाधिक **सर्व + अधिक**

(स) पुस्तकालय **पुस्तक + आलय**

(ख) अत्यधिक = **अति + अधिक**

(अ) अत्यावश्यक **अति + आवश्यक** (ब) इत्यादि **इति + आदि**

(ग) परोपकार = पर + उपकार

(अ) सूर्योदय **सूर्य + उदय** (ब) नरोत्तम **नर + उत्तम**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

17 हमारे वैज्ञानिक

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. कबीर ने संसार में फैली जाति-पाँति, ऊँच-नीच, धार्मिक रुढ़ियों तथा अंधविश्वासों रूपी बुराइयों का विरोध किया है।
2. कबीर ने बोली को अनमोल इसलिए कहा है, क्योंकि बोली से बिगड़े काम भी बन जाते हैं।
3. कबीरदास जी कहते हैं कि निर्बल की हाय इतनी शक्तिशाली होती है कि वो लोहे तक को जला सकती है।
4. कबीर ने गुरु और शिष्य की तुलना कुम्हार और घड़े से की है।
5. कबीर ने कड़वे वचन की तुलना तीर से की है और कहा है कि कड़वे वचन श्रवण द्वार से शरीर में प्रवेश करके पूरे शरीर को तीर के समान बेंधते चले जाते हैं।
6. रहीम ने कपूत की तुलना दीपक से की है, क्योंकि जिस प्रकार दीपक जलाने पर रोशनी देता है तथा बुझने पर अँधेरा हो जाता है उसी प्रकार सपूत अपने कर्मों से अपने कुल का मान बढ़ा देता है तथा कपूत अपने कुकर्मों से अपने वंश की मर्यादा को मिट्टी में मिला देता है।
7. बसंत ऋतु में कोयल और कौए की पहचान बोली के आधार पर की जाती है।
8. रहीम ने तलवार और सूईं का दृष्टांत देकर कहा है कि बड़ों को देखकर छोटों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए।
9. उत्तम प्रकृति के लोगों पर कुसंग का प्रभाव नहीं पड़ता-यह बात रहीम ने चंदन के वृक्ष और सर्प का उदाहरण देकर समझाई है।
10. रहीम ने प्रेम-संबंध तोड़ने को इसलिए मना किया है, क्योंकि प्रेम-संबंध

यदि एक बार टूट जाते हैं तो जुड़ने पर उनमें गाँठ अवश्य पड़ जाती है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. कबीर ने कहा है कि हमारा यह शरीर एक कच्चे घड़े के समान है।
2. रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
   जहाँ काम आवै सुईं, कहा करै तरवारि।।
3. एक ही सपूत से कुल भला कहलाने लगता है इसके लिए कवि ने दीपक का उदाहरण दिया है। जिस प्रकार हीरे की पहचान अपनी चमक के कारण सब रत्नों में अलग ही होती है, उसी प्रकार से सपूत अपने सुकर्मों से अपने वंश को समाज में एक नई पहचान दिला देता है।
4. (क) दोनों बोलते ही नहीं हैं।

5. निम्नलिखित भावों को दर्शाने वाले दोहे लिखिए-

(क) रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरौ चटकाय।
जोरि ते फिर न जुरै, जुरै गाँठ पर जाय।।

(ख) रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवै सुईं, कहा करै तरवारि।।

(ग) मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर।
स्रवन द्वार ह्वै संचरै, सालै सकल शरीर।।

(घ) जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।
बारै उजियारौ लगै, बढ़ै अंधेरो होय।।

भाषा प्रवाह

1. निम्न शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए-

काचा	=	**कच्चा**	जाकी	=	**जिसकी**	कछु	=	**कुछ**
सीतलता	=	**शीतल**	अमोल	=	**अनमोल**	सुबरन	=	**स्वर्ण**
मुख	=	**मुँह**	मोल	=	**मूल्य**	तरवारि	=	**तलवार**
मानुष	=	**मनुष्य**	भसम	=	**भस्म**	कहा	=	**क्या**

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए-

काक	=	**कौवा**	**वायस**	**काग**	पानी	=	**नीर**	**तोय**	**वारि**
तन	=	**शरीर**	**देह**	**काया**	पुत्र	=	**सुत**	**बेटा**	**तनय**
भुजंग	=	**साँप**	**विषधर**	**सर्प**					
भगवान	=	**ईश्वर**	**परमेश्वर**	**परमात्मा**					

3. कवि का स्त्रीलिंग कवयित्री होता है। इसका संबंध कविता लिखने से है।

नीचे दी गई पुरुषवाचक संज्ञाओं के स्त्रीलिंग लिखिए और बताइए कि इनका संबंध किन विशेष कार्यों से है।

अभिनेता	=	**अभिनेत्री**	=	**अभिनय करना**
गायक	=	**गायिका**	=	**गायन**
धावक	=	**धाविका**	=	**दौड़ना**
अध्यक्ष	=	**अध्यक्षा**	=	**देख-रेख करना**
नर्तक	=	**नर्तकी**	=	**नाचना**
लेखक	=	**लेखिका**	=	**लिखना**
चित्रकार	=	**चित्रकारा**	=	**चित्र बनाना**
संपादक	=	**संपादिका**	=	**संपादन करना**
शिष्य	=	**शिष्या**	=	**सीखना**
अध्यापक	=	**अध्यापिका**	=	**पढ़ाना**
कुम्हार	=	**कुम्हारिन**	=	**बर्तन बनाना**
सुनार	=	**सुनारिन**	=	**आभूषण बनाना**

4. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए-**

पुस्तक	=	**पुस्तकें**	माला	=	**मालाएँ**
रात	=	**रातें**	चश्मा	=	**चश्में**
गाय	=	**गायें**	जाति	=	**जातियाँ**
कार	=	**कारें**	कमरा	=	**कमरे**
पहाड़ी	=	**पहाड़ियाँ**	डालियाँ	=	**डाल**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

18 धर्म-बुद्धि और पाप-बुद्धि

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. दोनों मित्रों के नाम धर्म बुद्धि और पाप-बुद्धि थे।
2. धर्म-बुद्धि और पाप-बुद्धि धन कमाने के लिए पुष्पपुर गए।
3. पाप-बुद्धि ने वन देवता को अपना गवाह बनाया।

4. वृक्ष के खोखले हिस्से में पाप बुद्धि का पिता छिपा हुआ था।

लिखित उत्तर दीजिए

1. धर्म-बुद्धि चतुर और बुद्धिमान था परंतु पाप-बुद्धि मूर्ख और निर्धन था।
2. कमाए गए धन में से उन्होंने थोड़ा-सा धन अपने लिए बचाया और बाकी धन को उन्होंने रास्ते में एक वृक्ष के नीचे गड्ढ़ा खोदकर जमीन में गाड़ दिया तथा फिर वे अपने-अपने घर चले गए।
3. पाप-बुद्धि ने धर्म-बुद्धि पर आरोप लगाते हुए कहा कि "अरे पापी! तेरे मन में कपट जाग गया, इसलिए तूने सारा धन चुरा लिया, क्योंकि धन के बारे में तेरे अलावा किसी और को कुछ भी पता नहीं था।
4. पाप-बुद्धि ने अपने हक में फैसला होने के लिए योजना बनाई और योजनानुसार अपने पिता से कहा कि "जिस वृक्ष के नीचे हमने धन छिपाया था, वह वृक्ष बीच में से खोखला है। आप जाकर उस खोखले में छिप जाइए। जब न्यायाधीश के साथ मैं और धर्म-बुद्धि वहाँ आएँगे और मैं वन देवता को शपथ दिलाकर सत्य कहने के लिए कहूँगा तो वन देवता की ओर से आप कह दीजिएगा कि धर्म-बुद्धि चोर है, सारा धन उसी ने चुराया है।"
5. जब पाप-बुद्धि के पूछने पर वृक्ष के खोखले से आवाज आयी कि धर्म-बुद्धि ही चोर है, सारा धन उसी ने चुराया है। तभी धर्म-बुद्धि क्रोधित होकर उस पेड़ की ओर दौड़ पड़ा। उसने कुछ सूखी पत्तियाँ और टहनियाँ एकत्र करके आग जला दी। आग ने तेजी पकड़ ली, वृक्ष भी जलने लगा, तभी लोगों ने दिखा कि उस वृक्ष के खोखले में से अधजले शरीर वाला व्यक्ति हाय-हाय करता हुआ बाहर निकला। उसी समय पुलिस और गाँव ने उसे घेर लिया और पूछा कि तुम कौन हो? उसने रो-रोकर अपने दुष्ट पुत्र पाप-बुद्धि की सारी करतूत बता दी। अब सच्चाई सबके सामने थी।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) दोनों मित्रों ने गुरुजनों से **अनुमति** ली और **परदेश** की ओर चल दिए।
(ख) रात्रि में पाप-बुद्धि ने वृक्ष के नीचे से सारा **धन** चुरा लिया।
(ग) मैं तो पराए धन को **मिट्टी के ढेले** के समान समझता हूँ।
(घ) न्यायाधीश के समक्ष दोनों एक-दूसरे पर **दोषारोपण** करने लगे।
(ङ) पाप-बुद्धि का पिता वृक्ष के **खोखले** में जाकर छिप गया।

7. किसने, किससे कहा-

(क) "मित्र! मैं चाहता हूँ कि हम दोनों परदेश में जाकर धन कमाएँ। **पाप-बुद्धि** ने **धर्म-बुद्धि से**

(ख) ''मित्र! तुम ठीक कह रहे हो, हमें ऐसा ही करना चाहिए।'' **धर्म-बुद्धि** ने **पाप-बुद्धि** से

(ग) ''ठीक है मित्र! चलो ऐसा ही करते हैं।'' **धर्म-बुद्धि** ने **पाप-बुद्धि** से

(घ) ''हाँ, वन देवता मेरे गवाह हैं।'' **पाप-बुद्धि** ने **न्यायाधीश** से

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

मित्र	- **शत्रु**	परिश्रम	- **आलस**	नीचे	- **ऊपर**
चतुर	- **मूर्ख**	पर्याप्त	- **अपर्याप्त**	बड़ा	- **छोटा**
निर्धन	- **धनी**	समीप	- **दूर**	जमीन	- **आसमान**
जीवन	- **मरण**	व्यय	- **अपव्यय**	क्रोध	- **शांति**

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

परिश्रम	- **मेहनत**	व्यतीत	- **बीता हुआ**	घर	- **गृह**
सहायता	- **मदद**	मन	- **हृदय**	समीप	- **पास/निकट**
अनुमति	- **आज्ञा**	अर्जित	- **कमाना**	धन	- **संपत्ति**

3. निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशित पद व्याकरण में क्या हैं? लिखिए?

(क) बुद्धि **संज्ञा** चतुर **विशेषण** और **निपात**

(ख) उत्साहपूर्वक **विशेषण** घर **संज्ञा** चल **क्रिया**

(ग) पिता **संज्ञा** वृक्ष **संज्ञा** गया **क्रिया**

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

सहायता - **स् + अ + ह् + आ + य् + अ + त् + आ**

अनुमति - **अ् + न् + उ + म् + अ + त् + इ**

कपट - **क् + अ + प् + अ + ट् + अ**

समाप्त - **स् + अ + म् + आ + प् + त् + अ**

क्रोधित - **क् + र् + ओ + ध् + इ + त् + अ**

परिवार - **प् + अ + र् + इ + व + आ + र् + अ**

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

बुद्धिमान - **धर्म-बुद्धि चतुर और बुद्धिमान था।**

उत्साहपूर्वक - **पाप-बुद्धि और धर्म-बुद्धि उत्साहपूर्वक अपने घर लौट आए।**

जमीन - **पाप-बुद्धि और धर्म-बुद्धि ने धन जमीन में गाड़ दिया।**

आरोप - **पाप-बुद्धि ने धर्म-बुद्धि पर धन चुराने का आरोप लगाया।**

1 मेघ आए

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. सर्वेशवर दयाल सक्सेना।

2. मेघ।
3. धूल।
4. बूढ़े पीपल ने बादलों से जुहार की कि उन्होंने बरस बाद हमारी सुध ली।

लिखित उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. ग्रामीण रीति-रिवजों का चित्रण किया गया हैअतिथि का सत्कार बच्चों को खुशी, नव-विवाहित का अतिथि को घूँघट की आड़ से देखना आदि।

2. मेघों के आने पर धरती का वातावरण मनमोहक हो गया। धूल भाग गयी। ठंडी-ठंडी हवा बहने लगी। सभी घरों की खिड़कियाँ दरवाजे खुलने लगे। गर्मी की भीषणता से तप्त जन वर्षा ऋतु के आने पर उल्लास से भर गए।
3. कवि ने मेघों की तुलना गाँव में आने वाले अतिथि/दमाद से की है।
4. आकाश मार्ग से मेघ सज-धज कर अतिथि के रूप में आ रहे हैं। सभी घरों के दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगे। गाँव के सभी स्त्री-पुरुष और बच्चे तथा नव-विवाहिताएँ आनंदमग्न हो गयी। सभी प्राकृतिक उपादानों ने खुशी-खुशी बादल रूपी मेहमान का स्वागत किया। नदी ठिठक गयी। लताओं ने और से अतिथि को देखा। छोटे-छोटे पेड़-पौधों उत्साहित हो रहे हैं। बूढ़ा पीपल मेघ रूपी मेहमान का स्वागत कर रहा है। तालाब पानी भर कर अतिथि के चरण-प्रक्षालन की तैयारी कर रहा है। आकाश में बिजली चमक रही है। धरती और आकाश का मंगल-मिशन हो रहा है। दोनों ही प्रेमाश्रु बहा रहे हैं।

5. पंक्तियों को पूर्ण कीजिए–

उत्तर– पाहुन ज्यों आए हों **गाँव में शहर के**।
मेघ आए **बड़े बन ठन के सँवर के**।
क्षितिज अटारी **दामिनी दमकी**,
क्षमा करो गाँठ खुल भरम की।

बाँध टूटा **झर-झर मिलन के अश्रु** ढरके।

मेघ आए बड़े **बन-ठन के सँवर के**।

6. निम्नलिखित शब्दों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) तिरछी निगाह करके नदी रूपी महिलाओं ने बादल रूपी मेहमान को देखा।

(ख) गाँव में मेघ के स्वागत के लिए तालाब जल भरकर उसके चरण-प्रक्षालन के लिए उपस्थित हुआ।

7. निम्नलिखित पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

उत्तर– (क) **संदर्भ–**प्रस्तुत काव्यांश 'मेघ आए' शीर्षक कविता से उदधृत है। इस कविता के रचयिता 'सर्वेशवर दयाल सक्सेना' हैं।

प्रस्तुत कविता में कवि मेघ रूपी अतिथि के आगमन पर घरती में होने वाले मनमोहक परिवर्तन के विषय में वर्णन कर रही है।

व्याख्या–कवि कहता है कि बादल रूपी मेहमान सज-सँवर कर धरती पर आ रहे हैं। उनके आगमन से पूर्व ठंडी-ठंडी हवा बहने लगी। सभी गली-गली में लोगों के घरों की खिड़कियाँ व दरवाजे खुलने लगे। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मानो जैसे गाँव में शहर के अतिथि आ गए हों।

(ख) **सदर्भ–**पूर्ववत।

प्रस्तुत प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने स्पष्ट किया है कि बादल रूपी अतिथि के स्वागत कर्ता के रूप में बूढ़ा पीपल का पेड़ उपस्थित हुआ है और तालाब उसके चरण धोने के लिए जल लेकर आया है।

व्याख्या–कवि कहता हैइतनी लंबी प्रतीक्षा के बाद आकाश मार्ग से बादल धरती पर आए हैं, तो बूढ़े पीपल में बादलों से पूछा कि उन्हें एक वर्ष के बाद उनकी सुध आईं। हम तो लंबे समय से उनकी (मेघों) की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लता रूपी महिलाएँ किबाड़ की आड़ से बादल रूपी अतिथि को निहार रही हैं। तालाब उनकी थकान दूर करने के लिए अपनी परात में जल भर कर लाया है। इस तरह आकाश मार्ग से सज-सँवर कर बादल धरती पर आ गए हैं।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित कथनों में मुहावरे हैं या लोकोक्तियाँ ? लिखिए–

उत्तर– कलम तोड़ना = **मुहावरा**

ईद का चाँद होना = **मुहावरा**

अक्ल बड़ी या भैंस	=	**लोकोक्ति**
आ बैल मुझे मार	=	**लोकोक्ति**
एक अनार सौ बीमार	=	**मुहावरा**
आस्तीन का साँप	=	**मुहावरा**

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए

उत्तर– पाहुन = **अतिथि** मेघ अतिथि के रूप में सज-सँवर कर धरती पर आ रहे हैं।

चितवन = **दृष्टि, निगाह** गाँव की नव-निवाहित वधुएँ तिरछी चितवन कर अतिथि के देख रही है।

क्षितिज = **आकाश और धरती के मिलन का स्थान** बादलों के आगमन पर क्षितिज में बिजली दमक रही है।

भरम = **भ्रम, संदेह, शक** बादलों की प्रतीक्षा करते-करते धरती को भरम था कि पता नहीं मेघ आयेंगे या नहीं।

अश्रु = **धरती** वर्षा होने पर अश्रु बहाकर मेघ से मिलन मनाने लगी।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

2 सच्चा हीरा

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. घर की ओर।

2. तीन स्त्रियाँ अपने-अपने बेटों की प्रशंसा कर रही थी। चौथी चुपचाप उनकी बातें सुन रही थी।
3. सभी के बेटे माँओं के पास से अपनी-अपनी कला दिखाते निकल गए। पर माँ की ओर ध्यान तक नहीं दिया।
4. सच्ची-हीरा वह होता है, जो अपनी माँ की मदद करें।

लिखित उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. चौथी स्त्री को बढ़ा-चढ़कर अपने बेटी की प्रशंसा करना ठीक नहीं लगा। अत: उसने अपने बेटे की प्रशंसा में कुछ नहीं कहा।

2. जब उन्होंने देखा कि चौथी महिला के बेटे ने माँ के सिर से घड़ा लेकर स्वयं घर की ओर चल दिया। माँ का बोझ कम कर दिया।

3. इस कहानी से संदेश है कि माँ की सेवा और आदर करने वाला महान् होता है। हमें झूठी प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।

4. नीचे दिए दोनों वर्गों के शब्दों में मेल कीजिए–

उत्तर–

	'क'	**'ख'**
(क)	पहली स्त्री का बेटा	बृहस्पति का अवतार
(ख)	दूसरी स्त्री का बेटा	सच्चा हीरा
(ग)	तीसरी स्त्री का बेटा	कुशल गायक
(घ)	चौथी स्त्री का बेटा	आधुनिक युग का भीम

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण/विशेषण-पदबंध बताइए–

उत्तर–

(क)	विशेषण पदबंध	(ख)	विशेषण पदबंध
(ग)	विशेषण पदबंध	(घ)	विशेषण पदबंध
(ङ)	विशेषण	(च)	विशेषण
(छ)	विशेषण	(ज)	विशेषण

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

वरदान	**अभिशाप**	एक	**अनेक**
वृद्ध	**युवा**	सच्चा	**झूठा**
शुरू	**अंत**	मधुर	**कटु**

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

सम्मोहित	**किसी को वश में करने**	सामर्थ्य	**शक्ति**
गद्‌गद्	**प्रसन्न**	गंधर्व	**एक जाति विशेष**

4. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

माता	**अम्बा माँ जननी**
सरस्वती	**शारदा भारती वीणावादिनी**
बेटा	**पुत्र सुत तनय**
घर	**गृह गेह सदन**
कोयल	**कोकिला पीहू पिक**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

3 शू-मेकर से प्रधानाचार्य

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. नरेंद्र ने पढ़ाई के लिए शिकागो विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।
2. नियाग्रा जल प्रपात अमेरिका में स्थित है।
3. नियाग्रा जल प्रपात पर नरेंद्र ने देखा कि एक नवयुवक उसकी तिपाई के पास खड़ा है और उससे कह रहा है'' बाबूजी, अपने जूते की मरम्मत .... सफाई कराइएगा?''
4. युवक का नाम हैमिल्टन था और वह जूते बनाने के अलावा रोज नाइट-स्कूल में पढ़ता भी था।
5. विश्वविद्यालय के उपाधि वितरण समारोह में स्वर्ण पत्र हैमिल्टन को दिया गया था,क्योंकि उसने एम०ए० की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था।
6. नरेंद्र ने शिकागो विश्वविद्यालय के प्रधानाचार्य के यहाँ काम करना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि भूख की ज्वाला ने उसकी ऐंठ पर विजय पाई और नरेंद्र ने कुछ काम करने का विचार बना लिया।

लिखित उत्तर दीजिए

1. नियाग्रा प्रपात एक ऊँची चट्टान से झर-झर करता हुआ बड़े वेग से नीचे गिर रहा था। चट्टानों की चोटी से असंख्य जलबिंदु उछल रहे थे और फिर सूर्य के सुनहरे प्रकाश में प्रकाशित हो, सोने के गुच्छे की तरह एक-दूसरे में गूँथकर छप-छप करके पानी में गिर रहे थे। प्रपात के किनारे हरे-भरे मैदानों में हजारों तिपाइयाँ पड़ी हुई थीं। उन पर बैठकर लोग उस झरने के स्वर्णिम दृश्य को देख रहे थे।
2. नरेंद्र ने शू-मेकर से उसके काम के विषय में पूछा कि, ''क्या तुम शू-मेकर हो?''

   ''जी हाँ, देखिए इस कार्य से संबंधित सारा सामान मेरे पास है,'' उस युवक ने उत्तर दिया।

   नरेंद्र ने पुन: उससे प्रश्न किया, ''तुम्हारा नाम क्या है?''
3. हैमिल्टन ने नरेंद्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, ''महाशय, आजीविका के लिए किया गया कोई भी काम निम्नस्तरीय नहीं हो सकता। इसके साथ ही मेरा यह मानना है कि कर्तव्य किसी के पद को नहीं बिगाड़ सकता।''

4. हैमिल्टन को स्वर्ण पत्र प्रदान किए जाने पर नरेंद्र की ताली इसलिए नहीं बजी, क्योंकि उसका हृदय टूटा हुआ था और उसे नियाग्रा प्रपात की वह घटना तथा शू-मेकर हैमिल्टन का स्मरण हो रहा था।
5. नरेंद्र की मुलाकात प्रधानाचार्य से इसलिए नहीं हो पाती थी, क्योंकि वे बहुत व्यस्त व्यक्ति थे।
6. हैमिल्टन ने दुखी नरेंद्र को समझाया और कहा, ''नरेंद्र, दुख मत कीजिए। दुख-सुख तो जीवन में आते रहते हैं। मैंने कहा था कि कर्तव्य निभाते जाइए। मेहनत व कर्तव्य के बल पर सफलता अवश्य मिलेगी।''

7. निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) **भावार्थ-**मनुष्य चाहे कितने ही ऊँचे पद पर हो, अपना कर्तव्य पूरा करने से उसका पद कभी भी छोटा नहीं होता।

(ख) **भावार्थ-**किसी भी समस्या से घबराकर अपने आप को मारना कमजोर लोगों की निशानी है।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए-

मुख गौरव से दमकना

वाक्य प्रयोग-श्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार पाने पर रमेश का मुख गौरव से दमक रहा था।

हृदय टूटना

वाक्य प्रयोग-सुनीता ने क्या-क्या सपने देखे थे लेकिन समय की ऐसी मार पड़ी कि उसका हृदय टूट गया।

आत्मसात न कर पाना

वाक्य प्रयोग-छात्रावास में सभी छात्र-छात्राएँ एक-दूसरे के साथ आत्मसात नहीं कर पाते।

बिजली गिर पड़ना

वाक्य प्रयोग-सब कुछ ठीक चल रहा था कि सविता के पिता का अचानक स्वर्गवास हो जाने से उस पर बिजली गिर पड़ी।

छद्म प्रतिष्ठा

वाक्य प्रयोग-रमेश छद्म प्रतिष्ठा के बल पर हमेशा फूला हुआ रहता था, जब उसकी पोल खुली तो उसके घर से कुछ नहीं निकला।

अवलोकन करना

वाक्य प्रयोग–जब प्रधानाचार्य ने सांस्कृतिक समारोह की तैयारियों का अच्छी तरह से अवलोकन किया तो उसमें कई कमियाँ निकलीं।

2. **'बचपन' में 'बच' शब्द में 'पन' प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञा बनाई गई है। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों में 'पन' प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञा बनाइए-**

लड़का	=	**लड़कपन**	अनाड़ी	=	**अनाड़ीपन**
अपना	=	**अपनापन**	नीच	=	**नीचपन**
बालक	=	**बालकपन**	पराया	=	**परायापन**

3. **नीचे दिए गए शब्द समूह में से एकार्थी तथा अनेकार्थी शब्दों को अलग-अलग छाँटकर लिखिए-**

एकार्थी = **दरवाजा, दवात, खिड़की, मेज, कुर्सी, कक्ष, पीला।**

अनेकार्थी = **अंक, पत्र, दल, कुल, नाना, वर्ण, पक्ष, वर, पद, मान, सोना।**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

4 फूल मत मारो

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. भगवान शंकर को धतूरा, मदार तथा मल्लिका का पुष्प अधिक प्रिय है।
2. दिल्ली आ जाने पर लेखक को वाराणसी की याद आई।
3. वाराणसी में लेखक की बगिया में देशी गुलाब, हरसिंगार, गंधराज कई प्रकार के गुड़हल, कनेर, स्थलकमल, कुंद, नेवारी, मालती, कामिनी, कर्णफूल आदि के गुल्म थे।
4. प्रस्तुत पाठ के लेखक विद्या निवास मिश्र जी हैं।

लिखित उत्तर दीजिए

1. लेखक को फूलों की दुनिया से इतना प्यार इसलिए है, क्योंकि उन्हें फूलों की दुनिया खुशबू से ही नहीं भरती वरन् एक खुलेपन से आत्मीयता की बाँहों में भर लेती है तथा लेखक की उदासी, उलझनें सब जैसे एक क्षण में ही कुआर की बदली की तरह छँट जाते हैं।

2. फूलों की समता लेखक ने देवता से इसलिए की है क्योंकि फूलों को सुमनस कहा जाता है और देवताओं का नाम भी संस्कृत में सुमनस है।
3. फूलों को आदमी से शिकायत है कि जब हम पूरी तरह से खिल जाते हैं और तुम्हें बुलाते हैं कि हमें तोड़ लो, कहीं सजा दो नहीं तो हम बिखर जाएँगे, उस समय तुम्हें हमारी कोई सुधि नहीं रहती, फिर जब तुम हमें तोड़कर सजाते हो, देवता पर चढ़ाते हो, अपने मित्र को देते हो, अपनी चहेती या चहेते के हाथों में देते हो, वह सब तो ठीक है, परंतु जिन्हें तुम नहीं चाहते या जिन्हें मूर्ख बनाना चाहते हो, उनके गले में हमें डालते हो, हम तुम्हारी चापलूसी, चालबाजी लेकर गले के हार नहीं बनना चाहते, तुम्हें इसकी जरा भी सुधि नहीं रहती और हमें यह सब अच्छा नहीं लगता।
4. गुरु नानक की प्रसिद्ध कथा है—वे एक जगह पहुँचे, वहाँ कोई फकीर रहते थे। वे फकीर कुछ नासमझ थे, उन्हें कुछ ईर्ष्या हुई कि एक जंगल में दो शेर कैसे रहेंगे। उन्होंने दूध से भरे कटोरे को प्रतीक बनाकर गुरु नानक देव के पास संदेश भेजा। गुरु नानकदेव ने संदेश पढ़ लिया तथा उत्तर प्रतीक रूप में ही दिया। उस भरे कटोरे के ऊपर बेले का एक छोटा-सा फूल रखकर उसे लौटा दिया, यह जतला दिया; मैं तो बस फूल की तरह भरे-पूरे इस कटोरे पर तैरता रहूँगा, मुझे अलग जगह नहीं चाहिए।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) भावार्थ–फूल केवल सुगंध ही नहीं फैलाते, बल्कि अपनी मनमोहक छटा से लेखक की चिंता, उदासी, उलझनें आदि सब दूर कर देते हैं।

(ख) भावार्थ–आज के समय में इंसान ने फूल को बोझ बना दिया है, फूल जितना उन्मुक्त है उतना ही उसको बाँध दिया गया है तथा फूल के खुलेपन को गाँठ बना दिया गया है।

(ग) भावार्थ–आज मनुष्य के पास इतना भी समय नहीं है कि वह अपने मन की बात को, अपनी भावनाओं को स्वयं दूसरों तक पहुँचा सके, बल्कि इसके लिए उसको कथनी के ठेकेदारों (दूसरों) का सहारा लेना पड़ता है।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) हमारे **देवताओं** को फूल बहुत प्रिय हैं।

(ख) फूल मुझे बहुत **उलाहने** देते हैं।

(ग) **गुरु नानकदेव** ने संदेश पढ़ लिया।

(घ) मुझे फूलों की दुनिया खुशबू से ही नहीं भरती, एक खुलेपन से **आत्मीयता** की बाँहों में भर लेती है।

(ङ) वही नाम देवता का भी संस्कृत में है—**सुमनस्**।

(च) उत्तर **प्रतीक** में दिया।

(छ) देवता भी मन **अच्छा** करते हैं।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

आदमी	=	**आदमियत**	चापलूस	=	**चापलूसी**	मूर्ख	=	**मूर्खता**
चालबाज	=	**चालबाजी**	प्रसिद्ध	=	**प्रसिद्धि**	पंडित	=	**पंडिताई**

2. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द बताइए-

			उपसर्ग	मूल शब्द
(क)	अनगिनत	=	**अन**	**गिनत**
(ख)	सुमन	=	**सु**	**मन**
(ग)	अभिरुचि	=	**अभि**	**रुचि**
(घ)	सुवास	=	**सु**	**वास**
(ङ)	अपशब्द	=	**अप**	**शब्द**
(च)	प्रशासन	=	**प्र**	**शासन**
(छ)	कुमार्ग	=	**कु**	**मार्ग**
(ज)	प्रत्येक	=	**प्रति**	**एक**
(झ)	सपरिवार	=	**स**	**परिवार**

3. शब्दों के निर्माण में कभी एक तो कभी दो-दो प्रत्ययों का भी प्रयोग होता है। नीचे दिए शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय मूल शब्द से पृथक् करके लिखिए-

शब्द		**मूल**		**प्रत्यय**
आत्मीयता	=	आत्मीय	—	ता
विशेषता	=	विशेष	—	ता
प्रियतमा	=	प्रियतम्	—	आ
सामाजिकता	=	सामाजिक	—	ता
प्रसिद्धि	=	प्रसिद्ध	—	इ
ठेकेदारी	=	ठेकेदार	—	ई
चहेती	=	चहेता	—	ई

4. नीचे दिए गए वाक्यों के रंगीन शब्द सर्वनाम हैं या सार्वनामिक विशेषण-

(क) सर्वनाम (ख) सार्वनामिक विशेषण

(ग) सार्वनामिक विशेषण (घ) सर्वनाम

(ङ) सार्वनामिक विशेषण।

5. **उचित मिलान कीजिए-**

(क)	फूल	दिन
(ख)	रात	अंदर
(ग)	पहले	पराया
(घ)	बाहर	काँटा
(ङ)	अपना	बाद में

6. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

घर	=	**गृह**	**निकेतन**	फूल	=	**पुष्प**	**सुमन**
मनुष्य	=	**नर**	**आदमी**	हाथ	=	**कर**	**हस्त**
बाग	=	**बगीचा**	**उपवन**	ईश्वर	=	**भगवान**	**अंतर्यामी**
हवा	=	**वायु**	**मारुत**	दूध	=	**पय**	**क्षीर**

7. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए-**

लड़का	=	**पुल्लिंग**	काका	=	**पुल्लिंग**	ठेकेदार	=	**पुल्लिंग**
माली	=	**पुल्लिंग**	मालिक	=	**पुल्लिंग**	आदमी	=	**पुल्लिंग**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

5 *जलाओ दीये*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. कवि अपने मन और हृदय में भातृभाव, समता, न्याय, त्याग और दया के दीए जलाने को कह रहा है।
2. हमें ऐसी नई ज्योति जलानी चाहिए तथा रोशनी की ऐसी झड़ी लगानी चाहिए, जिससे मुक्ति की नई किरण जगमगाए। सुबह जा न पाए और रात्रि आ न पाए।
3. कवि के अनुसार जब तक हम एक-दूसरे के खून के प्यासे बने रहेंगे तब तक विनाश का खेल यूँ ही चलता रहेगा तथा मनुजता भी तब तक पूर्ण नहीं होगी। भले ही यहाँ रोज दीवाली मनाई जाए।
4. कवि ने प्रस्तुत कविता में मनुष्य को संबोधित किया है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. केवल दीपकों के प्रकाश से पृथ्वी का अँधेरा इसलिए नहीं मिट सकता, क्योंकि दीपक के प्रकाश से केवल बाहरी अंधकार को ही मिटाया जा सकता है।
2. पृथ्वी का अँधेरा तभी दूर हो सकेगा जब प्रत्येक व्यक्ति अपने हृदय में समानता, त्याग, दया, न्याय आदि के दीप जलाएगा।
3. इस कविता के द्वारा कवि हमें यह संदेश देना चाहता है कि पृथ्वी का अँधेरा मिटाने के लिए केवल बाहरी दीपक जलाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि हमें अपने मनरूपी दीपक को भी जलाना होगा।

भाषा प्रवाह

1. निम्न संयुक्त वर्ण किन व्यंजनों से मिलकर बने हैं, बताइए तथा उनसे बना एक-एक शब्द उदाहरण के रूप में दीजिए-

संयुक्त वर्ण		आधा व्यंजन		पूर्ण व्यंजन		उदाहरण
ज्ञ	=	ज्	+	ञ	=	ज्ञान
द्य	=	द्	+	ध	=	पद्य
त्र	=	त्	+	र	=	त्रिशूल
श्र	=	श्	+	र	=	श्रम

2. निम्न शब्द-समूह के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) साप्ताहिक (ख) शताब्दी (ग) आकस्मिक (घ) चौराहा।

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उषा	=	**सुबह**	**प्रभात**	**प्रातःकाल**
गगन	=	**आकाश**	**अम्बर**	**नभ**
धरती	=	**पृथ्वी**	**भूमि**	**भू**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

6 शहीद भगत सिंह के पत्र

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. पिता का पत्र पढ़कर भगत सिंह को दुख और आश्चर्य इसलिए हुआ, क्योंकि उनके पिता विचलित हो गए थे।

2. भगत सिंह ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि वहाँ रहने पर उन्हें विवाह के लिए बाध्य किया जाएगा।
3. भगत सिंह की जेल में माँ से भेंट इसलिए नहीं हो सकी, क्योंकि उन्हें मुलाकात का आदेश नहीं मिला था।
4. भगत सिंह ने इस शर्त पर जीवित रहने की इच्छा प्रकट की थी कि वे कैद होकर या पाबंद होकर जीना नहीं चाहते थे।
5. फाँसी पर चढ़ने से पहले भगत सिंह ने अपने ऊपर गर्व इसलिए किया, क्योंकि वो देश पर कुर्बान होने जा रहे थे।

लिखित उत्तर दीजिए

1. भगत सिंह विवाह के बंधन में इसलिए नहीं बँधना चाहते थे, क्योंकि विवाह करके वो देश की सेवा नहीं कर सकते थे।
2. भगत सिंह ने पत्र में ऐसा इसलिए लिखा, क्योंकि उनके भाई को पता था कि जेल में मुलाकात की इजाजत नहीं देते।
3. अपने भाई को लिखे गए पत्र में सुझाव देते हुए भगत सिंह ने कहा—''सभी साहस से हालात का मुकाबला करें। आखिरकार दुनिया में दूसरे लोग भी तो हजारों मुसीबतों में फँसे हैं और फिर अगर लगातार एक बरस तक मुलाकातें करके भी तबियत नहीं भरी तो और दो-चार मुलाकातों से भी तसल्ली न होगी। मेरा ख्याल है कि फैसले और चालान के बाद मुलाकातों से पाबंदी हट जाएगी, लेकिन इसके बावजूद मुलाकात की इजाजत न मिले तो ..... इसलिए घबराने से क्या फायदा?''
4. भगत सिंह की हसरत थी कि वे देश और मानवता के लिए कुछ करें। और वे चाहते थे कि वे स्वतंत्र होकर जिंदा रहें क्योंकि अपनी इच्छाओं को वे तभी पूरा कर सकते थे।
5. भगत सिंह के चरित्र की चार विशेषताएँ निम्न हैं—
   (i) भगत सिंह एक महान देशभक्त तथा धैर्यवान पुरुष थे।
   (ii) वे एक महान क्रांतिकारी थे।
   (iii) उनके अंदर त्याग की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी।
   (iv) उनके अंदर देश तथा मानवता के लिए कुछ करने की हसरतें भरी हुई थीं।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) देशभक्त और धीर पुरुष भी छोटी-छोटी बातों से **विचलित** हो सकते हैं।
(ख) मैं इस स्थान को छोड़कर **अन्यत्र** कहीं जा रहा हूँ।
(ग) मैं स्वयं भी **बेचैन** हो रहा हूँ।

(घ) मेरा नाम **हिंदुस्तान क्रांति** का प्रतीक बन चुका है।

(ङ) आज मेरी **कमजोरियाँ** जनता के सामने नहीं हैं।

7. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) (ii) अपने पिता को (ख) (ii) एम० ए० तक

(ग) (i) साहस रखने के लिए (घ) (i) आजकल मुझे स्वयं पर बहुत गर्व है

भाषा प्रवाह

1. उपयुक्त पाँचों प्रकार के योजक चिह्न युक्त एक-एक अन्य उदाहरण दीजिए-

1. राजा–रानी 2. धीमे–धीमे 3. प्रतीक–चिह्न

4. दो–चार 5. छोटी–से–छोटी।

2. निम्नलिखित शब्दों के प्रयोग से वाक्य बनाइए-

1. **विचलित–**आग लगने की खबर ने मुझे विचलित कर दिया है।
2. **धृष्टता–**तुम्हारी इस धृष्टता के लिए मैं तुम्हें कभी क्षमा नहीं करूँगा।
3. **इजाजत–**वहाँ जाने के लिए मुझे किसी की इजाजत की आवश्यकता नहीं है।
4. **प्रतीक–**सफेद रंग शांति का प्रतीक है।
5. **आरजू–**मेरी आरजू है कि मैं एक बार कश्मीर घूमने जाऊँ।
6. **सौभाग्यशाली–**हम कितने सौभाग्यशाली हैं कि हमें आपके साथ जाने का अवसर प्राप्त हुआ।

3. 'बेईमान' में 'बे' उपसर्ग लगा है। इसी प्रकार 'प्र' उपसर्ग की सहायता से 'प्रबल' शब्द बनाया गया है। 'बे' और 'प्र' उपसर्ग से बने तीन-तीन शब्द लिखिए-

बे	**प्र**
बेरहम	प्रकार
बेपनाह	प्रहार
बेकसूर	प्रजाति

4. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

पत्र	–	**चिट्ठी**	साधारण	–	**सामान्य**
स्थान	–	**जगह**	आशा	–	**उम्मीद**
नष्ट	–	**नाश**	इजाजत	–	**आज्ञा**
मुसीबत	–	**परेशानी**	जीवित	–	**जिंदा**

5. दिए गए शब्दों में 'ता' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए-

धीर + **ता** = **धीरता** विवश + **ता** = **विवशता**

धृष्ट	+	**ता**	=	**धृष्टता**	जीवंत	+	**ता**	=	**जीवंतता**
मानव	+	**ता**	=	**मानवता**	सामाजिक	+	**ता**	=	**सामाजिकता**
उदार	+	**ता**	=	**उदारता**	उद्दंड	+	**ता**	=	**उद्दंडता**
निर्भय	+	**ता**	=	**निर्भयता**	मनुष्य	+	**ता**	=	**मनुष्यता**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

7 सुनेली का कुआँ

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. सुनेली पर कुआँ खोदने का भूत सवार था।
2. जब से ढाणी का एक परिवार बंजारे के कुएँ पर जाकर बस गया, सुनेली का मन भी यहाँ से उचट गया।
3. खेजड़े की जड़ में सुनेली को गीली मिट्टी दिखाई दी।
4. सुनेली के दो बेटे थे।
5. हाँ, सुनेली को सफलता प्राप्त हुई थी।

लिखित उत्तर दीजिए

1. सुनेली ने खेजड़े की जड़ में गीली मिट्टी देखी। उसने अपने बेटों से कहा कि, चलो, फावड़ा लेकर मेरे साथ आओ, हम लोग कुआँ खोदेंगे।''
2. सुनेली के बेटे उसकी बात पर इसलिए हँसने लगे, क्योंकि उन्हें लगा कि ऊँदरे तो हमेशा बिल बनाते ही हैं, यह कोई नया कार्य तो है नहीं, यहाँ पानी कहाँ?
3. कुएँ में पहले एक स्रोत फूटा, फिर दूसरा तथा फिर तीसरा और देखते–ही–देखते कुएँ में दस हाथ पानी ऊपर चढ़ आया। उसे देखकर सुनेली की इच्छा हो रही थी कि वह पानी में कूद–कूदकर मछली की तरह तैरे।
4. ठाकुर ने कहा'' बींदणी सा! यह आपकी ही हिम्मत है। नहीं तो ऊँदरे कब बिल नहीं खोदते हैं और खेजड़े कहाँ नहीं उगते? अस्सी बरस तो मैंने इस ढाणी में काट दिए। अब तक किसी की बुद्धि काम नहीं की कि यहाँ पानी भी निकल सकता है।'' अपनी जय–जयकार सुनकर सुनेली की आँखें भर आईं। उसने कहा, एक आदमी की क्या ताकत, यह तो सबकी ताकत का फल है।

5. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

(क) सुनेली की बातें सुनकर **बूढ़ा ठाकुर** भी हँसने लगा।

(ख) सुनेली के मन में तो **दृढ़-संकल्प** था।

(ग) एक दिन **कुएँ** में गीली मिट्टी निकल आई।

(घ) कुएँ में **मीठा** पानी निकला।

6. **उचित मिलान कीजिए-**

(क) खेजड़े की जड़ में	गरारी
(ख) राजस्थान और गुजरात पर बसा	गीली मिट्टी
(ग) गहरा गड्ढा	गाँव नरसी की ढाणी
(घ) कुएँ के अंदर	अथाह पानी

(क) खेजड़े की जड़ में → गीली मिट्टी; (ख) राजस्थान और गुजरात पर बसा → गाँव नरसी की ढाणी; (ग) गहरा गड्ढा → गरारी; (घ) कुएँ के अंदर → अथाह पानी

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-**

विश्वास	=	**अविश्वास**	खुशी	=	**गम**
उठना	=	**गिरना**	पास	=	**दूर**
नीचे	=	**ऊपर**	थोड़ा	=	**ज्यादा**
बाद	=	**पहले**	आधा	=	**पूरा**

2. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

पानी	=	**नीर, जल**	पुत्र	=	**बेटा, सुत**
वर्षा	=	**बारिश, मेह**	आदमी	=	**नर, मनुष्य**
फल	=	**लाभ, उद्देश्य की सिद्धि**	नदी	=	**सरिता, तटिनी**

3. **निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए-**

सूनेलि	=	**सुनेली**	ऊदरे	=	**ऊँदरे**
कुआ	=	**कुआँ**	खोदुँगी	=	**खोदूँगी**
बुदधी	=	**बुद्धि**	गड्डा	=	**गड्ढा**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

8 बुद्धिमान तेनालीराम

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. तेनालीराम राजा कृष्णदेव राय के दरबार की शोभा थे, वे अपनी बुद्धिमत्ता तथा हाजिर जबाबी के लिए प्रसिद्ध थे।

2. महल तैयार होने के बाद यह समस्या आ खड़ी हुई कि धीरे-धीरे आस-पास से बंदरों के झुंड वहाँ आकर उत्पात मचाने लगे।
3. शिकारी बंदरों को इसलिए नहीं पकड़ सके, क्योंकि उन्हें देखकर बंदर पहाड़ की तलहटी में जा छिपते थे।
4. राजा ने गरजते बादलों को देखकर प्रश्न पूछा, ''क्या कोई बता सकता है कि बादल गरजकर क्या कह रहे हैं?''

लिखित उत्तर दीजिए

1. राजपुरोहित ने बंदरों को मारने से इसलिए मना किया, क्योंकि ''बंदरों को मारना शास्त्र विरुद्ध है।''
2. तेनालीराम एक बैलगाड़ी लेकर राजमहल में आया। उसे देखकर सभी मुसकराने लगे। तेनालीराम मुसकराता हुआ बैलगाड़ी हाँकने लगा। उसमें केले भरे थे। उसने कुछ केले बंदरों को दिखा, नीचे फेंक दिए। देखते-ही-देखते सारे बंदर आगे बढ़ती हुई बैलगाड़ी के पीछे-पीछे चल दिए। यह देखकर सभी हैरान रह गए। इस तरह तेनालीराम बंदरों को सीमावर्ती जंगल में ले गए जहाँ उन पर पहले से ही बुलाए गए लंगूर टूट पड़े। बंदर फिर लौटकर नहीं आए।
3. तेनालीराम ने राजा से ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि उन्हें बारिश और बाढ़ का अंदेशा हो गया था और उन्होंने टूटे-फूटे पुलों और कमजोर बाँधों को ठीक करवा दिया था।
4. राजा के प्रश्न का उत्तर तेनालीराम ने उन्हें राज्य की यात्रा पर ले जाकर दिया।

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए-**

उत्पात मचाना

वाक्य प्रयोग-उफ! इन बच्चों ने कितना उत्पात मचा रखा है, शोर से कान फटे जा रहे हैं।

निश्चिंत रहना

वाक्य प्रयोग-बेटे को स्कूल भेजकर सोनाली निश्चिंत हो गई कि चलो अब कुछ देर तो आराम मिलेगा।

टूट पड़ना

वाक्य-प्रयोग-सुमन की सौतेली माँ उस पर ऐसे टूट पड़ी कि उसको बचने का अवसर ही नहीं मिला।

मर्म समझना

वाक्य प्रयोग–मैं उसकी बात का मर्म समझ ही नहीं पाया, हालांकि उसने समझाने की बहुत कोशिश की।

चापलूसी करना

वाक्य प्रयोग–मुझे किसी की चापलूसी करना बिल्कुल भी पसंद नहीं है, जबकि सोहन अपने बॉस के हमेशा तलवे चाटता रहता है।

खदेड़ना

वाक्य प्रयोग–घर पर आए हुए भिखारी को भोजन देने की बजाय खदेड़ दिया गया।

मैदान साफ हो जाना

वाक्य प्रयोग–देखते–ही–देखते सब बच्चे वहाँ से चले गए और मैदान साफ हो गया।

ऊटपटांग बकना

वाक्य प्रयोग–उल्टी सीधी बातें मत करो, ये ऊटपटांग बकवार मुझे बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती।

चकित रह जाना

वाक्य प्रयोग–ऐसा आश्चर्यजनक दृश्य देखकर मैं चकित रह गई।

सिक्का जमाना

वाक्य प्रयोग–मदारी ने सबको मंत्रमुग्ध करके अपना सिक्का जमा लिया।

2. **निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए-**

(क) संयुक्त राज्य अमेरिका एक विशाल देश है।

(ख) तुमने यह क्या किया?

(ग) अरे! तुम इतनी जल्दी कैसे आ गए?

(घ) यह सिद्धि नहीं महाराज, चतुराई थी।

3. **उलटे अर्थ वाले (विलोम) शब्द ढूँढकर लिखिए-**

ताजा	=	**बासी**	श्रेष्ठ	=	**हीन**
बढ़ा देना	=	**घटा देना**	सुरुचि	=	**कुरुचि**
दुर्लभ	=	**सुलभ**	सुरक्षित	=	**असुरक्षित**

क्रियात्मक अभिरुचि

छात्र स्वयं करें।

9 बालचर संस्था

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. दूसरों की सहायता करने वाले छोटे बच्चों को बालचर कहते हैं।
2. बालचर संस्था का निर्माण बच्चों में देश-प्रेम और समाज सेवा की भावना का विकास करने के लिए किया गया था।
3. मनुष्य जीवन के निर्माण में बाल्यकाल का बहुत बड़ा योगदान है। बाल्यकाल में विकसित होने वाली प्रवृत्तियाँ जीवन भर हमारे साथ ही रहती हैं।
4. बालचर संस्था के संस्थापक 'सर रॉबर्ट बैडन पॉवेल' थे।
5. इस वाक्य से लेखक का यह तात्पर्य है कि मनुष्य में व्यस्क होने के पश्चात् विद्यमान प्रवृत्तियों को बदला नहीं जा सकता है।
6. प्रत्येक बालचर खाकी मोजे, खाकी नेकर, खाकी कमीज और खाकी टोपी अथवा खाकी साफा पहनता है। सबके समान जूते होते हैं। सभी स्कार्फ धारण करते हैं। प्रत्येक स्काउट की वेशभूषा में सीटी, झंडी और लाठी की भी अनिवार्यता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. बालचर संस्था का जन्म एक अंग्रेज महाशय के हाथों से हुआ था जिसका नाम 'सर रॉबर्ट बैडन पॉवेल' था। सन् 1900 ई० में जिस समय अफ्रीका में बोअर-युद्ध हो रहा था, उन्होंने इस प्रकार की बालचर सेना का निर्माण किया था। इस सेना से अंग्रेजों को युद्ध में बड़ी सहायता मिली। उन्होंने बालचरों को स्वयं सैनिक प्रशिक्षण दिया था। अपने इस सफल अनुभव के आधार पर उन्होंने एक निश्चय यह किया कि यह संस्था युद्ध के अतिरिक्त शांति काल में भी उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारतवर्ष में इस संस्था की स्थापना श्रीमती ऐनी बेसेण्ट ने की थी। आज भारतवर्ष के प्रत्येक छोटे और बड़े विद्यालयों में इस संस्था की शाखाएँ हैं।
2. मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सहायक सिद्ध होने के लिए बालचरों को अनेक प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाते हैं। इन प्रशिक्षणों से वे आपत्तिग्रस्त मनुष्यों की सेवा करते हैं। बालचरों के प्रमुख प्रशिक्षण हैं—भोजन बनाना, तैरना, नदी पर पुल बनाना, घायल को पट्टी बाँधना, प्रारंभिक चिकित्सा

करना, घायल को अस्पताल पहुँचाना, गाँठ लगाना, मार्ग ढूँढना, सिग्नल देना, सामयिक घर बनाना तथा सामयिक सड़क बनाना आदि।

3. बालचर सेवकों के ग्रुप का निर्माण आठ-आठ के समूह के आधार पर किया जाता है। आठ बालचरों का समूह पेट्रोल कहलाता है और चार पेट्रोल से अधिक पेट्रोल का एक ग्रुप बनाया जाता है। प्रत्येक पेट्रोल अपने पेट्रोल लीडर के अधीन कार्य करता है ग्रुप का नायक ग्रुप लीडर कहलाता है और इसका अधिकारी एक स्काउट मास्टर होता है। जिले के समस्त ग्रुप डिस्ट्रिक्ट स्काउट कमीश्नर के अधीन होते हैं।
4. बालचर संस्था के सेवकों के मुख्य कर्त्तव्य हैं कि वह दीन-दु:खियों की सेवा करें और उनसे सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें। उनका प्रत्येक कार्य समाज हित की दृष्टि से होना चाहिए। दूसरों की सहायता के लिए उन्हें सदैव कटिबद्ध रहना चाहिए; चाहे दिन हो या रात, उन्हें कभी भी बुलाया जा सकता है। उन्हें सत्यवादी, सहानुभूतिपूर्ण, संवेदनशील, देशभक्त, कर्तव्य-पालक, आज्ञापालक, दयालु एवं सहनशील होना चाहिए तथा उन्हें साहसी एवं ईश्वरनिष्ठ होना चाहिए। भयंकर-से-भयंकर स्थिति में भी उन्हें साहस नहीं खोना चाहिए और अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए।
5. गंगा के पर्वों पर जो बच्चे या बड़े स्नान करते-करते गंगा के प्रवाह में डूबने लगते हैं, बालचर अपने प्राणों को हथेली पर रखकर उनके प्राणों की रक्षा के लिए गंगा में एकदम कूद जाते हैं और उन्हें बचाने का प्रयत्न करते हैं। जहाँ आपस में दंगे और लड़ाई-झगड़े हो जाते हैं, ये स्वयंसेवक वहाँ नम्रतापूर्वक शांति स्थापित करते हैं।

6. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) इसका आशय यह है कि बालचर संस्था का प्रशिक्षण, व्यवहार और गति विधियाँ सैनिक दलों की भाँति ही होती हैं।

(ख) इसका आशय यह है कि वर्तमान में समाज का इस कदर नैतिक पतन हो चुका है कि उसे सही दिशा देने के लिए लोगों में नि:स्वार्थ सेवा की भावना को जाग्रत करना होगा। इस संबंध में बालचर संस्था एक आदर्श संस्था सिद्ध हो सकती है।

7. सही उत्तर लिखिए-

(क) (i) आठ

भाषा प्रवाह

1. नीचे लिखे शब्दों को सही शीर्षक के नीचे लिखिए-

	प्रत्यययुक्त	उपसर्गयुक्त
सांस्कृतिक	**सांस्कृतिक**	
लिखाई	**लिखाई**	
बदनाम		**बदनाम**
धार्मिक	**धार्मिक**	
कलाकार	**कलाकार**	
अभिमान		**अभिमान**
चढ़ाई	**चढ़ाई**	
अपूर्व		**अपूर्व**
सफल		**सफल**

2. संकेत देखकर शब्द बनाइए-

स्वयं करें

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

10 *आ रही रवि की सवारी*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. (क) प्रात:काल।
2. बादलों की तुलना अनुचरों से की गई है।
3. तारों की फौज मैदान छोड़कर इसलिए भाग गई, क्योंकि सूर्यदेव निकल रहे थे।
4. चंद्रमा राह का भिखारी इसलिए बन गया, क्योंकि सूर्य के निकलने से चंद्रमा की आभा फीकी पड़ गई थी।

लिखित उत्तर दीजिए

1. पक्षी यशगान करके रवि की सवारी का स्वागत करते हैं।
2. रवि की सवारी का मार्ग कलियों और फूलों से सजा हुआ है।
3. अंतिम छंद में कवि रवि की विजय की बात कर रहा है।

4. निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) सूर्य की रोशनी में बादल ऐसे लग रहे थे मानो सूर्य के अनुचरों ने सोने की पोशाक धारण कर ली हो।

(ख) सूर्यदेव की सवारी आने पर पक्षी, भाट तथा प्रशंसा के गीत गाने वाले, सभी सूर्य का यशगान कर रहे हैं।

(ग) चंद्रमा जो रात का राजा है, सूर्यदेव के प्रकट होने पर ऐसा हो गया है मानो रास्ते में माँगने वाला भिखारी हो।

5. प्रातःकाल का दृश्य बड़ा ही मनोरम है। ऐसा लग रहा है मानो सूर्यदेव का रथ नई किरणों से सजा हुआ है तथा कलियाँ और फूल सूर्यदेव के रास्ते पर बिखरे हुए हैं। बादलोंरूपी सेवकों ने भी सोने की पोशाक धारण कर रखी है। पक्षी, भाट तथा प्रशंसा के गीत गाने वाले, सभी सूर्यदेव का यशगान कर रहे हैं। सूर्यदेव के आते ही तारों की सेना भी मैदान छोड़कर भाग रही है। कवि कहता है कि मेरा मन चाह रहा था कि मैं सूर्य की ऐसी जीत पर उछलूँ, नाचूँ, गाऊँ कि तभी यह देखकर रुक गया कि चंद्रमा जो रात्रि का राजा है, राह में भिखारी बनकर खड़ा हुआ है।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के साथ 'तर' और 'तम' लगाकर पुनः लिखिए-

(क) प्रिय = **प्रियतर** **प्रियतम**

(ख) अधिक = **अधिकतर** **अधिकतम**

(ग) निम्न = **निम्नतर** **निम्नतम**

(घ) दृढ़ = **दृढ़तर** **दृढ़तम**

(ङ) निकट = **निकटतर** **निकटतम**

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

सूर्य	= **सूरज**	पक्षी	= **खग**	गगन	= **आकाश**
सेवक	= **नौकर**	रास्ता	= **पथ**	सोना	= **स्वर्ण**
निशा	= **रात्रि**	भिक्षुक	= **भिखारी**		

3. उचित क्रिया-विशेषण से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) सुमित देहरादून **शायद** ही जाए।

(ख) गौतम **खूब** पढ़ता है।

(ग) सुशील **एकाएक** चला गया।

(घ) वंदना **जापान** गई है।

(ङ) राजेश, रोहिणी के यहाँ **प्रतिदिन** जाता है।

4. **निम्नलिखित शब्दों के तुकांत लिखिए-**

सवारी	—	**हजारी**	रथ	—	**पथ**
धारी	—	**भारी**	सजा	—	**रजा**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

11 स्वास्थ्य ही धन है

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. उत्तम स्वास्थ्य का अर्थ है कि हमारा शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य चरित्र व संयम सभी पूर्ण रूप से उपयुक्त हैं।
2. खेल से हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम दर्जे का हो जाता है।
3. हृदय एक प्रकार का स्वचालित पंप है, जो बिना हमारी जानकारी के हमारे खून को दिन–रात सारे शरीर में प्रवाहित करता रहता है।
4. चलना, दौड़ना, झुकना, उठना, बैठना, मुड़ना, खाना, पीना तथा बोलना आदि क्रियाएँ मांसपेशियों के द्वारा ही की जाती हैं।

लिखित उत्तर दीजिए

1. शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल–कूद, व्यायाम, आसन तथा प्राणायाम आदि अनेक रुचिकर साधन हैं।
2. सामूहिक खेल से बालकों के अंदर परस्पर सहयोग, सद्‌भाव एवं मेलजोल से काम करने की भावना का विकास होता है। उस समय हमारे अंदर जाति, धर्म, संप्रदाय तथा क्षेत्र आदि के भेदभाव लेशमात्र भी नहीं रहते।
3. आसन हर अवस्था के व्यक्तियों के लिए उपयोगी होते हैं। इससे न केवल शरीर के सभी अंगों को सक्रिय रखा जाता है, अपितु तन, मन पर नियंत्रण भी रखा जाता है। शीर्षासन, सर्वांगासन, पदमासन आदि सरलता से सीखे जा सकते हैं।
4. खेल या व्यायाम सदा खुली हवा में करना चाहिए। खेल या व्यायाम करते समय रक्त प्रवाह की गति प्राय: तीव्र हो जाती है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए ऑक्सीजन की अधिक आवश्यकता पड़ती है। खेल या व्यायाम के लिए प्रात:काल का समय सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय की वायु

का स्पर्श स्वास्थ्य के लिए हितकर होता है। इसमें ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है।

भाषा अध्ययन

1. नीचे लिखे संज्ञा शब्दों में 'इक' प्रत्यय जोड़कर नए विशेषण शब्द बनाइए–

मास	=	**मासिक**	समाज	=	**सामाजिक**
दिन	=	**दैनिक**	भूगोल	=	**भौगोलिक**
इच्छा	=	**ऐच्छिक**	उपचार	=	**औपचारिक**
जीव	=	**जैविक**	इतिहास	=	**ऐतिहासिक**

2. उदाहरण के अनुसार रेखांकित शब्दों के स्थान पर उचित सर्वनाम शब्द का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए–

(क) सविता जल्दी–जल्दी उठी और उसने घर की सफाई की।
(ख) संजय ने ध्यान नहीं दिया और वह फिसलकर गिर गया।
(ग) मनोहर मेरा पड़ोसी है। वह बहुत परिश्रमी है।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

12 *भारतीय कलाकृतियाँ (ललित निबंध)*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. छात्र स्वयं करें।
2. थंगक चित्रों को बनाने की शैली बिल्कुल अलग है। इन चित्रों में आध्यात्मिक प्रतीकों को विशेष स्थान दिया जाता है। इन्हें सफेद कपड़े पर बनाया जाता है। गहरी चित्रकारी से भरे इन चित्रों में रंगों का विशेष महत्व होता है।
3. तंजावुर कलाकृतियों का मूल फलक कटहल की लकड़ी से बना होता है।
4. वरली कलाकृति के बिना विवाह की परंपरा अधूरी मानी जाती है।
5. ज्वार को जलाकर काला रंग प्राप्त किया जाता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. थंगक कलाकृतियाँ आध्यात्मिक सोच का साकार सुंदर रूप हैं। इनका सीधा संबंध बौद्ध धर्म से है। भारत में बौद्ध धर्म के साथ इस कला ने तिब्बत में अपनी जगह बनाई। बौद्ध भिक्षुओं ने गौतम बुद्ध से संबंधित विषयों की इस कला का नामकरण 'थंगक' किया।

2. भारत के तमिलनाडु प्रांत में तंजावुर नाम का एक छोटा-सा नगर है। यह एक असाधारण कला के लिए जाना जाता है। इस कला शैली से बने भित्ति चित्र हमारे देश के मंदिरों और विहारों में सुगमता से देखे जा सकते हैं। भित्ति के अतिरिक्त तंजावुर कलाकृतियों की एक लघु चित्र शैली भी प्रचलित है।
अट्ठारहवीं शताब्दी में तंजावुर प्रांत में मराठों का शासन था। मराठा रजवाड़े में कला और संस्कृति को आश्रय और प्रोत्साहन देने की अद्भुत परंपरा थी। उस काल में तंजावुर कला शैली का भरपूर विकास हुआ।
3. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में वरली जाति के आदिवासियों का निवास है। इन आदिवासियों द्वारा विकसित लोक कला को वरली लोक कला के नाम से जाना जाता है। वरली लोक कला की प्राचीनता के बारे में अनुमान लगाया जाता है कि यह लिपि से पूर्व अस्तित्व में आ चुकी थी। पुरातत्ववेत्ताओं का मानना है कि यह कला दसवीं शताब्दी में लोकप्रिय हुई। वरली क्षेत्र में हिंदू, मुसलमान, पुर्तगाली और अंग्रेज सभी का शासन रहा, सभी ने इस कला को सदैव प्रोत्साहन दिया।
वरली कलाकृतियाँ विवाह के समय विशेष रूप से बनाई जाती हैं। इन्हें शुभ शगुन माना जाता है। इनके बिना विवाह की परंपरा अधूरी मानी जाती है। इन कलाकृतियों में चित्रकला को त्रिकोण आकृतियों में ढले आदमी और जानवरों के माध्यम से चित्रित किया जाता है। ज्यामिति की तरह बिंदु और रेखाओं से बने इन चित्रों को महिलाएँ घर में मिट्टी की दीवारों पर बनाती हैं। इस कलाकृति में सीधी रेखा कहीं भी नजर नहीं आती। रेखाएँ बिंदु-से-बिंदु को जोड़कर खींची जाती हैं। इन्हीं के सहारे आदमी-प्राणी, पेड़-पौधे, ढोल-नगाड़े, बाजे-ताशे, खेत, बच्चे-स्त्री आदि बनाए जाते हैं।
4. मधुबनी लोक कला बिहार क्षेत्र की है। मधुबन का अर्थ माधुर्य-वन अथवा शहद उद्यान है। राधा-कृष्ण की मधुर लीलाओं के लिए प्रसिद्ध इस कला का सीधा संबंध माधुर्य से ही है। यह कला आम-केलों के झुरमुट में कच्ची झोंपड़ियों से घिरे हरे-भरे तालाब वाले इस गाँव में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। यह आस-पास के मिथिला क्षेत्र में भी प्रसारित है। विद्यापति की मैथिली कविताओं की रचनास्थली इस कलात्मक अंचल में मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा और सहरसा जिले हैं।
मधुबनी की कलाकृतियाँ तैयार करने के लिए हाथ से बने कागज को गोबर से लीपकर उसके ऊपर वनस्पति रंगों से पौराणिक गाथाओं को चित्रों के

रूप में उतारा जाता है। कलाकार अपने चित्रों के लिए रंग स्वयं तैयार करते हैं और बाँस की तीलियों में रुई लपेटकर तूलिकाओं को भी स्वयं तैयार करते हैं। इन कलाकृतियों में गुलाबी, पीला, सिंदूरी (लाल) और सुगापंखी (हरा) रंगों का प्रयोग होता है। काला रंग ज्वार को जलाकर प्राप्त किया जाता है या फिर दिए की कालिख को गोबर के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। पीला रंग हल्दी और चूने को बरगद की पत्तियों के दूध में मिलाकर तैयार किया जाता है। पलाश या टेसू के फूल से नारंगी, कुसुम के फूलों से लाल और बेल की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता है। रंगों को स्थाई और चमकदार बनाने के लिए उन्हें बकरी के दूध में घोला जाता है।

5. तंजावुर चित्रों के विषय धार्मिक और पौराणिक कथाओं से लिए गए हैं। इस शैली में 'नवनीत कृष्ण' (मक्खन लिए बाल कृष्ण की छवि) और 'राम राज्याभिषेक' के चित्र सर्वाधिक लोकप्रिय हैं। समय के साथ इस शैली में अब कुछ नए विषयों के चित्र भी बनने लगे हैं। रत्नों व सोने की बारीक कारीगरी के कारण ये कलाकृतियाँ बहुमूल्य होती हैं।

6. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) (ii) राधा-कृष्ण की (ख) (iii) पलाश

(ग) (ii) बकरी के दूध में घोलते हैं

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) मानव सभ्यताओं के प्राचीनतम चिह्न **गुफाओं** में चित्रित हैं।

(ख) **महाराष्ट्र** के ठाणे जिले में वरली जाति के आदिवासियों का निवास है।

(ग) वरली कलाकृतियों में चित्रकला को **त्रिकोण** आकृतियों में ढले आदमी और जानवरों के माध्यम से चित्रित किया जाता है।

(घ) रंगों को **स्थाई** और **चमकदार** बनाने के लिए उन्हें बकरी के दूध में घोला जाता है।

(ङ) मधुबनी लोककला **बिहार** क्षेत्र की है।

(च) भारत के तमिलनाडु प्रांत में **तंजावुर** नाम का एक छोटा-सा नगर है।

8. निम्नलिखित वाक्यों में से सही के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✓)

भाषा प्रवाह

1. उदाहरण के अनुसार 'त्व' प्रत्यय के प्रयोग से नए शब्द बनाइए-

मनुष्य + त्व = **मनुष्यत्व** ममा + त्व = **ममत्व**

अपना + त्व = **अपनत्व** स्व + त्व = **स्वत्व**

2. निम्नलिखित शब्दों के अनुस्वार (ं) के स्थान पर उचित पंचम वर्ण प्रयोग शब्द में सही (✓) का निशान लगाइए-

परंपरा	=	परम्परा	(✓)	परमपरा	
चंचल	=	चन्चल	(✓)	चञ्चल	
मंडल	=	मन्डल		मण्डल	(✓)
स्वतंत्र	=	स्वतन्त्र		स्वतंञ्त्र	(✓)
ठंडा	=	ठन्डा		ठण्डा	(✓)

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

ठंडा	=	**गरम**	लोक	=	**परलोक**
मोटी	=	**पतली**	स्थायी	=	**अस्थायी**
प्रिय	=	**अप्रिय**	अधिक	=	**कम**
अपना	=	**पराया**	ऊपर	=	**नीचे**

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

(क) अंतर्राष्ट्रीय जगत में हमारी अलग पहचान है।

(ख) थंगक चित्रों को बनाने की शैली बिल्कुल अलग है।

(ग) सामान्यत: इन चित्रों को पाँच भागों में बाँटा जाता है।

(घ) दो चित्रों में अच्छा-खासा अंतर होता है।

(ङ) अट्ठारहवीं शताब्दी में तंजावुर प्रांत में मराठों का शासन था।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

13 मेरी वह पहली कविता

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. टॉलस्टॉय का जन्म यासनाया पोल्याना गाँव में 28 अगस्त, 1828 ई० को हुआ था।
2. टॉलस्टॉय का लालन-पालन उनके पिता और नौकरों ने किया।
3. टॉलस्टॉय की माँ की हार्दिक इच्छा थी कि उनके पुत्र साहसी और निर्भीक बनें।

4. टॉलस्टॉय के पिता अत्यंत खुशमिजाज, अलमस्त और सात्विक प्रकृति के व्यक्ति थे।

लिखित उत्तर दीजिए

1. टॉलस्टॉय जब छोटे थे तब उनकी आया उनको स्नान कराते हुए उनके कोमल अंगों को जोर-जोर से रगड़ती थी और शरीर को झकझोर देती थी तथा उन्हें डराने-धमकाने के लिए भयानक जीव-जंतुओं का नाम लेती थी जिससे उनका कोमल हृदय भय से कँपकँपा जाता था। उनके घर जो शिक्षक आते थे उनके बारे में उनकी कटु स्मृतियाँ थीं कि जब नाचते-नाचते उनके पैर लड़खड़ाते तथा अभ्यास के अभाव में ठीक से न पड़ते तो उनकी छड़ी से पिटाई होती थी, जिससे उन्हें बहुत दर्द पहुँचता था।
2. एक बार उन सभी लोगों के साथ खेलते हुए उनके पिता अचानक रुक गए। वे सामने रखे हुए दर्पण की ओर देखकर मुसकरा रहे थे। उन सबकी आँखें भी तत्काल उसी ओर मुड़ गईं। नौकर टिकोन की परछाईं दर्पण में दिखाई पड़ रही थी। वह एड़ी उठाए धीरे-धीरे चुपचाप उनके पिता के पिछले कमरे से कोई छोटी-मोटी चीज चुराने जा रहा था। इस दृश्य को देख, वे सभी हँस पड़े। दादी और बुआ तो बहुत देर तक समझी ही नहीं। किंतु जब उन्हें समझ आया, तो वे भी अपनी हँसी न रोक सकीं। टॉलस्टॉय अपने पिता की विशाल हृदयता पर मुग्ध हो उठे। इस घटना से भी पता चलता है कि उनके पिता सहृदय थे।
3. अपने भाई की मृत्यु से दु:खी होकर टॉलस्टॉय ने डायरी भी लिखनी छोड़ दी थी। और जब लिखा तो निकोलई के बारे में ही। बहुत व्याकुल होकर उन्होंने ये शब्द लिखे थे-निकोलई को मरे लगभग एक महीना हो गया। इस दुर्घटना ने मेरे हृदय को हिला दिया, मेरे जीवन को मसोस डाला। मैं अपने से पूछता हूँ ऐसा क्यों हुआ! अब क्या होगा? कहाँ जाऊँ? कैसे धीरज धरूँ? लिखने का प्रयत्न करता हूँ, किंतु जैसे मेरा सारा उत्साह ठंडा पड़ गया, हिम्मत पस्त हो गई। आखिर लिखने-पढ़ने का महत्त्व ही क्या है?'
   उनकी, इसी आकुलता ने उन्हें लेखक बनाया।
4. टॉलस्टॉय से अपनी पहली कविता मात्र नौ वर्ष की उम्र में लिखी थी। यह कविता उन्होंने अपनी प्रिय आंटी को संबोधित करते हुए लिखी थी और उसका भाव यह था कि मेरी चाह और खुशी का दिन आ गया है। मैं बहुत ही प्रसन्नतापूर्वक यह सिद्ध कर सकता हूँ कि जब मेरी माँ मुझे प्यार करती और दुलारती थीं तब भी मैं बहुत कुछ समझता था और अब तो और भी

अच्छी तरह समझता हूँ। आपने सारा जीवन ही हमारे लिए अर्पित कर दिया है। मैं उन उपकारों को कभी भी नहीं भुला सकूँगा। अत: मैं हृदय से भगवान से यह प्रार्थना करता हूँ कि वे आपको आपके सत्कार्यों के लिए आशीर्वाद दें।

5. यासनाया पोल्याना के सुखद वातावरण में प्रकृति की अनोखी सुंदरता थी। वहाँ उन्होंने कई बार झिलमिल तारों के प्रकाश में पूर्ण विकसित चंद्रमा, बादलों के छोटे-छोटे उड़ते सफेद टुकड़े, खिले फूल, पत्ते, पक्षी तथा जानवर आदि को देखा तो उनके मन में बैठ जाने की इच्छा उनके मन में होती थी। भगवान की इस महिमा और अलौकिकता पर मोहित होकर टॉलस्टॉय को भगवान एक महान कवि और चित्रकार लगे थे।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) मेरा कोमल हृदय **भय** से कँपकँपा उठा।

(ख) तुम्हें सदैव दृढ़ **संकल्प** का होना चाहिए।

(ग) यासनाया पोल्याना के उस **सुखद** वातावरण में प्रकृति की अनोखी सुंदरता थी।

(घ) छोटी उम्र में ही मुझमें गहरी **भावशीलता** थी।

(ङ) टॉलस्टॉय ने **वासनाया पोल्याना** में ग्रामीण बालकों के लिए एक पाठशाला खोली।

7. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) (ii) 28 अगस्त 1828 को

(ख) (i) मस्तिष्क की सजगता और जागरुकता पर

(ग) (iii) खुशमिजाज तथा अलमस्त

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-

(क) यहाँ गाय का शुद्ध घी मिलता है।

(ख) महँगाई प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

(ग) मुझे स्कूल नहीं जाना है।

(घ) मैं तुझे नहीं छोड़ूँगा।

(ङ) नूरजहाँ मुगल साम्राज्ञी थी।

(च) बोली मीठी होनी चाहिए।

2. निम्नलिखित विराम चिह्नों के नाम लिखिए-

;	=	**अर्धविराम**	:-	=	**विवरण चिह्न**
:	=	**उपविराम चिह्न**	।	=	**पूर्ण विराम**

?	=	**प्रश्नसूचक चिह्न**	" "	=	**उद्धरण चिह्न**
!	=	**विस्मयादिबोधक चिह्न**	०	=	**लाघव चिह्न**

3. नीचे दिए वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए-

(क) मीरा द्वारा आम खाया जाता है।

(ख) रवि द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है।

(ग) किरण द्वारा कहानी सुनाई जाती है।

(घ) माँ द्वारा खाना बनाया जाता है।

(ङ) सुनार द्वारा अँगूठी बनाई जाती है।

4. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

धरती	–	**भू**	**धरा**	**पृथ्वी**
माँ	–	**माता**	**जननी**	**अंबा**
मधुर	–	**मीठा**	**माधुर्य**	**मनमोहक**
पानी	–	**नीर**	**जल**	**तोय**
पिता	–	**पिताजी**	**तात**	**जनक**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

14 फूल और काँटा

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. एक ही पौधे पर काँटे और फूल दोनों जन्म लेते हैं।
2. फूल और काँटे पर बादल और चाँदनी का प्रभाव एक जैसा पड़ता है।
3. फूल और काँटे के ढंग एक से इसलिए नहीं होते, क्योंकि फूल तो कोमल होता है और काँटा कठोर होता है।
4. काँटा, उँगलियों को, वस्त्रों को, तितलियों को तथा भौंरों आदि को नुकसान पहुँचाता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. फूल तितलियों को अपनी गोद में लेकर भँवरों को अपना अनूठा रस पिलाता है। वह अपनी सुगंध और रंग से कली को खिला देता है।
2. फूल और काँटे के स्वभाव में यह अंतर है कि फूल सभी को सुख देता है, जबकि काँटा दूसरों को कष्ट देता है।

3. काँटा लोगों को इसलिए खटकता रहता है, क्योंकि वह कभी किसी के वस्त्र फाड़ देता है। कभी तितलियों के पर कतर देता है, तो कभी भँवरों के तन को भेद देता है।
4. फूल तितलियों को अपनी गोद में लेकर खुश रखता है।
5. इसका भाव यह है कि जिस प्रकार से फूल कली को खिलाकर दूसरों को प्रसन्नता प्रदान करता है। उसी प्रकार हम अपने अच्छे व्यवहार द्वारा दूसरों को प्रसन्न कर सकते हैं।

6. अर्थ स्पष्ट कीजिए–

(क) इसका अर्थ यह है कि काँटा (बुरा व्यक्ति) सदैव दूसरों को हानि पहुँचाता है। इसके विपरीत फूल (अच्छा व्यक्ति) अपने स्वभाव के कारण सदैव देवताओं के शीश पर सुशोभित होता है। (सदैव सम्मान पाता है।)

(ख) इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति चाहे अच्छा हो या बुरा उसे जीवन की समान दशाएँ प्राप्त होती हैं, परंतु वे दोनों उससे समान लाभ नहीं उठाते हैं।

(ग) इसका अर्थ है कि अच्छे परिवार से आने वाले व्यक्ति अपने परिवार की मर्यादा को बनाए रखने में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रखते हैं वे सदैव इस बात के लिए चिंतित रहते हैं कि उनके किसी कार्य से परिवार की मर्यादा की हानि हो।

7. पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

मेह उन पर है बरसता **एक–सा**,
एक–सी उन पर हवाएँ हैं बहीं।
पर सदा ही यह दिखाता **है हमें,**
ढंग उनके एक–से होते नहीं।

भाषा प्रवाह

1. कौन क्या कहता है? छाँटकर लिखिए–

(क) काँटा (ख) काँटा (ग) फूल (घ) फूल
(ङ) काँटा (च) काँटा (छ) फूल

2. निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य चुनकर सामने बॉक्स में लिखिए–

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्र वाक्य
(घ) सरल वाक्य (ङ) संयुक्त वाक्य (च) मिश्र वाक्य

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

15 प्रदूषण और पर्यावरण

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. प्रदूषण जलवायु या भूमि के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणों में होने वाला कोई भी ऐसा अवांछनीय परिवर्तन है, जिससे मनुष्य, अन्य जीवों, औद्योगिक प्रक्रियाओं, सांस्कृतिक तत्वों तथा प्राकृतिक संसाधनों को हानि हो या होने की संभावना हो।
2. प्रदूषण के विभिन्न प्रकार होते हैं; जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण।
3. वायुमंडल में ऑक्सीजन, कार्बन डाइ-ऑक्साइड, नाइट्रोजन, ऑर्गन आदि गैसें विद्यमान रहती हैं।
4. कीटनाशाक का मनुष्य के स्वास्थ्य पर घातक और गंभीर प्रभाव पड़ता है।
5. जल सभी प्राणियों के जीवन के लिए एक अनिवार्य वस्तु है। पेड़-पौधे भी आवश्यक पोषक तत्व घुली अवस्था में जल से ही ग्रहण करते हैं।
6. पर्यावरण के संबंध में निम्न संस्कार प्रचलित हैं—(i) पेड़-पौधे लगाना, (ii) पेड़-पौधों को न काटना, (iii) जल-स्रोतों को गंदा न करना।

लिखित उत्तर दीजिए

1. जल में अनेक कार्बनिक, अकार्बनिक पदार्थ, खनिज तत्व व गैसें घुली होती हैं। यदि इन तत्वों की मात्रा आवश्यकता से अधिक हो जाती है तो जल हानिकारक हो जाता है और उसे हम प्रदूषित जल कहते हैं अर्थात् प्रदूषित जल को ही जल प्रदूषण कहा जाता है।
2. सड़कों पर चलने वाली गाड़ियों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का मुख्य कारण है। इसके अतिरिक्त कारखानों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।
3. जल प्रदूषण से पीलिया, आँतों के रोग व अन्य संक्रामक रोग हो जाते हैं।
4. ध्वनि प्रदूषण से केवल मनुष्य की श्रवण शक्ति का ही ह्रास नहीं होता है, वरन् उसके मस्तिष्क पर भी इसका घातक प्रभाव पड़ता है।
5. पेड़-पौधे वायु में उपस्थित हानिकारक तत्वों और हानिकारक गैसों जैसे कार्बन डाइ-ऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और उसके बदले प्राणदायक ऑक्सीजन गैस को वातावरण में छोड़ते हैं।

6. प्रदूषण से बचने के लिए निम्नलिखित उपायों पर अमल करना आवश्यक है–

(i) वृक्षारोपण का कार्यक्रम तेजी से चलाया जाए और भारी संख्या में नए वृक्ष लगाए जाएँ।

(ii) वनों के विनाश पर रोक लगाई जाए।

(iii) बस्ती व नगर के समस्त वर्जित पदार्थों के निष्कासन के लिए सुदूर स्थान पर समुचित व्यवस्था की जाए।

(iv) बस्ती व नगर में स्वच्छता व सफाई की ओर विशेष ध्यान दिया जाए।

(v) पेय जल की शुद्धता की ओर विशेष ध्यान दिया जाए।

(vi) परमाणु विस्फोटों पर पूर्णत: नियंत्रण लगाया जाए।

7. इन पंक्तियों का भाव यह है कि प्रकृति हमारे लिए सभी प्रकार से सुखदायक है। प्रकृति हमें विभिन्न प्रकार की उपयोगी वस्तुएँ प्रदान करती है, जिससे हमारी अनेक आवश्यकताएँ पूर्ण होती हैं।

8. निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए-

(क) पर्यावरण में होने वाले **इस घातक परिवर्तन** को ही प्रदूषण कहते हैं।

(ख) वायुमंडल में विभिन्न गैसों की मात्रा लगभग **निश्चित** रहती है।

(ग) ध्वनि प्रदूषण से मनुष्य की **श्रवण शक्ति** का ह्रास होता है।

(घ) पर्यावरण हमें प्रकृति से **विरासत** में मिला है।

(ङ) पर्यावरण संरक्षण तो **भारतीय संस्कृति** से जुड़ा हुआ है।

(च) पेयजल स्रोतों के निकट या तटों पर मल–मूत्र त्याग **पाप कर्म** माना गया है।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

कीटाणु	=	**कीट**	+	**अणु**	कदापि	=	**कदा**	+	**अपि**
पर्यावरण	=	**परि**	+	**आवरण**	उत्तरार्द्ध	=	**उत्तर**	+	**अर्द्ध**
यातायात	=	**यात**	+	**आयात**	जलाशय	=	**जल**	+	**आशय**
जीवनधारा	=	**जीवन**	+	**धारा**	देवालय	=	**देव**	+	**आलय**

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

पूर्वार्द्ध	=	**उत्तरार्द्ध**	कुप्रभाव	=	**सुप्रभाव**
शुद्ध	=	**अशुद्ध**	असंभव	=	**संभव**
असंतुलन	=	**संतुलन**	जैविक	=	**अजैविक**
अतिवृष्टि	=	**अनावृष्टि**	सक्रिय	=	**निष्क्रिय**

अनिवार्य = **ऐच्छिक** हानिकारक = **उपयोगी**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

16 जमीन की भूख

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. अपनी लहलहाती फसल को देखकर दीना का मन हर्ष से भर जाता था।
2. दीना अपने पड़ोसियों से परेशान था।
3. पड़ोसी अपने जानवर उसके खेतों में चरने के लिए छोड़ देते थे, जिससे उसका बड़ा नुकसान होता था। वह बड़ी विनम्रता से पड़ोसियों को समझाता, किंतु उन पर कोई प्रभाव न पड़ता। जब उससे नुकसान सहा न गया, तब उसने अदालत में अर्जी दी।
4. सतुलज नदी के पास किसान को बीस एकड जमीन मुफ्त दी जा रही थी।
5. अंत में दीना के लिए केवल दो मीटर जमीन पर्याप्त सिद्ध हुई।
6. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्य को अत्यधिक पाने की कामना को त्याग देना चाहिए क्योंकि ये कामनाएँ व्यक्ति को अविवेकी बना देती हैं, जिससे वह अपने अमूल्य जीवन का अंत कर बैठता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. दीना पड़ोसियों से मनमुटाव के कारण लोकप्रिय नहीं रह गया था क्योंकि लोग उसे पहले जैसा सम्मान नहीं देते थे। इसलिए दीना अपने गाँव के लोगों के व्यवहार से असंतुष्ट था और फिर उसे दूसरे गाँव में मुफ्त में जमीन मिल रही थी, इसलिए उसे अपना गाँव छोड़ना पड़ा।
2. सौदागर ने दीना को सूचना दी कि मैं नदी के उस पार से आ रहा हूँ, वहाँ बहुत अधिक जमीन है, जितनी चाहे लेकर जोत लो।
3. दूसरे गाँव में दीना को सौ एकड़ जमीन दे दी गई थी। अत्यधिक मेहनत के कारण वह पहले से भी अधिक संपन्न हो गया था। अत: दीना अपना जीवन सुखपूर्वक और आरामदायक व्यतीत कर रहा था।
4. दीना कोलो के निवासियों तथा उनके सरदार के लिए भेंटस्वरूप चाय के डिब्बे, मिठाई, कपड़े तथा अन्य वस्तुएँ लेकर गया।

5. कोलों के सरदार ने दीना के सामने जमीन प्राप्त करने के लिए यह शर्त रखी कि एक दिन में पैदल चलकर जितनी जमीन तुम नाप डालो, उतनी ले लो और एक दिन का मूल्य एक हजार रुपया होगा तथा यदि तुम जहाँ से चले थे, उसी स्थान पर उसी दिन सूर्यास्त के पहले न लौट आओगे तो तुम्हें जमीन नहीं मिलेगी और तुम्हारा एक हजार रुपया भी जब्त कर लिया जाएगा।
6. कोलों के क्षेत्र में जमीन प्राप्त करने के लिए दीना ने कोलों के सरदार की शर्त मानकर भूमि को पैरों से चलकर नापना शुरू कर दिया।
7. दिन–भर के कठिन प्रयास से दीना इतना थक गया कि उसके लिए आगे चलना कठिन हो गया। उसकी सारी शक्ति क्षीण हो गई और साँस फूलने लगी। दिन–भर चलते रहने से दीना की हालत अत्यधिक निर्बल हो गई और वह जमीन पर मुँह के बल गिर पड़ा तथा फिर उसकी मृत्यु हो गई।

8. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) गाँव में **दीना** के पास सबसे अधिक जमीन थी।
(ख) दीना अपने गाँव के लोगों के व्यवहार से **असंतुष्ट** तो था ही।
(ग) लोगों ने दीना का **उत्साह** से स्वागत किया।
(घ) **सरदार** ने दीना की भेंट सहर्ष स्वीकार की।
(ङ) अच्छी उपजाऊ जमीन पर अपना **फार्म** बनाऊँगा।
(च) दीना ने **एक हजार** रुपये गिनकर टोपी पर रख दिए।

9. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) **भाव स्पष्ट–**प्रस्तुत पंक्तियों में बताया गया है कि यदि मनुष्य को, जो वो चाहता है उसकी प्राप्ति हो जाए तो वह और पाने की कामना करने लगता है। अर्थात मनुष्य एक ऐसा प्राणी है, जो भरपूर सुख के बावजूद भी अपनी कामनाओं पर नियंत्रण नहीं कर पाता और उससे अधिक पाने की लालसा उसके मन में सदैव रहती है।
(ख) **भाव स्पष्ट–**प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि दीना ने अपना संपूर्ण जीवन अधिक से अधिक जमीन प्राप्त करने में गुजार दिया, लेकिन आज जब वो मर चुका था तब उसे दफनाने के लिए केवल दो मीटर जमीन ही पर्याप्त थी।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेदों के नाम लिखिए-

(क) तुम बहुत कंजूसी करते हो। **भाववाचक संज्ञा**

(ख) मेरी कलम उधर रखी है। **जातिवाचक संज्ञा**

(ग) घोड़ा अभी यहीं खड़ा था। **जातिवाचक संज्ञा**

(घ) मनीष बहुत पढ़ता है। **व्यक्तिवाचक संज्ञा**

(ङ) हिमालय ऊँचा और लंबा है। **व्यक्तिवाचक संज्ञा**

2. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों में सही कारक-चिह्न भरिए-

(क) वह उन्नति **की** सीढ़ियाँ चढ़ता गया।

(ख) मनुष्य का प्रकृति **पर** कोई नियंत्रणण नहीं है।

(ग) बिल्ली छत **से** नीचे कूद पड़ी।

(घ) सुरेश **के लिए** एक गिलास दूध ले आओ।

(ङ) दीपावली **का** त्योहार पवित्रता एवं उल्लास का प्रतीक है।

3. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए-

धर्म	=	**धार्मिक**	मूल	=	**मौलिक**
पीड़ा	=	**पीड़ित**	नमक	=	**नमकीन**
बाजार	=	**बाजारू**	स्वर्ण	=	**स्वर्णिम**
कौन	=	**कौन-सा**	श्रद्धा	=	**श्रद्धावान**

4. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

(क)	कोमल	=	**नरम**	**मुलायम**	**मृदु**
(ख)	दिन	=	**दिवस**	**दिवा**	**वासर**
(ग)	शरीर	=	**देह**	**काया**	**गात**
(घ)	इच्छा	=	**कामना**	**लालसा**	**अभिलाषा**
(ङ)	कठिन	=	**मुश्किल**	**विषम**	**जटिल**
(च)	पत्थर	=	**पाषाण**	**प्रस्तर**	**चट्टान**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

17 कंप्यूटर शिक्षा : एक क्रांति

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. कंप्यूटर आज के युग की एक महत्त्वपूर्ण आवश्यकता इसलिए बन गया है, क्योंकि गणना से संबंधित कोई भी कार्य कंप्यूटर के बिना संभव नहीं है।

2. आधुनिक समय में अबाकस गणना करने के काम आता है। इसकी सहायता से बच्चों को गिनती तथा पहाड़े याद कराए जाते हैं।
3. कंप्यूटर मशीन के पाँच मुख्य भाग होते हैं—
   1. मैमोरी या स्मरण यंत्र, 2. कंट्रोल या नियंत्रण कक्ष,
   3. अंकगणित या अंग, 4. इनपुट यंत्र या आंतरिक यंत्र भाग,
   5. आउटपुट यंत्र।
4. कंप्यूटर की भाषा को अंकों में बिट्स के द्वारा बदला जा सकता है।
5. नि:संदेह मानव मस्तिष्क ही श्रेष्ठ है, क्योंकि कंप्यूटर प्रणाली का निर्माण भी तो मानव मस्तिष्क ने ही किया है।
6. कंप्यूटर एक सेकंड में दस लाख तक की गणना कर सकता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. मनुष्य की व्यस्तता व विज्ञान की प्रगति के कारण चारों ओर ज्ञान का जो विस्फोट हो रहा है तथा विश्व के तीन शक्तिशाली देश जिस द्रुत गति से सृष्टि को अपनी मुट्ठी में बंद करने के लिए लालायित हैं, उस दृष्टि से प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने, समृद्ध होने और अपने देश की अखंडता तथा प्रभुसत्ता की रक्षा के लिए कंप्यूटर का प्रयोग आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी बन गया है।
2. समय के साथ व्यवसाय का विस्तार और प्रगति जैसे-जैसे होती गई, वैसे ही अंकगणित को आधुनिक बनाने की दिशा में भी वैज्ञानिकों का मस्तिष्क काम कर रहा था। सामाजिक जीवन और इंजीनियरिंग क्षेत्र में गणित की गिनतियाँ जटिल तथा विस्तृत होती गईं। यह इतनी जटिल हो गईं कि मानव मस्तिष्क सप्ताहों तक गणना करके भी गति की गणना को सही नहीं कर पाता, साथ ही गणना सही है, उसमें कहीं रत्ती भर भी भूल नहीं हुई, इसकी गारंटी भी कोई नहीं ले सकता था इसलिए इस भागती हुई दुनिया को एक ऐसी मशीन की आवश्यकता पड़ी जो अधिक तीव्र गति से सही गणना करके सब आवश्यकताओं को पूरा कर सके और मानव का लंबा, तथा कठिन श्रम बच जाए और गणना में त्रुटि होने से बच जाए। इन सभी तथ्यों ने एक ऐसे यंत्र के आविष्कार का मार्ग प्रशस्त किया जो हर स्थिति में सुनिश्चित परिणाम दे सकता था। इसी के अतिविकसित और परिशुद्ध रूप को कंप्यूटर कहा गया। इसका विकास बीसवीं शताब्दी में आरंभिक वर्षों में होना शुरु हुआ और अनेक पड़ावों से गुजरता हुआ यह हमारे समक्ष उपस्थित है।

3. कंप्यूटर मशीन के पाँच मुख्य भाग होते हैं—

   1. **मैमोरी या स्मरण–**जिसमें सभी प्रकार की सूचनाएँ भरी जाती हैं। इन्हीं के आधार पर कंप्यूटर गणना करता है।
   2. **कंट्रोल या नियंत्रण कक्ष–**इस कक्ष के परिणाम से यह पता चलता है कि कंप्यूटर अपेक्षित गणना को सही कर रहा है या कहीं त्रुटिपूर्ण गणना हो गई है।
   3. **अंकगणित का अंग–**इस हिस्से द्वारा गणना संबंधी प्रक्रिया संपन्न होती है।
   4. **इनपुट यंत्र या आंतरिक यंत्र भाग–**इस भाग में ही सब प्रकार की जानकारियों या उससे संबंधित निर्देश संकलित रहते हैं।
   5. **आउटपुट यंत्र वाह्य यंत्र भाग–**कंप्यूटर प्रणाली में इन चारों अंगों की प्रक्रिया के द्वारा जो सूचनाएँ संकलित हुईं, उनका विश्लेषण करना और संभावित परिणाम को बताना जिसको कि छापकर घोषित किया जाता है।

4. सूचनाएँ एकत्र करने के लिए कंप्यूटर में अलग भाषा और संकेत भरे जाते हैं, हिंदी या अंग्रेजी अथवा अन्य किसी भी भाषा की वर्णमाला या अक्षर नहीं होते। अत: सभी सूचनाओं को पहले कंप्यूटर भाषा में परिवर्तित किया जाता है, जो तकनीकी दृष्टि से 'ऑफ', 'ऑन', 'शून्य' तथा 'एक' हैं, जिनको 'द्विच संख्या' कहते हैं। इन 'बिटस' के द्वारा ही भाषा को अंकों में बदलते हैं। कंप्यूटर प्रणाली में 6 बिट्स को 64 विधियों में प्रयुक्त कर सकते हैं। कंप्यूटर के इनपुट उपकरणों में जिसे की–बोर्ड या कुंजी कहते हैं, पर अंग्रेजी के 23 वर्णों, 10 अंकों, आवश्यक विराम चिह्नों को गणित संबंधी कुछ संकेतों से प्रकट करते हैं। यह जानकारी बिट्स में बदल जाती है। अंत में नियंत्रण उपकरण की सहायता से विश्लेषण तैयार होता है और अंतिम परिणाम कंप्यूटर टर्मिनल पर छपकर बाहर आ जाता है।

5. कुंजीपटल एक प्रकार की इनपुट डिवाइस है। जिसका उपयोग अंकों, संख्याओं तथा अन्य प्रकार की जानकारियों को कंप्यूटर में प्रविष्ट कराने के लिए किया जाता है। इसकी बनावट आमतौर पर ऑफिस में प्रयुक्त होने वाले टाइपराइटर की तरह होती है। कुंजीपटल में 101 से 108 के लगभग कीज होती हैं। इसमें कीज पर A से Z तक के एल्फाबेट व 0 से 9 तक अंक छपे होते हैं। इनके अतिरिक्त इसमें कुछ कीज विभिन्न प्रकार की होती

हैं जिनके कार्य भी अलग-अलग होते हैं।

6. हर बड़े व्यवसाय, तकनीकी संस्थान, बड़े-बड़े प्रतिष्ठानों की गणितीय गणना, समूह रूप में बड़े-बड़े उत्पादनों का लेखा-जोखा, भावी उत्पादन का अनुमान, बड़ी-बड़ी मशीनों की परीक्षा और भविष्य गणना, परीक्षाफलों की विस्तृत विशाल गणना, वर्गीकरण, जोड़, घटाव, गुणा, भाग, अंतरिक्ष यात्रा की गणना, मौसम संबंधी जानकारी, भविष्यवाणियाँ, व्यवसाय, चिकित्सा और अखबारी दुनिया में आज कंप्यूटर प्रणाली ही सर्वाधिक उपयोगी और त्रुटिहीन जानकारी देती है।

7. मानव मस्तिष्क ही श्रेष्ठ है, क्योंकि कंप्यूटर प्रणाली का निर्माण भी तो मानव मस्तिष्क ने ही किया है। मानव मस्तिष्क में खोज और आविष्कार की जो चेतना है, चिंतन और विचार है, अनुभूति की क्षमता है, अच्छे-बुरे की परख है, वह कंप्यूटर में नहीं है, वह तो आँकड़ों की गति युक्त गणना है और वे आँकड़े किसी परिस्थिति के प्रभाव के विश्लेषण की उपलब्धि हैं, जिनकी गणना त्रुटिपूर्ण भी हो सकती है, भविष्यफल गलत भी हो सकता है। वहाँ कठिन नियंत्रण, एक वैज्ञानिक प्रक्रिया और जटिल गणना है, इस प्रक्रिया में बीच में किसी कारण तनिक भी त्रुटि हो गई तो सारी गणना का प्रतिफल ही उलट जाएगा। दूसरे, मानव को कलात्मक कृति, संगीत, पेंटिंग रिझा सकती है, बोर कर सकती है, उसकी पसंद नापसंद हो सकती है। मनुष्य का ज्ञान, आम रुचि, अनुभव, चिंतन, विचार क्रिया को प्रभावित कर सकते हैं, किंतु कंप्यूटर का मस्तिष्क इन सबसे परे यांत्रिक गति के नियंत्रण में आबद्ध है। वह तो भावनाशून्य होता है, मानव के समान निर्णय लेने की क्षमता उसमें नहीं है।

8. निम्न पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) इस पंक्ति का आशय यह है कि कंप्यूटर की स्मरण शक्ति मानव की तुलना में कहीं अधिक होती है। कंप्यूटर बहुत बड़ी और जटिल गणनाओं को याद कर सकता है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हमें ज्यों-का-त्यों प्रस्तुत कर सकता है। इस पर समय तथा अवधि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों का आशय यह है कि मानव सजीव है और आवश्यकता पड़ने पर परिस्थिति के अनुसार निर्णय ले सकता है तथा आविष्कृत वस्तुओं में इच्छानुसार परिवर्तन कर सकता है। मानव सतत विकास की ओर अग्रसर रहता है, परंतु कंप्यूटर इसके विपरीत एक निर्जीव वस्तु है।

जो किसी भी प्रकार की भावना से शून्य है, जो किसी भी प्रकार का परिवर्तन करने अथवा निर्णय लेने में असमर्थ होता है।

भाषा प्रवाह

1. स्तंभ 'क' के विशेषणों को स्तंभ 'ख' के दिए उपयुक्त विशेष्यों से जोड़कर लिखिए-

स्तंभ 'क'	स्तंभ 'ख'
विध्वंसक	नगर
प्राणदायी	छात्रा
प्राणघातक	सड़क
सुदीर्घ	विष
ऐतिहासिक	बटी
प्रतिभावान	तोप

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

इलेक्ट्रॉनिक्स = **इलेक्ट्रॉनिक्स** की प्रगति में कंप्यूटर प्रणाली का सर्वाधिक योगदान है।

गगनचुंबी = ऊँची और विशाल इमारतों को **गगनचुंबी** इमारतें कहते हैं।

प्रतिष्ठान = आगामी रविवार को सभी **प्रतिष्ठान** बंद रहेंगे।

संकलित = कबीरदास के दोहे कबीर ग्रंथावली में **संकलित** हैं।

विश्लेषण = क्या आप मेरे कार्य का **विश्लेषण** कर सकते हैं?

गणक = **गणक** पटल आयताकार होता है।

पटल = ईसा से लगभग 4 हजार वर्ष पूर्व एक विधि **'गणक पटल'** का निर्माण हुआ।

3. 'प्र' उपसर्ग से बनने वाले पाँच शब्द लिखिए-

प्रमाद प्रसार प्रलाप प्रजाति प्रकोप।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

18 *पानी पर चंदा और चाँद पर आदमी*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. मनुष्य को चंद्रमा पर पहुँचने में 102 घंटे 45 मिनट और 42 सेकंड का समय लगा।

2. अपोलो-11 ग्यारह को केप केनेडी से बुधवार 16 जुलाई, 1969 को छोड़ा गया था। इसमें तीन यात्री थे—कमांडर नील आर्मस्ट्रांग, माइकल कॉलिन्स और एडविन एल्ड्रिन।
3. चंद्रमा पर पहुँचने के बाद एल्ड्रिन ने भाव विभोर होकर कहा, सुंदर दृश्य है, सब कुछ सुंदर है। जहाँ हम उतरे हैं, उससे कुछ ही दूरी पर हमने बैंगनी रंग की चट्टान देखी है। चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानें सूर्य की रोशनी में चमक रही हैं। यह एक भव्य एकांत स्थान है।
4. अंतरिक्ष युग का सूत्रपात 4 अक्टूबर, 1956 को हुआ था। जब सोवियत रूस ने अपना पहला स्पूतनिक छोड़ा। प्रथम अंतरिक्ष यात्री बनने का गौरव यूरी गागरिन को प्राप्त हुआ।
5. चंद्र यात्रियों को सीधे चंद्र प्रयोगशाला में ले जाया गया तथा कई सप्ताह तक किसी से मिलने-जुलने नहीं दिया गया। उनके अनुभव रिकार्ड किए गए। वैज्ञानिकों को यह भी जाँच करनी थी कि ये यात्री ऐसे कीटाणु तो अपने साथ नहीं ले आए, जो मानव जाति के लिए घातक हों।
6. सोमवार 21 जुलाई, 1969 को बहुत सवेरे ईगल नामक चंद्रयान नील आर्मस्ट्रांग और एडविन एल्ड्रिन को लेकर चंद्रतल पर उतर गया।

लिखित उत्तर दीजिए

1. मानव के चंद्रतल पर उतरने के समाचार की प्रतीक्षा में दुनिया के सभी भागों में स्त्री-पुरुष और बच्चे रेडियो से कान सटाए बैठे थे, जिनके पास टेलीविजन थे, वे उसके पर्दे पर आँखें गड़ाए थे।
2. चंद्रतल पर इन चंद्र विजेताओं ने भूकंपमापी यंत्र स्थापित किया और लेसर परावर्तक रखा। इन्होंने एक धातु फलक, जिस पर तीनों यात्रियों और अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन के हस्ताक्षर थे, वहाँ रखा। धातु-फलक पर खुदे शब्दों को आर्मस्ट्रांग ने जोर से पढ़ा'' जुलाई 1969 में पृथ्वी ग्रह के मानव चंद्रमा के इस स्थान पर उतरे। हम यहाँ सारी मानव जाति के लिए शांति की कामना लेकर आए हैं।'' विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों के संदेशों की माइक्रोफिल्म भी उन्होंने चंद्रतल पर छोड़ दी। दो रूसी अंतरिक्ष यात्रियों (यूरी गागरिन और एम० के० मोरोव) को मरणोपरांत दिए पदक और तीन अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों (ग्रिसम, व्हाइट और शैफी) को दिए गए पदकों की अनुकृतियाँ वहाँ रखीं। वहाँ से आर्मस्ट्रांग ने चंद्रतल का एक तात्कालिक नमूना लिया। दोनों चंद्र विजेताओं ने चंद्रमा की चट्टानों तथा मिट्टी के नमूने भी लिए।

तथा कई तरह के उपकरण भी वहाँ स्थापित किए जो बाद में भी पृथ्वी पर वैज्ञानिक जानकारी भेजते रहें।

3. अरबों डालर खर्च करके मानव चंद्रतल पर पहुँचा था, उसे अपने सीमित समय के एक-एक क्षण का उपयोग करना था।
4. मानवता के संपूर्ण इतिहास की सर्वाधिक रोमांचकारी घटना वह थी जब मनुष्य चाँद पर पहुँचा था।
5. हमारे देश में ही नहीं, बल्कि संसार की प्रत्येक जाति ने अपनी भाषा में चंद्रमा के बारे में कहानियाँ गढ़ी हैं और कवियों ने कविताएँ रची हैं। किसी ने उसे रजनीपति माना तो किसी ने उसे रात्रि की देवी कहकर पुकारा। किसी विरहिणी ने उसे अपना दूत बताया तो किसी ने उसके पीलेपन से क्षुब्ध होकर उसे बूढ़ा और बीमार ही समझ लिया। बालक श्रीराम चंद्रमा को खिलौना समझकर उसके लिए मचलते हैं तो सूर के श्रीकृष्ण भी उसके लिए हठ करते हैं। बालक को शांत करने के लिए एक ही उपाय था—चंद्रमा की छवि को पानी में दिखा देना। लेकिन मानव की प्रगति का चक्र कितना घूम गया है! इस लंबी विकास यात्रा को श्रीमती महादेवी वर्मा ने एक ही वाक्य में बाँध दिया है। पहले पानी में चंदा को उतारा जाता था और आज चाँद पर मानव पहुँच गया है।''

6. निम्नलिखित अंशों की व्याख्या कीजिए-

(क) **व्याख्या**-चंद्रतल पर कदम रखते हुए वैज्ञानिकों ने कहा कि, चंद्रमा पर पहुँचना यद्यपि मनुष्य का छोटा-सा कदम है लेकिन संपूर्ण मानव जाति के लिए एक ऊँची छलाँग के बराबर है।

(ख) **व्याख्या**-पुराने समय में हम चंद्रमा के दर्शन पानी के अंदर करते थे और अब मनुष्य ही सीधा चंद्रमा पर पहुँच गया है।

(ग) **व्याख्या**-मनुष्य के चाँद पर पहुँचने की सर्वाधिक रोमांचकारी इस घटना को दुनिया के सभी भागों में स्त्री-पुरुष अपने अनुभवों में उतार लेना चाहते थे।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग पृथक् करके लिखिए-

प्रघात	=	**प्र**	प्रयोग	=	**प्र**
बदसूरत	=	**बद**	प्रतिक्रिया	=	**प्रति**
खूबसूरत	=	**खूब**	लापरवाह	=	**ला**

दुस्साहस	=	**दुस्**	अत्याधुनिक	=	**अति**
विशेष	=	**वि**	सहयोगी	=	**सह**

2. **निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-**

मरणोपरांत	=	**मरण**	+	**उपरांत**
सर्वाधिक	=	**सर्व**	+	**अधिक**
प्राणोदक	=	**प्राण**	+	**ओदक**
शयनागार	=	**शयन**	+	**आगार**
दुस्साहस	=	**दुः**	+	**साहस**
पूर्वाभिनय	=	**पूर्व**	+	**अभिनय**
नागाधिराज	=	**नाग**	+	**अधिराज**
रवींद्र	=	**रवि**	+	**इंद्र**

3. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

चंद्रमा	=	**विधु**	**राकेश**
मानव	=	**नर**	**मनुष्य**
पानी	=	**जल**	**नीर**
विश्व	=	**जग**	**संसार**
रात	=	**निशा**	**रात्रि**

4. **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

दुर्घटना — थोड़ी–सी असावधानी **दुर्घटना** को बढ़ावा देती है।

काल — महाजनपद **काल** में भारत में सौलह महाजनपद थे।

स्थापना — अशोक ने मध्य प्रदेश में साँची के स्तूप की **स्थापना** करवाई।

सुहावना — नैनीताल में पहाड़ों का दृश्य अत्यंत मनोहर और **सुहावना** लगता है।

शीतल — चंद्रमा पृथ्वी को **शीतलता** प्रदान करता है।

कष्ट — मानव का जीवन **कष्टों** से भरा हुआ है।

मानव — **मानव** मन सदा से ही अज्ञात रहस्यों को खोलने और जानने–समझने को उत्सुक रहा है।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

19 मीठी बोली

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. सब प्राणी मीठी बोली बोलने वाले के बस में हो जाते हैं।
2. हमें मीठी बोली बोलनी चाहिए।
3. 'आँखों का तारा' (अत्यधिक प्यारा)
   वाक्य प्रयोग–मोहित अपनी माँ की आँखों का तारा है।
4. मीठी बोली द्वारा काँटों में भी सुंदर फूल खिलाए जा सकते हैं।

लिखित उत्तर दीजिए

1. सभी मनुष्य मीठी बोली बोलने वाले के वश में हो जाते हैं। हाँ, हम ऐसा अवश्य कर पाएँगे।
2. मीठी बोली बोलने वाला सबकी आँखों का तारा होता है। हम मीठी बोली बोलने वाले मित्र को पसंद करते हैं।
3. हमें मीठी बोली बोलने का प्रयास करना चाहिए।
4. मीठी बोली का प्रभाव अच्छा होता है।
5. मीठी बोली बोलने से शत्रु भी मित्र बन जाते हैं, लड़ाई–झगड़े खत्म हो जाते हैं, टूटे हुए नाते जुड़ जाते हैं। मीठी बोली से काँटों में भी सुंदर फूल खिलाए जा सकते हैं, तथा पत्थर को भी पिघलाकर मोम बनाया जा सकता है।

6. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

(क) लड़ाई–झगड़ों से आई कटुता को मिटाने वाली और
मन में आए मैल को धोने वाली तथा
टूटे हुए नातों को जो हमेशा जोड़ देती है।
ऐसी मीठी बोली हमेशा प्यार के बीज बोती है।

(ख) दिल में उमंग बढ़ाने वाली, लगाव को बढ़ाने वाली और
दिल के कठिन तालों को खोलने वाली सच्ची ताली,
चारों ओर अनूठी सुगंध फैलाने वाली,
मीठी बोली खिले हुए फूलों की डाली के समान होती है।

7. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

(क) काँटों में **भी सुंदर फूल** खिलाने वाली,
रखने वाली कितने ही मुखड़ों की लाली।

निपट बना देने वाली **है बिगड़ी बातें,**
होती मीठी बोली **की करतूत निराली।**

(ख) **बस में जिससे हो जाते हैं** प्राणी सारे,
सब जिससे बन **जाते हैं आँखों के तारे।**
पत्थर को पिघलाकर मोम बनाने वाली
मुख खोलो तो **मीठी बोली बोलो प्यारे।**

8. निम्नलिखित वाक्यों में सही के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✗) (ङ) (✓) (च) (✗)

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

मीठी	=	**कड़वी**	सुंदर	=	**बदसूरत**	सुगंध	=	**दुर्गंध**
अनूठा	=	**साधारण**	सारा	=	**आधा**	खिलना	=	**मुरझाना**
फूल	=	**काँटा**	सच्ची	=	**झूठी**	यश	=	**अपयश**
जड़	=	**चेतन**						

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) प्राणी = **मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।**
(ख) तारे = **आसमान में तारे छिटके हुए थे।**
(ग) काँटों = **काँटों से उसका शरीर छलनी हो चुका था।**
(घ) सुगंध = **चारों और सुगंध फैली हुई थी।**
(ङ) मीठी = **हमें मीठी बोली बोलनी चाहिए।**
(च) डाली = **पेड़ की सबसे ऊँची डाली पर दो चिड़ियाँ बैठी हुई थीं।**

3. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए-

फूल	=	**फूलों**	बाग	=	**बागों**	काँटा	=	**काँटों**
मोमबत्ती	=	**मोमबत्तियाँ**	प्राणी	=	**प्राणियों**	दृष्टि	=	**दृष्टियों**
माला	=	**मालाएँ**	नदी	=	**नदियाँ**	पत्ता	=	**पत्ते**
राशि	=	**राशियाँ**	वस्तु	=	**वस्तुएँ**	कविता	=	**कविताएँ**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

20 संस्मरण : स्कूल मुझे अच्छा लगा

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. तोत्तो-चान ने प्रधानाध्यापक को स्टेशन मास्टर कहा।
2. उस पूरे स्कूल में करीब पचास बच्चे पढ़ते थे।
3. स्कूल जाते समय तोत्तो-चान ने शिष्टता से झुककर माँ को कहा, ''अच्छा, गुड-बाय।''
4. तोत्तो-चान की माँ ने उसे स्कूल जाने से पहले हिदायत दी कि ''अच्छी लड़की बनना।''
5. तोत्तो-चान की माँ धैर्यवान महिला थीं।

लिखित उत्तर दीजिए

1. तोत्तो-चान नए स्कूल का गेट देखकर इसलिए ठिठक गई, क्योंकि स्कूल का गेट पेड़ के दो तनों का था तथा उन पर टहनियाँ और पत्ते भी थे।
2. स्कूल देखकर तोत्तो-चान की आँखों में चमक इसलिए आ गई क्योंकि स्कूल के कमरे रेलगाड़ी के डिब्बे थे और डिब्बों की खिड़कियाँ सूरज की प्रात:कालीन धूप में चमक रही थीं।
3. प्रधानाध्यापक तोत्तो-चान से अकेले में इसलिए बातें करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें उससे बात करना बहुत अच्छा लग रहा था।
4. तोत्तो-चान ने प्रधानाध्यापक को ट्रेन के बारे में, अपने दूसरे स्कूल की शिक्षिका के बारे में, अबाबील के घोंसले के बारे में, अपने कुत्ते रॉकी के बारे में, अपनी माँ के बारे में, पिता के बारे में तथा अपने बारे में बताया। अपने बारे में उसने बताया कि वह कैंची मुँह में डालकर चलाया करती थी, पर उसकी शिक्षिका ने उसे ऐसा करने से मना किया था। अपने कपड़ों के बारे में उसने बताया कि जब वह दोपहर को स्कूल से लौटती थी तो अक्सर उसके कपड़े फटे होते थे, क्योंकि वह दूसरों के बगीचों में झाड़ियों के बीच में से घुसती थी।
5. तोत्तो-चान को प्रधानाध्यापक जी इसलिए अच्छे लगे, क्योंकि उन्होंने तोत्तो-चान की सारी बातें ध्यान से सुनी थीं।
6. तोत्तो-चान को स्कूल जाते देख माँ की आँखें इसलिए भर आईं, क्योंकि तोत्तो-चान को हाल ही में एक स्कूल से निकाला जा चुका था।

7. तोत्तो-चान ने प्रधानाध्यापक को स्टेशन मास्टर इसलिए कहा, क्योंकि उसके अनुसार यदि प्रधानाचार्य जी रेलगाड़ी के डिब्बों के मालिक हैं तो वे स्टेशन मास्टर हुए न।

8. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

(क) गेट के ये दो खंभे **असल में पेड़** ही थे।

(ख) माँ ने सिर्फ इतना ही कहा, "तुम **उनसे ही** क्यों नहीं पूछ लेती।"

(ग) प्रधानाध्यापक जी कभी हँसते कभी सिर हिलाते और कहते, "**अच्छा फिर**?"

(घ) माँ ने कहा और दफ्तर से निकलकर **दरवाजा** बंद कर दिया।

(ङ) तोत्तो-चान ने प्रधानाध्यापक जी के जैकेट का किनारा खींचा और पूछा, "**बाकी बच्चे कहाँ हैं?**"

भाषा प्रवाह

1. **नीचे दिए गए अंश में उचित कारक-चिह्न भरिए-**

तोत्तो-चान, यासुकी चान **को** अपने पेड़ पर ले गई और उसके बाद तुरंत चौकीदार के छप्पर **की** ओर भागी, जैसा उसने रात **में** ही तय कर लिया था। वहाँ **से** वह एक सीढ़ी घसीटती हुई लाई। उसे तने **के** सहारे ऐसे लगाया, जिससे वह शाखा पर पहुँच जाए। वह कुरसी **से** ऊपर चढ़ी और सीढ़ी **के** किनारे **को** पकड़ लिया।

2. **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-**

(क) मैं इस स्कूल का प्रधानाध्यापक हूँ। (ख) माँ धीरज वाली थी।

(ग) "ऐसे में चुप रहना कितने शर्म की बात है।"

(घ) मैं आपके स्कूल में पढ़ना चाहती हूँ।

(ङ) "तुम अभी अंदर नहीं जा सकती हो।"

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

21 प्रायश्चित

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. रामू की बहू की आयु चौदह वर्ष की थी।
2. रामू की बहू कबरी बिल्ली से घृणा करती थी।

3. नौकरों पर रामू की बहू का हुक्म चलने लगा।
4. पंडित जी ने इक्कीस तोले की बिल्ली बनवाने को कहा।
5. कहानी के अंत में बिल्ली उठकर भाग गई, क्योंकि वह मरी नहीं थी, बल्कि जिंदा थी।

लिखित उत्तर दीजिए

1. रामू की बहू की बढ़ती लापरवाही के कारण कबरी बिल्ली का हौंसला बढ़ गया था और वह उसके द्वारा बनाए खाने को चट कर जाती थी इसलिए रामू को रूखा-सूखा भोजन ही मिलता था।
2. जब कभी रामू की बहू से भंडार गृह खुला रह जाता तो कबरी बिल्ली मौका पाकर दूध-घी और उसके द्वारा बनाई गई कटोरा भरी खीर खा जाती। तो कभी मलाई तथा कभी-कभी तो वह ऊँचाई पर रखे बर्तन पर छलाँग लगाती जिससे बर्तन नीचे गिर जाता। इस प्रकार कबरी बिल्ली रामू की बहू को परेशान करती थी।
3. कबरी बिल्ली से पीछा छुड़ाने के लिए रामू की बहू ने उसकी मोर्चाबंदी कर दी और सतर्क हो गई। फिर उसने बिल्ली फँसाने का कठघरा मँगवाया और उसमें दूध, मलाई, तथा बिल्ली को स्वादिष्ट लगने वाले विविध प्रकार के व्यंजन रखे।
4. रामू की बहू एक कटोरा दूध दरवाजे की देहरी पर रखकर चली गई और फिर जब तक वह पाटा लेकर लौटी तो देखती है कि कबरी दूध पर जुटी हुई है, रामू की बहू ने मौका पाकर और सारा बल लगाकर पाटा बिल्ली पर पटक दिया। इस प्रकार रामू की बहू ने बिल्ली की हत्या कर दी।
5. बिल्ली की हत्या की खबर बिजली की तरह पास-पड़ोस में फैल गई। पड़ोस की औरतों का रामू के घर ताँता बँध गया और रामू की बहू पर चारों तरफ से प्रश्नों की बौछार होने लगी।
6. पंडित परमसुख चौबे छोटे-से, मोटे-से आदमी थे। लंबाई चार फीट दस इंच और तोंद का घेरा अट्ठावन इंच। चेहरा गोल-मटोल, बड़ी-बड़ी मूँछें, रंग गोरा, गोखुरी चोटी कमर तक पहुँची हुई।
   कहा जाता है कि मथुरा में जब पंसेरी खुराक वाले पंडित को ढूँढा जाता था तो पंडित परमसुख को उस लिस्ट में प्रथम स्थान दिया जाता था।
7. पंडित जी ने प्रायश्चित्त का विधान बताते हुए कहा कि बिल्ली की हत्या प्रात:काल ब्रहम्मुहुर्त में हुई है इसलिए घोर कुंभीपाक नरक का पाप है। अत: इक्कीस तौले की बिल्ली बनवाकर बहू के हाथ से दान करवायी जाए

और बिल्ली दान कर देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ किया जाए।

8. प्रायश्चित कहानी का उद्देश्य समाज में व्याप्त अंधविश्वासों पर व्यंग्यात्मक रूप से चोट करना है।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) कबरी बिल्ली को मौका मिला, **घी-दूध पर वह** जुट गई।

(ख) एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए **खीर** बनाई।

(ग) रामू की बहू ने कबरी की **हत्या** पर कमर कस ली।

(घ) पड़ोस की औरतों का रामू के घर **ताँता** बँध गया।

10. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) (i) बिल्ली से　　(ख) (ii) रामू के लिए

(ग) (iii) वह बिल्ली की हत्या से दुखी थी　　(घ) (i) महरी ने

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

अचरज	=	**आश्चर्य**	सूर्य	=	**सूरज**
इच्छा	=	**कामना**	सोना	=	**स्वर्ण**
पत्नी	=	**भार्या**	शत्रु	=	**दुश्मन**
माता	=	**माँ**	हाथ	=	**हस्त**

2. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए-

अति + अधिक	=	**अत्यधिक**	नदी + आगम	=	**नद्यागम**
अनु + एषक	=	**अन्वेषक**	अति + अंत	=	**अत्यंत**
पितृ + आदेश	=	**पितृादेश**	पुरुष + अर्थी	=	**पुरुषार्थी**
नि + ऊन	=	**न्यून**	नर + उत्तम	=	**नरोत्तम**

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) कमर कसना = **तैयार होना**
रामू की बहू ने कबरी बिल्ली की हत्या पर कमर कस ली।

(ख) कान भरना = **चुगली करना**
मँथरा ने कान भरकर कैकेयी का दशरथ के प्रति मन बदल दिया।

(ग) चंपत होना = **गायब होना**
रामू की बहू को देखते ही कबरी बिल्ली चंपत हो गई।

(घ) मुँह में पानी आना = **खाने को मन ललचाना**
घर में अगर बच्चों के पसंद की कोई चीज बन जाए तो उनके मुँह में पानी आने लगता है।

4. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए-

शब्द		**उपसर्ग**	**मूल शब्द**
उपहार	=	**उप**	**हार**
अधपका	=	**अध**	**पका**
प्रसिद्ध	=	**प्र**	**सिद्ध**
उन्नयन	=	**उन**	**नयन**
विनाश	=	**वि**	**नाश**

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

1 शूलों को अपनाना है

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. फूलों को पाने से पहले शूलों को अपनाना है।
2. मोती पाने के लिए समुद्र में गोता लगाना जरूरी है।
3. वह हार नहीं सकता जिसने जीवन में मुसकाना सीख लिया।

लिखित उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग में आने वाली बाधाएँ हमें पहले पार करनी पड़ती हैं। इसलिए लक्ष्य प्राप्ति सरल नहीं हैं।
2. लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ता एवं साहस रखना आवश्यक है।
3. प्रस्तुत कविता हमें कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, दृढ़ता, साहस और प्रसन्न चित्त रहने का संदेश देती है।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भाव– (क) कवि का कहने का भाव है, कि बहुमूल्य मोती पाने के लिए गोताखोर को गहरे समुद्र में गोता लगाना पड़ता है। यदि हमें लक्ष्य प्राप्त करना है, तो माग्र में आने वाली बाधाओं को साहसपूर्वक पार करना ही पड़ेगा।

(ख) कवि कहता है—लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प व्यक्ति कभी भी हार कर नहीं बैठ सकता; बल्कि वह मुस्कराते हुए मार्ग में आने वाली कठिन परिस्थितियों का सामना करता है और अनन्त: सफल हो जाता है।

(ग) कवि कहता है—कभी-कभी भयंकर रुकावटें मनुष्य को दिशाहीन कर देता हैं—फिर भी लक्ष्यवान् व्यक्ति गिर-गिर कर संभलता है। साहसपूर्वक आगे बढ़ता है और अबाध गति से आगे बढ़कर अपने निर्दिष्ट लक्ष्य पर पहुँच ही जाता है।

5. निम्नलिखित अर्थ वाली पंक्तियाँ लिखिए–

उत्तर– जीवन की राह में दुख झेलने पड़ते हैं।

सहज नहीं फूलों को पाना, पहले काँटे चुभते हैं।
कठिन राह में चलने से ही, पग में छाले दुखते हैं।

लक्ष्य-प्राप्ति सरल नहीं होती।

मंजिल पर जाने से पहले,
पग-पग पर बाधाएँ हैं।

असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए।

गिरना और संभलकर बढ़ना,
साहस का साथ निभाना।

जो हर संकट का मुसकाते हुए सामना करता है, उसकी कभी हार नहीं हो सकती।

विजय चाहते हो जीवन में, दृढ़ता से बढ़ते जाना।
हार नहीं सकता वह जिसने सीखा नित मुस्काना है।।

6. निम्नलिखित शब्दों के प्रतीकार्थ लिखिए–

उत्तर–

फूल	=	**सफलता कोमलता**	शूल	=	**काँटे, विषम परिस्थितियाँ**
पग के छाले	=	**कठिनाइयाँ, बाधाएँ**	मोती	=	**बहुमूल्य प्राप्ति**
गोता खाना	=	**गिर-गिरकर संभलना**	गिरना	=	**निराशा में संभावना**

7. सोचिए, समझिए और बताइए–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए–

उत्तर–
(क) म् + अं + ज़् + इ + ल् + अ = **मंजिल**
(ख) स् + आ + ह् + अ + स् + अ = **साहस**
(ग) द् + ऋ + ढ़् + अ + त् + आ = **दृढ़ता**
(घ) क् + ष् + अ + म् + अ + त् + आ = **क्षमता**

2. जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाओं आदि से भी भाववाचक संज्ञाएँ बनाई जाती हैं। नीचे ऐसे ही शब्द दिए गए हैं, उनकी भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

उत्तर–

बच्चा	=	**बचपन**	बूढ़ा	=	**बुढ़ापा**
चढ़ना	=	**चढ़ाई**	स्त्री	=	**स्त्रीत्व**
मीठा	=	**मिठास**	हँसना	=	**हँसाना**
डाकू	=	**डकैती**	लड़का	=	**लड़कपन**
अहं	=	**अहंता**	हरा	=	**हराना**
महँगा	=	**महँगाई**	अपना	=	**अपनापन**
स्व	=	**स्वत्व**	गहरा	=	**गहराई**
हारना	=	**हार**	अच्छा	=	**अच्छाई**
नेता	=	**नेतृत्व**	सफल	=	**सफलता**

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर–
(क) लक्ष्य की प्राप्ति कठिन है **सरल** नहीं।
(ख) हार होने पर साहस न छोड़ने वालों की सदैव **जीत** होती है।
(ग) ईश्वर की कृपा से निर्जीव भी **सजीव** हो उठते हैं।
(घ) जिसने **अमृत** का स्वाद चख लिया वह विष क्यों पिएगा।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करौं

2 लौह पुरुष : सरदार पटेल

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 में गुजरात के करमसद गाँव में श्री झबेरभाईघर घर हुआ था।

2. 1908 भयंकर प्लेग के चंगुल में उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई।
3. वल्लभभाई पटेल के बड़े भाई का नाम विटठलभाई पटेल था।
4. स्वयं सेवक दल की स्थापना तथा उनके लिए आवास व स्वास्थ्य रक्षा तथा नगर का सुप्रबंध किया।
5. एशिया छोड़ो का नारा बुलंद किया।

लिखित उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. महात्मा गांधी के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण वे विदेश नहीं जा सके।

2. बेगारी प्रथा का अंत करने तथा किसानों का लगान माफ कराने के कारण 1918 ई० जनता इन्हें सरदार पटेल के नाम से पुकारने लगी।
3. 1928 लोकमान्य तिलक के जन्मदिन पर मुंबई में अंग्रेजों के विरुद्ध जुलूस का नेतृत्व करने के कारण सरदार पटेल पहली बार जेल में डाले गए।
4. अपनी सच्चाई, ईमानदारी और कर्मशीलता से उन्होंने बेगार प्रथा का अंत किया। कई बार जेल गए। 1928 में बारडोली आंदोलन में अंग्रेजों का विरोध किया। 600 रियासतों को बिना रक्तपात के भारतीय संघ में विलय कर दिया। देश को सुसंगठित किया। इनकी कर्मठता देखकर उन्हें लौह पुरुष कहा जाने लगा।
5. 1931 ई० में सरदार 'गोलमेज कांफ्रेंस इंग्लैंड में कांग्रेस अधिवेशन में शामिल हुए। जेल भेज गए। 1934 ई० में अस्वस्थता के कारण इन्हें जेल से छोड़ दिया गया। 22 में से 8 (11 - 8) प्रांतों में कांग्रेस की विजय होने से 1937 ई० में कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर– (क) गुजरात अधिवेशन में दोनों भाइयों ने **गांधी जी** से भेंट की।

(ख) सन् 1924 में वे **अमहदाबाद** नगरपालिका के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

(ग) **नए प्रबंध के कारण तीस** प्रतिशत की लगान वृद्धि ने **किसानों** की कमर तोड़ दी।

(घ) गृह और सूचना विभाग के मंत्री पद के साथ-साथ सरदार पटेल ने **उप-प्रधानमंत्री** पद का भार भी सँभाला।

भाषा प्रवाह

1. इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों से अन्य शब्द बनाइए–

उत्तर– गृह	=	**गृह कार्य**	**गृह क्लेश**	**गृह शांति**
देश	=	**देशवासी**	**देशप्रेम**	**देशभक्ति**

भाव	=	**दयाभाव**	**सदभाव**	**दुर्भाव**
चुना	=	**चुनाई**	**चुनना**	**चुनाव**
वास	=	**आवास**	**निवास**	**सुवास**
धन	=	**धनवान्**	**धनिक**	**धनहीन**

2. पाठ में से व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए–

उत्तर– सरदार बल्लभभाई पटेल | प्र० म० जवाहरलाल नेहरू
विटठलभाई पटेल | मौलाना शौकत अली
गुजरात | झबेर भाई
अहमदाबाद | सरदार पटेल
महात्मा गांधी | लौह–पुरुष

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

कठिन	=	**सरल**	उत्तीर्ण	=	**अनुत्तीर्ण**
जीत	=	**हार**	विश्वास	=	**अविश्वास**
स्वीकार	=	**अस्वीकार**	मुक्ति	=	**कैद**

4. निम्नलिखित शब्दों के तीन–तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

पत्नी	=	**दारा**	**भार्या**	**सहगामिनी**
विद्‌यालय	=	**पाठशाला**	**स्कूल**	
पुरुष	=	**नर**	**मानव**	**मनुष्य**

5. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए–

उत्तर–

इच्छाएँ	=	**इच्छा**	भाइयों	=	**भाई**
आवश्यकता	=	**आवश्यकताएँ**	परीक्षा	=	**परीक्षाएँ**
गाथा	=	**गाथाएँ**	दलों	=	**दल**

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– नतमस्तक = **झुकाना**

सरदार बल्लभभाई पटेल ने 600 रियासतों को बिना रक्तपात भारतीय संघ में विलय कर दिया।

योगदान = **भूमिका, भाग लेना**

किसानों की लगान माफी के कार्य में पटेल का **योगदान** अद्बितीय है।

निवारण = **दूर करना**

बल्लभभाई पटेल ने किसानों के कष्टों का **निवारण** किया।

धनाभाव = **धन की कमी**

हमें गरीबों की सहायता कर उनके **धनाभाव** को दूर करने का प्रयास करते रहना चाहिए।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

3 बालक हूँ मैं वीर निराला

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. विश्वनाथ के परिवार की तकलीफ का कारण था–छोटा एवं बंद मकान।
2. रेवती और विश्वनाथ में छत पर सोने की बात को लेकर बहस होती है।
3. विश्वनाथ का घर काफी छोटा था और गर्मी ज्यादा पड़ रही थी। जिसमें मेहमानों को ठहराने की व्यवस्था करना मुश्किल था।
4. कहीं आने वाले मेहमान नाराज न हो जाए, इसलिए विश्वनाथ उनसे स्पष्ट परिचय पूछने में हिचकता रहा था।
5. 'नए मेहमान' एकांकी समस्या प्रधान है।

6. **सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-**

(क) (ब) क्योंकि वे स्वार्थी थे और किसी प्रकार की असुविधा नहीं सहन कर सकते थे।
(ख) (स) क्योंकि उसे डर था कि मेहमान नाराज हो जायेंगे।

लिखित उत्तर दीजिए

1. 'नए मेहमान' एकांकी में रेवती पराये मेहमान के आने पर अप्रसन्नता तथा अस्वस्थ होने का नाटक करती है एवं अपने मेहमान के आने पर वह सर्वथा स्वस्थ एवं प्रसन्नता से उसके आदर सत्कार के लिए पूरी तरह तैयार रहती है।
2. नए मेहमान' एकांकी के प्रमुख पात्र विश्वनाथ जी एक सरल स्वभाव के, मृदुभाषी एवं दूसरों की समस्या को देखकर उसके सहयोग के लिए यथासंभव प्रयास करने वाले एक नेक इंसान हैं।
3. 'नए मेहमान' एकांकी एक ऐसे परिवार की कहानी है जो गरीबी के कारण अपने परिवार के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की भी पूर्ति नहीं कर पाता है। परंतु सभी विपरीत स्थितियों में भी परिवार में परस्पर प्रेम की भावना है।
4. 'नए मेहमान' एकांकी में रेवती अपने परिवार के लिए सभी मुसीबतों का सामना करती हुई स्वार्थी महिला दिखाई गई है। जो अपरिचित के लिए किसी भी प्रकार का कष्ट उठाना नहीं चाहती है एवं अपने परिवार या रिश्तेदारों से हर समय प्रसन्न रहती है।

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए और उनका वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अंतर स्पष्ट हो जाए-**

निंदा = निंदनीय = हमें कभी भी दूसरों की निंदा जैसा निंदनीय कार्य नहीं करना चाहिए।
स्मरण = स्मरणीय = अपने स्मरणीय पूर्वजों के महान विचारों को हमेशा स्मरण रखना चाहिए।
गुरु = गुरुत्व = गुरु जी ने बताया कि पृथ्वी में गुरुत्वाकर्षण शक्ति है।
गुण = गुणवान = गुणवान व्यक्ति हमेशा अपने गुणों के कारण प्रसिद्धि पाता है।
स्वभाव = स्वाभाविक = हमारा स्वभाव नम्र हो एवं हमें स्वाभाविक रूप से शालीनता के

साथ बर्ताव करना चाहिए।

2. **निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-**

(क) अहिंसक (ख) निर्भीक

(ग) सत्याग्रही (घ) पथ-प्रदर्शक

3. **इसी प्रकार 'ता', 'इक', 'तव' प्रत्यय जोड़कर पाँच शब्द बनाइए-**

1. प्रभुता 2. मानसिक 3. निर्मलता

4. मासिक 5. गुरुत्व।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

4 बिस्मिल की कलम से

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. 19 दिसंबर, 1927 को साढ़े छह बजे बिस्मिल को फाँसी देना निश्चित हुआ।

2. यदि देश के उपकार के लिए मुझे सौ बार भी मृत्यु दंड मिले तो स्वीकार है।

3. लेजिस्लेटिव असेंबली तथा कौंसिल ऑफ स्टेट के सछयों ने वायरसराय काकोरी षडयंत्र में मृत्युदंड की सजा बदल कर कोई और सजा दी जाए।

4. सर विलियम मोरिस शाहजहाँपुर और इलाहाबाद के हिंदु-मुस्लिम दंगों के मृत्युदंड रद्द किए थे।

5. रामप्रसाद बिस्मिल ने जेल से भागने का प्रयत्न किया जल से निकल भागूँ तो अन्य तो सरकार को अन्य तीन फाँसी वालों की सजा माफ कर देनी पड़ेगी।

6. बिस्मिल ने देशवासियों से अंतिम विनय में कहा जो कुछ करें, सब मिलकर करें, देश की भलाई के लिए करें।

लिखित उत्तर दीजिए

उत्तर– 1. रामप्रसाद बिस्मिल अगला जन्म देशवासियों संगठित करने के लिए भारत में ही लेना चाहते थे। ताकि भारत देश में एकता व अखंडता पैदा हो सके।

2. बिस्मिल ने अशफाक उल्ला खाँ कटटर मुसलमान होते हुए भी पक्के आर्य समाजी थे। जो रामप्रसाद बिस्मिल के क्रांतिकारी दल के दाहिना हाथ थे। इसलिए बिस्मिल ने कहा कि उनकी पहला तजुरबा पूरी तौर पर कामयाब रहा।

3. बिस्मिल को काकोरी षडयंत्र के लिए मृत्युदंड की सजा दी गयी।

4. बिस्मिल प्राण त्यागते समय निाश इसलिए नहीं थे कि उनका त्याग काम आएगा। देशवासी संगठित होकर देश की स्वतंत्रता के लिए बढ़चढ़ संघर्ष करेंगे।

5. अशफाक उल्ला खाँ बिस्मिल के क्रांतिकारीदल के दाहिना हाथ थे। वे हिंदू मुस्लिम की एकता को बल देते थे।

6. बिस्मिल ने देश के नवयुवकों को सलाह दी कि वह जो कुछ करें, सब मिलकर करें, देश की भलाई के लिए करें। इसी से सबका भला होगा।
7. रामप्रसाद बिस्मिल के साथ अशफाक उल्ला खाँ, ठाकुर रोशन सिंह एवं राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को फाँसी की सजा दी गयी।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भाव– (क) बिस्मिल ने अपनी आत्मकथा में लिखा है—यह परमपिता परमात्मा के नियमों का परिणाम है कि किस प्रकार किसको शरीर त्यागना होता है। ''मृत्यु के सकल उपक्रम निमित्त मात्र है।'' यह बात वह परमब्रह्म ही जानता है कि किन कर्मों के परिणाम स्वरूप कौन-सा शरीर इस आत्मा को ग्रहण करता होगा।

(ख) बिस्मिल अपने प्राण त्यागते समय निराश नहीं थे बल्कि उनका विशवास था कि उनका त्याग व्यर्थ नहीं जाएगा, उनके बलिदान से लोगों को संगठित होने की प्रेरणा मिलेगी।

2. निम्नलिखित शब्दों में हिंदी, अंग्रेजी तथा उर्दू भाषाओं के शब्दों को छाँटकर अलग समूह में लिखिए—

उत्तर–

हिंदी	**अंग्रेजी**	**उर्दू**
सुबुद्धि	असेंबली	नतीजा
सर्वज्ञ	आनरेरी	हुकुमत
निमित्त	रिवाल्वर	फायदा
स्वीकृति	मजिस्ट्रेट	सिफारिश

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

जनतंत्र	—	**जनतंत्र** अमर रहे।
सुबुद्धि	—	ईश्वर **सुबुद्धि** दे।
कामयाब	—	मेहनत करो, **कामयाब** हो जाओगे।
सुरक्षित	—	उसे **सुरक्षित** घर पहुँचा दो।
जिम्मेदार	—	मैं अपने कार्यों के लिए स्वयं **जिम्मेदार** हूँ।
अपव्यय	—	धन का **अपव्यय** मत करो।
त्याग	—	मेरा **त्याग** व्यर्थ नहीं जाएगा।
फायदा	—	हमें अपने **फायदे** की ही नहीं सोचना चाहिए।
सर्वज्ञ	—	ईश्वर **सर्वज्ञ** है।

रचनात्मक गतिविधियाँ

उत्तर– स्वयं करें।

5 मीराबाई

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. मीराबाई का जन्म सन् 1498 ई० के लगभग राजस्थान के चौकड़ी ग्राम में हुआ।
2. मीरा कृष्ण के पति रूप की उपासिका थीं।
3. मीरा को राम नाम रूपी अनमोल धन प्राप्त हो गया था जिसकी विशेषता थी कि वह न तो खर्च हो सकता था और न ही उसको कोई चोर चुरा सकता था।
4. क्योंकि वह हमेशा कृष्ण के प्रेम में लीन रहती थीं और कृष्ण की प्रतिमा के समक्ष आनंद विह्वल होकर नृत्य करती थीं। इसलिए मीरा को प्रेम की दीवानी कहा जाता है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. मीरा के पति का देहांत विवाह के कुछ समय बाद ही हो गया था। मंदिर में कृष्ण की भक्ति में विभोर होकर नृत्य आदि करने पर उनका यह व्यवहार राज मर्यादा के प्रतिकूल था। अत: परिवार के लोग इनसे रुष्ट रहते थे।
2. मीरा ने गोविन्द को अच्छी तरह सोच-विचार कर खरीदा है। लोग उसकी खरीदारी के विषय में तरह-तरह की बातें करते हैं। कोई कहता है, मीरा ने गोविन्द को चोरी से खरीदा है, कोई कहता है, महँगा है तो कोई कहता है कि काला है और कोई कहता है कि गोरा है।
3. मीरा का दर्द है-प्रभु का न मिलना। तथा उनके इस दर्द की दवा भी उनके प्रभु स्वयं गोपाल ही हैं।

4. **निम्नलिखित पदों की व्याख्या कीजिए-**

(क) उपर्युक्त पद्य में परमात्मा के नाम को ही अनमोल रत्न बताया गया है। यह ऐसा धन है जो जन्म-जन्मांतर की घोर तपस्या से ही प्राप्त हो पाता है। यह धन व्यय भी नहीं होता और न ही इसे चोरों के द्वारा चुराया जाता है। इसका जितना भी प्रयोग करें यह उतना ही वृद्धि को प्राप्त होता है। अत: हमें इस संसार सागर से पार जाने के लिए प्रसन्नता के साथ अपने प्रभु का सदा स्मरण करते रहना चाहिए।

(ख) मीरा कहती हैं कि मैं तो केवल गोपाल कृष्ण के प्रेम को पाना चाहती हूँ लेकिन मेरे इस कष्ट को कोई समझ नहीं रहा। हम सांसारिक लोगों का सारा जीवन दुख पूर्ण है। जीवन में कष्ट ही कष्ट हैं। यहाँ उस प्रभु के सिवाय और कोई मार्ग ही नहीं है। लेकिन प्रभु से मिलन इतना सरल नहीं है। उसकी प्राप्ति का मार्ग बड़ा ही कठिन है और दुखी व्यक्ति की पीड़ा वही समझ सकता है जो उस पीड़ा को सह चुका हो। ठीक उसी प्रकार, जिस प्रकार से हीरे की सही कीमत जौहरी ही जानता है, अन्य साधारण व्यक्ति उसका मूल्य नहीं जानता। भक्त की जो पीड़ा है उसे दूर करने के लिए प्रभु की प्राप्ति के सिवाय और कोई समाधान ही नहीं है।

भाषा प्रवाह

1. **मीरा से संबंधित जो कथन सही हैं, उन पर (✓) का निशान लगाइए-**

(क) (✗)   (ख) (✗)   (ग) (✓)   (घ) (✓)

2. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए-

नैनन =	**नयन**	किरपा =	**कृपा**	बिसाल =	**विशाल**
भगति =	**भक्ति**	सबद =	**शब्द**	आणंद =	**आनंद**
विपत =	**विपत्ति**	दरसण =	**दर्शन**		

3. नीचे कृष्ण के कुछ नाम दिए गए हैं। उन्हें ध्यान से पढ़िए और बताइए कि कृष्ण के ये नाम क्यों पड़े?

बंशीधर = **क्योंकि श्री कृष्ण जी बंशी को धारण करते और बजाते भी थे।**

घनश्याम = **उनका बादल की तरह श्याम वर्ण था।**

राधारमण = **राधा के संग रमण करने के कारण।**

गिरिधर = **गोवर्धनपर्वत को धारण किया था।**

गोपाल = **गायों की रक्षा की एवं गायों से अत्यधिक प्रेम करते थे।**

देवकीनंदन = **माता देवकी के पुत्र होने के कारण।**

पीताम्बर = **पीले वस्त्र पहनते थे।**

नन्दलाल = **बाबा नन्द के प्रिय थे।**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें

6 नशा

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. लेखक और ईश्वरी में जमींदारी को लेकर बहस होती रहती थी।
2. नौकर के साथ ईश्वरी का व्यवहार बड़ा ही सख्त था।
3. चलने से पहले ईश्वरी ने लेखक को जमींदारों की निंदा नहीं करने के लिए समझाया।
4. ईश्वरी के द्वारा अनावश्यक धन की बर्बादी को देखते हुए एवं उसके और ईश्वरी के बीच बैरों के व्यवहार को देखते हुए लेखक का मन खिन्न था। इसी कारण लेखक को स्टेशन पर भोजन में स्वाद नहीं आया।
5. लेखक ने पहले कभी घुड़सवारी नहीं की थी। इसलिए लेखक को डर लग रहा था।
6. ईश्वरी के घर लेखक महात्मा गांधी के कुँवर चेले के रूप में मशहूर था।
7. लौटते समय रेल के उस डिब्बे में बैठना लेखक को इसलिए बुरा लग रहा था क्योंकि उसमें काफी भीड़ थी।

लिखित उत्तर दीजिए

1. ईश्वरी जमींदारों के पक्ष में दलील देता था कि सभी मनुष्य बराबर नहीं होते, छोटे-बड़े हमेशा होते रहते हैं और होते रहेंगे।
2. ईश्वरी के साथ परीक्षा की तैयारी खूब हो जाएगी। यह सोचकर लेखक ने ईश्वरी के साथ घर जाने का निश्चय किया।
3. ठाकुर ने लेखक से उनके इलाके में थोड़ी-सी जमीन देने की प्रार्थना की। लेखक ने

"अभी तो मेरा कोई अख्तियार नहीं है भाई, लेकिन ज्यों ही अख्तियार मिला, मैं सबसे पहले तुम्हें बुलाऊँगा।" ऐसा कहकर उससे अपनी जान छुड़ाई।

4. ईश्वरी के द्वारा "वीर! तुम कितने मूर्ख हो।" ऐसा कहने पर लेखक को अपना नशा उतरता हुआ मालूम हुआ।
5. प्रस्तुत कहानी का नाम 'नशा' इसलिए रखा गया है क्योंकि मनुष्य स्वभाव से बड़ा विचित्र होता है। जब तक सुख-सुविधा की कोई वस्तु उसके पास नहीं होती तब तक तो वह उसे विलासिता, शोषण आदि कहता रहता है, किंतु जैसे ही उसे मनोवांछित सुख-सुविधाएँ मिलने लग जाती हैं, वह उन सुविधाओं के उन्माद में चूर रहने लगता है।
6. **निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-**

(क) मनुष्य को जब निर्धनता का जीवन जीते-जीते किसी के द्वारा अचानक सुख-सुविधाएँ मिलने लगती हैं तो उसे वे हास्यप्रद मालूम नहीं होतीं अपितु वह सुख-कल्पनाओं में विचरण करने लगता है।

(ख) लेखक ने अपना जीवन अधिकतर गरीबी में ही गुजारा था किंतु जब उसे राजसी ठाठ-बाट मिले तो वह भी अमीर बनने का नाटक करने लगा। ऐसे ही जब निम्न व्यक्ति को मान-सम्मान मिलने लगता है तो उसके हाव-भाव स्वत: बदल जाते हैं।

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

(क) **मिट्टी पलीद करना** = इज्जत खराब करना
वाक्य प्रयोग-ईश्वरी ने अपने घर पर लेखक की मिट्टी पलीद होने से बचा लिया।

(ख) **पोतडों का रईस** = पोतडों का धनी
वाक्य प्रयोग-देखो, आज गरीबदास पोतड़ों का रईस बनने का स्वांग रच रहा है।

(ग) **आपे से बाहर होना** = अत्यधिक क्रोध में आना
वाक्य प्रयोग-नैतिक की जली-भुनी बातें सुनकर कपिल आपे से बाहर हो गया।

(घ) **रंग जमाना** = प्रभाव डालना
वाक्य प्रयोग-सोनम ने अपनी मधुर आवाज से महफिल में रंग जमा दिया।

(ङ) **दाँतों तले उँगली दबाना** = आश्चर्यचकित होना
वाक्य प्रयोग-महारानी लक्ष्मीबाई की वीरता को देखकर अंग्रेजों ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

(च) **लगने वाली बात** = किसी की कही हुई बात मन में चुभना
वाक्य प्रयोग-शोभित ने मोहित को लगने वाली बात कह डाली।

(छ) **मुहर लगना** = छाप डालना
वाक्य प्रयोग-जज ने अपने अंतिम फैसले पर मुहर लगा दी।

(ज) **जान निकालना** = प्राण लेना
वाक्य प्रयोग-गाँव वालों ने चोर को पीट-पीटकर उसकी जान निकाल दी।

2. **निम्नलिखित शब्दों में जिन प्रत्ययों का प्रयोग हुआ है, उन्हें लिखिए-**

इत,	दार,	इयत,	ई,	इक,	ईय
ई,	वाला,	तर,	पन,	ता,	इयत

3. इस पाठ में लेखक ने अंग्रेजी के कई शब्दों का प्रयोग किया है। उन शब्दों को छाँटकर लिखिए-

क्लर्क	सेकंड क्लास	स्टेशन
बोर्डिंग हाउस	इंटर क्लास	रिफ्रेशमैंट–रूम

4. कहानीकार ने इस कहानी में उर्दू के शब्दों का भी प्रयोग किया है। उन शब्दों को छाँटकर लिखिए-

जमींदार	बदतमीजी	सलाम	तमीज
जायदाद	तकलीफ	इनाम	मुसाफिर
दलील	हुक्म	अदब	लिबास

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

7 *निष्ठामूर्ति कस्तूरबा*

अभ्यास

मौखिक

1. कस्तूरबा का अंग्रेजी ज्ञान कम था। अत: विदेशी मेहमान के आने पर अंग्रेजी शब्दों के अशुद्ध उच्चारण से कभी–कभी विनोद उत्पन्न हो जाता था।
2. दुनिया में 'शब्द' और 'कृति' नामक दो अमोघ शक्तियाँ मानी गई हैं। कस्तूरबा की निष्ठा 'कृति' में अधिक थी।
3. कस्तूरबा में पतिव्रत धर्म, त्याग व सेवापरायणता आदि गुण विद्यमान थे।
4. पति की गिरफ्तारी के बाद उनका काम आगे चलाने की जिम्मेदारी बा ने कई बार उठाई। महात्मा जी के जेल में जाने के बाद राजकीय परिषदों या शिक्षण सम्मेलनों के अध्यक्ष का स्थान बा ने ही लिया।
5. स्वयं में शिक्षा के अभाव की पूर्ति के लिए बा ने अंग्रेजी के शब्द सीखकर की, देश में क्या चल रहा है उसकी सूक्ष्म जानकारी वह प्रश्न पूछ–पूछ कर या अखबारों के ऊपर नजर डालकर प्राप्त कर लेती थीं।
6. काका कालेलकर ने निष्ठामूर्ति कस्तूरबा में भारतीय नारी के गरिमापूर्ण रूप का अनुपम चित्र अंकित किया है।

लिखित

1. अपने आंतरिक सद्गुणों और निष्ठा के कारण कस्तूरबा ने अपना जीवन सफल बनाते हुए भारतीय नारी के आदर्शों की प्रतिष्ठा की।
2. निष्ठामूर्ति कस्तूरबा के जीवन से आज की नारी को यह शिक्षा मिलती है कि कृति के द्वारा हमें कठिन से कठिन परिस्थिति में भी धैर्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए।
3. कस्तूरबा अपने संस्कार बल के कारण पतिवृत्य को, कुटुंबवत्सलता को और तेजस्विता को चिपकाए रहीं। उनमें आर्य आदर्श को शोभा देने वाले कौटुम्बिक सद्गुण विद्यमान थे। उनके लिए सभी धर्म के लोग बराबर थे। इसी कारण जब उनकी मृत्यु हुई तो पूरे देश ने तीव्रता से उनका स्मारक बनाने का निश्चय किया और सहज एकत्रित न हो

सके, इतनी बड़ी निधि इकट्ठी कर दिखाई। जो इस बात को सिद्ध करता है कि हमारी संस्कृति की जड़ें आज भी काफी मजबूत हैं।

4. चाहे दक्षिण अफ्रीका में हो या हिंदुस्तान में सरकार के खिलाफ लड़ाई का समय; जब-जब चारित्रय का तेज प्रकट करने का उन्हें अवसर मिला, उन्होंने इसे दिव्य कसौटी से सफलतापूर्वक पार पाया। आज के युग में भी आर्य स्त्री का जो आदर्श हिंदुस्तान ने अपने हृदय में कायम रखा है, उस आदर्श की जीवित प्रतिमा के रूप में राष्ट्र, पूज्या कस्तूरबा को आदर मान देता है। उनकी इसी विविध लोकोत्तर योग्यता के कारण राष्ट्र उनकी पूजा करता है और राष्ट्र माता के पद पर प्रतिष्ठित करता है।
5. लेखक का तात्पर्य है कि शब्द-शास्त्र में जो निपुण होते हैं उन्हें कर्तव्य-अकर्तव्य की सदा ही विचिकित्सा करनी पड़ती है। कृति-निष्ठा वाले लोगों को ऐसी दुविधा कभी परेशान नहीं कर पाती। कस्तूरबा के सामने उनका कर्तव्य किसी दीये के समान स्पष्ट था। जब कोई चर्चा शुरू होती तो वे अपना फैसला दो वाक्यों में सुना देती थीं—मुझसे यही होगा अथवा यह नहीं होगा।
6. **सारांश–**महात्मा गांधी जैसे महान पुरुष की सहधर्मचारिणी पूज्या कस्तूरबा का राष्ट्र द्‍वारा आदर करना स्वभाविक है। कस्तूरबा अपने आंतरिक सद्‍गुणों और निष्ठा के कारण राष्ट्रमाता बन पाई हैं। ये अनपढ़ थीं परंतु अंग्रेजी का कुछ ज्ञान जानती थीं क्योंकि ये दक्षिण अफ्रीका में जाकर रही थीं। इनकी गीता के ऊपर भी असाधारण श्रद्‍धा थी परंतु इनकी निष्ठा का दूसरा ग्रंथ था—तुलसीकृत-रामायण। कस्तूरबा ने सबसे अधिक श्रेष्ठ शक्ति कृति को मानकर उसकी उपासना करके जीवन-सिद्‍धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने जब इन्हें जेल भेज दिया, तो इन्होंने अपना बचाव तक नहीं किया। पति का अनुसरण करना ही सती का कर्तव्य होता है यही निष्ठा मन में लेकर वह बिना किसी संदेह के पति के नियमों का अनुसरण करती रहीं। महात्मा जी की गिरफ्तारी के बाद उनका काम आगे चलाने की जिम्मेदारी बा ने कई बार उठाई। महात्मा जी जिस सभा में बोलने जाने वाले थे वहाँ अब बा ने जाने का निश्चय किया। अचानक ही सरकारी अलमदारों ने आकर उनसे कहा ''आप सभा में जाने का कष्ट न करें। घर पर ही रहें। परंतु सरकार की सूचना का जवाब देते हुए बा बोलीं ''सभा में जाने का मेरा निश्चय पक्का है, मैं जाऊँगी ही।'' कस्तूरबा के लिए यह बात असह्य थी कि वह कैद में हैं। सरकार ने उनके शरीर को तो कैद रखा, किंतु उनकी आत्मा को वह कैद सहन नहीं हुई। जिस प्रकार पिंजड़े का पंछी प्राणों का त्याग करके बंधनमुक्त हो जाता है, उसी प्रकार कस्तूरबा ने सरकार की कैद में अपना शरीर छोड़ा और स्वतंत्र हो गईं। कस्तूरबा ने अपनी कृतिनिष्ठा के द्‍वारा यह दिखा दिया कि शुद्‍ध और रोचक साहित्य की अपेक्षा कृति का कण अधिक मूल्यवान होता है। 'बा' के सामने उनका कर्तव्य किसी दीए के समान स्पष्ट था। 'मुझसे यही होगा' और 'यह नहीं होगा' इन्हीं दो वाक्यों में वह अपना फैसला सुना देतीं। आश्रम में कस्तूरबा माँ के समान थीं। आलस्य ने कभी भी उन्हें छुआ तक नहीं था। शरीर जीर्ण—शीर्ण हो जाने के बाद भी रसोई में जाकर जो कार्य उनसे बन पड़ता था वह करने लग जाती थीं। जब कस्तूरबा की मृत्यु हुई तब पूरे देश ने स्फूर्ति से उनका स्मारक बनाने का निश्चय किया और जल्द ही बहुत बड़ी निधि इकट्ठी कर ली।

इससे यह सिद्ध होता है कि हमारी संस्कृति की जड़ें आज भी काफी मजबूत हैं। हिंदू, मुस्लिम, पारसी, सिख, बौद्ध, ईसाई आदि अनेक धर्मों के लोग कस्तूरबा की पूजा करते हैं और स्वातंत्र्य के पूर्व की शिवरात्रि के दिन उनका स्मरण करके सब लोग अपनी-अपनी तेजस्विता को अधिक तेजस्वी बनाते हैं।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित अवतरणों की व्याख्या कीजिए-

(क) **व्याख्या-**इस संसार में ऐसी दो शक्तिशाली शक्तियाँ काम करती हैं, जो अचूक हैं। एक है शब्द और दूसरी है कृति। शब्द अर्थात् बातें या विचार जो सारे संसार के लोगों को बदलने की क्षमता रखते हैं, दूसरी कृति है अर्थात् विचारों को क्रियान्वित करना। महात्मा गांधी जी ने इन दोनों ही शक्तियों को अपने जीवन में उतारा और विरोधियों को परास्त किया। किंतु कस्तूरबा ने कृति को श्रेष्ठ मानकर बड़ी ही नम्रता के साथ उसकी उपासना की और जीवन को सफल बनाया।

(ख) **व्याख्या-**आज के समय में स्त्री जीवन संबंधी आदर्श काफी बदल चुके हैं। यदि आज कोई स्त्री अशिक्षित रह जाती है और किसी भी प्रकार से उसमें कुछ नया करने की लालसा अथवा जिज्ञासा दिखाई नहीं देती है तो उसके जीवन को हम निरर्थक मानने लगते हैं। किंतु जब कस्तूरबा की मृत्यु हुई तो संपूर्ण देश एक नई स्फूर्ति के साथ आगे बढ़ा और उनकी स्मृति में स्मारक बनाने के लिए इतनी राशि इकट्ठी की जो असंभव थी। इस घटना से यह सिद्ध हो गया कि हमारे देश के प्राचीन आदर्श आज भी जीवित हैं, विद्यमान हैं। हमें जो संस्कार इस देश से, यहाँ की सभ्यताओं से मिले हैं वे आज भी बहुत मजबूत हैं।

2. निम्नलिखित सूक्तियों की व्याख्या कीजिए-

(क) कस्तूरबा का जीवन इतना सादगी से पूर्ण था कि जब वे आगा खाँ महल में रह रही थीं तो उन्हें यह कैदी जीवन असह्य लगने लगा। उन्होंने कहा कि मुझे यह सुख-सुविधाओं वाला जीवन बिल्कुल नहीं चाहिए मुझे तो वही सादगी पूर्ण स्वतंत्र सेवाग्राम की कुटिया ही पसंद है।

(ख) कस्तूरबा का स्मारक बनाने के लिए सभी धर्मों के लोग आगे आए और भेदभाव रहित होकर उनका स्मारक बनाया। जिससे यह सिद्ध हो गया कि हमारी संस्कृति की जड़ें आज भी बहुत मजबूत हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए-

लोकोत्तर	=	**लोक + उत्तर**	गुणाकार	=	**गुण + आकार**
स्वागत	=	**सु + आगत**	महत्वाकांक्षा	=	**महत्व + आकांक्षा**
निर्भर्त्सना	=	**नि + भर्त्सना**	एकाक्षरी	=	**एक + अक्षरी**
प्रत्युत्पन्न	=	**प्रति + उत्पन्न**	निस्तेज	=	**निः + तेज**
सत्याग्रह	=	**सत्य + आग्रह**	कौटुंबिक	=	**कुटुम्ब + ईक**

4. निम्नलिखित विदेशज शब्दों के लिए हिंदी शब्द लिखिए-

अमलदार	=	**पालनकर्ता**	खुद	=	**स्वयं**
आबदार	=	**चमकदार**	जिद्द	=	**हठ**

हासिल	=	**प्राप्त**	कायम	=	**स्थापित**
दरमियान	=	**मध्य**	कतई	=	**बिल्कुल**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

8 *केवट प्रेम*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. केवट रामचन्द्र जी के अहिल्या उद्धार प्रकरण को जान गया था।
2. रामचन्द्र जी को नाव में बिठाने से पहले केवट उनके पैर धोना चाहता था।
3. रामचन्द्र जी केवट के अटपटे वचन सुनकर सीता और लक्ष्मण की ओर देखकर हँस रहे थे।
4. रामचन्द्र जी नाव उतरवाई में केवट को मणि जड़ित मुद्रिका (अँगूठी) देना चाह रहे थे।
5. गंगा पार होने पर केवट ने श्रीरामचन्द्र जी से कुछ द्रव्य नहीं लिया। इसी बात का श्रीराम को संकोच हो रहा था।

लिखित उत्तर दीजिए

1. केवट को भय था कि मेरी नाव में श्रीरामचन्द्र जी के पैर लगते ही कहीं ऐसा न हो कि अहिल्या की भाँति नाव भी बदल जाए।
2. केवट श्रीराम के चरण इसलिए धोना चाहता था ताकि उसकी नाव उनके चरणों के स्पर्श से किसी दूसरे रूप में न बदल जाए।
3. केवट की भोली-भाली बातें सुनकर श्रीराम हँस दिए।
4. गंगा नदी इसलिए हर्षित हुई क्योंकि उसके जल से देव स्वरूप श्रीराम के चरणों को धोया गया था।
5. केवट ने राम से नदी पार उतराने की उतराई इसलिए नहीं ली क्योंकि वह जान गया था कि वे अलौकिक पुरुष हैं। जिनके दर्शन मात्र से ही सारे दोषादि दूर हो जाते हैं।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) उक्त पंक्ति का भाव यह है कि कहीं ऐसा न हो कि मेरी नाव मुनि पत्नी की तरह हो जाए। कहीं रास्ते में मेरी नाव उड़ न जाए अगर ऐसा हुआ तो फिर मेरी जीविका कैसे चलेगी।

(ख) कृपालु श्रीराम ने केवट को इस प्रकार निहारा जैसे कि सारे जग अर्थात् तीनों लोकों को पार उतार दिया हो।

(ग) पति के मन की बात को जानकर जानकी ने मणि जड़ित अँगूठी प्रसन्न होकर उतार दी।

2. निम्नलिखित भाव वाली पंक्तियाँ कविता से छाँटकर लिखिए-

(क) एहिं प्रतिपालउँ सबु परिवारु। नहिं जानऊँ कछु अडर कबारु।।

(ख) जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भव सिन्धु अपारा।।

3. **निम्नांकित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए-**

दारिद्रय	हिम	लक्ष्मण
चरण	शिला	करुणा

4. **इस पाठ से रूपक अलंकार के अन्य उदाहरण छाँटकर लिखिए-**

पद-पदुम, पद-कमल, चरन-सरोज।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

9 बालक हूँ मैं वीर निराला

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. लेखक के भाई साहब नवीं कक्षा में पढ़ते थे।
2. भाई साहब अध्ययनशील स्वभाव के थे।
3. भाई साहब लेखक से पाँच साल बड़े थे।
4. लेखक ने भाई साहब की कॉपी पर यह इबारत देखी स्पेशल, अमीना, भाइयों-भाइयों, भाई-भाई, राधेश्याम, श्रीयुत राधेश्याम, एक घंटे तक इसके बाद एक आदमी का चेहरा बना हुआ था।

लिखित उत्तर दीजिए

1. लेखक एक अबोध बालक था, जिसकी देखरेख के लिए किसी दूसरे की सहायता की आवश्यकता होती है। अत: लेखक मानते थे कि उनकी देखभाल भाई साहब को ही करनी चाहिए, जो कि उनका अधिकार भी था।
2. लेखक की पढ़ने में तनिक भी रुचि नहीं थी। अत: उनको पढ़ाई करना पहाड़ लगता था।
3. भाई साहब ने लेखक के सामने अपने दर्जे की पढ़ाई का भयंकर चित्र खींचा, जिससे लेखक भयभीत हो गया।

4. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए-**

1. (क) पाँच साल	2. (ख) पाँचवी में
3. (क) फेल	4. (क) कनकौए उड़ाने का

- **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
  1. भाई साहब स्वभाव से बड़े **अध्ययनशील** थे।
  2. एक घंटा किताब लेकर बैठना **पहाड़** था।
  3. मैं यह **लताड़** सुनकर आँसू बहाने लगता।
  4. टाइम टेबिल में **खेलकूद** की मद बिल्कुल उड़ जाती।
  5. तिरस्कार के बाद पुस्तकों में मेरी रूचि **ज्यों-की-त्यों** बनी रही।

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित शब्दों में 'बे' उपसर्ग लगाकर लिखिए-**

बेवजह	**बे**वक्त	**बे**शुमार	**बे**हद	**बे**नकाब	**बे**ईमान
बेज़ुबान	**बे**फ़िक्र	**बे**सब्र	**बे**शरम	**बे**हया	**बे**दर्द

2. **'निःशब्द' यह शब्द 'निः' उपसर्ग लगाकर बनाया गया है। इसी प्रकार से निम्नलिखित**

शब्दों में 'निः' उपसर्ग लगाकर शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

नि:संतान **नि:**संदेह **नि:**संकोच **नि:**श्वास

नि:संतान = **नि:सतांन** दंपत्ति का दुख हर व्यक्ति नहीं समझ सकता।

नि:संदेह = **नि:संदेह** वह प्रत्येक की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

नि:संकोच = तुम **नि:संकोच** यहाँ से जा सकते हो, मैं अब बिल्कुल ठीक हूँ।

नि:श्वास = उसने एक लंबी नि:श्वास भरते हुए कहा, ठीक है, ऐसा ही होगा।

3. समास-

(i) रात-दिन, (ii) गुल्ली-डंडा, (iii) मुँह-हाथ,

(iv) टाइम-टेबिल, (v) हाथ-पाँव।

वाक्य प्रयोग-

(i) रात-दिन—विद्यार्थियों को परीक्षा के दिनों में रात-दिन एक कर देना चाहिए।

(ii) गुल्ली-डंडा—हमें अपना कीमती समय विद्यार्जन में लगाना चाहिए, न कि इस समय को गुल्ली-डंडा खेलकर नष्ट करना चाहिए।

(iii) मुँह-हाथ—भोजन से पूर्व मुँह-हाथ धोना एक अच्छी बात है।

(iv) टाइम-टेबिल—खेलने कूदने का भी एक टाइम-टेबिल होना चाहिए।

(v) हाथ-पाँव—अचानक आए संकट की घड़ी में अच्छे-अच्छों के हाथ-पाँव फूल जाते हैं।

4. निम्नलिखित में संधि कीजिए और संधि का नाम बताइए-

हिम + आलय	**हिमालय**	**दीर्घ संधि**	सूर्य + उदय	**सूर्योदय**	**गुण संधि**
धर्म + इंद्र	**धर्मेंद्र**	**गुण संधि**	इति + आदि	**इत्यादि**	**यण संधि**
सु + आगत	**स्वागत**	**यण संधि**	अत: + एव	**अतैव**	**विसर्ग संधि**
वाक् + मय	**वाङमय**	**व्यंजन संधि**	दु: + कर्म	**दुष्कर्म**	**विसर्ग संधि**

5. निम्नलिखित में से संबंधबोधक छाँटकर लिखिए-

i. राजन के पास सुंदर टिकट अलबम है। **के पास**

ii. कुत्ता चारपाई के ऊपर बैठा है। **के ऊपर**

iii. मंदिर के पीछे एक कुआँ है। **के पीछे**

iv. कुछ करने से पहले सोच लेना चाहिए। **से पहले**

6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

i. हमीद और शारूख पक्के मित्र हैं।
हमारे माता-पिता ही हमारे सच्चे मीत होते हैं।

ii. सुदामा को देख श्री कृष्ण की आँखों से अश्रुओं की धारा बहने लगी।
मेरी दुखभरी कहानी सुनकर उसके आँसू निकल पड़े।

iii. हमें सत्य का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
सदा सच बोलो झूठ नहीं।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

10 नीलू

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. अल्सेशियन कुत्ता एक ही स्वामी को स्वीकार करता है।
2. शीत ऋतु में लकड़बग्घे ऊँचे पर्वतीय अंचल से नीचे उतर आते हैं।
3. कुत्ते भाषा नहीं जानते।

लिखित उत्तर दीजिए

1. नीलू की माँ, हिरणी के समान चाल, काली आँखें, खड़े कान, लंबी पूँछ आदि सभी विशेषताओं से युक्त थी।
2. दुकान से आवश्यक खाद्य सामग्री लेकर उत्तरायण के लोगों तक पहुँचाकर लूसी उनकी सहायता करती थी।
3. लकड़बग्घे को देखकर भूटिए या अल्सेशियन कुत्तें उससे संषर्घ करते हैं।
4. लूसी की मृत्यु लकड़बग्घे के साथ युद्ध करते हुए हुई।
5. नीलू अपनी माँ के समान विशिष्ट था। वह भूरे, पीले और काले रंगों के सम्मिश्रण से एक विशेष प्रकार की आकृति का हो गया था।
6. नीलू ने 13 वर्षों तक लेखिका के साथ रहकर उनकी सेवा की। किसी विशेष परिचित व्यक्ति के आने पर नीलू लेखिका के कक्ष के दरवाजे पर जाकर खड़ा हो जाता था, जिससे लेखिका को किसी मित्र की उपस्थिति की सूचना हो जाती थी। किसी भी व्यक्ति से—''गुरु जी तुम्हें ढूँढ रही थीं नीलू'' ऐसा सुनते ही तुरंत चारदीवारी कूदकर लेखिका के कक्ष के सामने आदेश की प्रतीक्षा में आकर खड़े हो जाना और लेखिका द्वारा 'कोई काम नहीं है, जाओ' कहने तक वहीं मूर्तिवत् खड़े रहना इत्यादि नीलू के कार्य-कलापों से सिद्ध होता है कि कुत्ते अत्यंत वफादार होते हैं।

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) अल्सेशियन कुत्ता एक ही **स्वामी** को स्वीकार करता है।
(ख) कभी चीनी मँगवाई **कभी आलू** भूल गए।
(ग) प्राय: **लकड़बग्घे** ऊँचे पर्वतीय अंचल से नीचे उतर आते।
(घ) सामान्य कुत्ते तो लकड़बग्घे को देखते ही **स्तब्ध** और **निर्जीव** हो जाते हैं।
(ङ) माँ से अधिक **वह दूध** के अभाव में शोर मचाने लगा।
(च) कुत्ते भाषा नहीं **ध्वनि** पहचानते हैं।
(छ) अस्पताल न ले जाने पर वह **अनशन आरंभ** कर बैठता।
(ज) नीलू को **चौदह** वर्ष का जीवन मिला।

भाषा प्रवाह

1. नीचे दिए वाक्यों में क्रिया-विशेषण रेखांकित करके भेद लिखिए-

(क) रात भर **कालवाचक** (ख) पास **स्थान वाचक**
(ग) संध्या **कालवाचक** (घ) थोड़ा एवं खूब **परिमाण वाचक**

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

(क) पीताभ = **पीत + आभ**
(ख) सम्मिश्रण = **सम् + मिश्रण**
(ग) वातावरण = **वात + आवरण**
(घ) कालांतर = **काल + अन्तर**
(ङ) नियमानुसार = **नियम + अनुसार**
(च) स्वेच्छा = **स्व + इच्छा**

3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए-

(क) श्रृगाल = **सियार**
(ख) संध्या = **साँझ**
(ग) पक्षी = **पंछी**
(घ) मूर्ति = **मूरत**
(ङ) स्वर्णिम = **सुनहरा**
(च) शीत = **सर्दी**

4. निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग, प्रत्यय एवं मूल शब्द बताइए-

शब्द	उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
परिस्थितियाँ	परि	स्थित	इयाँ
असामाजिकता	अ	समाज	इक + ता
असमर्थता	अ	समर्थ	ता
व्यवधान	वि	अवधान	×
अनुपस्थिति	अन + उप	स्थित	इ
दुर्दिन	दुर	दिन	×

5. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) सुलभ (ख) पीताभ (ग) संध्या
(घ) कालान्तर (ङ) सदर्प

6. निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन छपे शब्दों में प्रयुक्त कारक बताइए-

(क) अधिकरण-कर्ता-अपादान
(ख) सम्बन्ध-अधिकरण-सम्बन्ध
(ग) कर्म-सम्बन्ध
(घ) सम्प्रदान-संबंध।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

11 पथ की पहचान

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. कवि ने यात्री को मार्ग की पहचान करने का सुझाव दिया है।
2. जो मनुष्य सन्मार्ग चुनते हैं और उस पर चलते हैं वे अपने सुकार्यों द्वारा लोगों को नई राह दिखाते हैं। इस प्रकार उनके पद-चिह्न मूक होकर भी बोलते हैं।
3. असंभव जैसे शब्दों को छोड़ देने पर मनुष्य अपनी यात्रा सरल बना सकता है।
4. ये हरियाली, जीव-जंतु तथा फूल अच्छे लोगों के प्रतीक हैं।

5. निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) सही राह पर चलने वाले हर सफल राही के मन में यह दृढ़ विश्वास है कि जो रास्ता उसने चुना है वही जीवन का सफर है इसलिए तू भी इस राह पर अपने मन को लगा।

लिखित उत्तर दीजिए

1. मार्ग की पहचान पुस्तकों से इसलिए नहीं हो सकती क्योंकि उनमें बताया हुआ रास्ता

अथवा बातें केवल अंकित हैं। केवल उन्हें पढ़कर मार्ग की पहचान नहीं की जा सकती।

2. जो असंभव जैसे शब्दों को अपने जीवन में अपनाए रखता है वह अपनी यात्रा में सफल नहीं हो सकता।
3. कवि ने सफल पंथी की संज्ञा उसे दी है जो असंभव जैसे शब्दों को अपने जीवन में नहीं अपनाता और दृढ़ चित्त होकर निरंतर आगे बढ़ता रहता है।
4. नदी, पहाड़ तथा काँटे विभिन्न बाधाओं के प्रतीक हैं।

5. निम्नांकित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) कवि सन्मार्ग पर चलने वाले लोगों के सुकार्यों की निशानी के बारे में कह रहा है। यात्री उसका अर्थ उस रास्ते पर चलकर ही ज्ञात कर सकते हैं।

(ख) क्योंकि उन्हें जीवन जीने का सही तरीका पता नहीं होता और वे इस संसार से विदा हो जाते हैं। वे ऐसे कोई कार्य नहीं करते जिनके कारण उन्हें याद रखा जा सके। इसलिए उनका पता नहीं मिलता है।

(ग) यात्री अपने दिन बस यही सोचकर व्यर्थ करते रहते हैं कि यह रास्ता कहीं कठिन न हो अथवा यह रास्ता सही होगा, इस पर चलें।

(घ) उक्त पंक्ति का अर्थ यह है कि जब मनुष्य सन्मार्ग पर चलता है तो उसके कर्तव्यों के सामने अनेक बाधाएँ आती हैं, वह यह नहीं जानता कि कौन-से लोग उन बाधाओं में भी उसके साथ चलेंगे और आगे उससे कैसे लोग मिलेंगे।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए-

पूर्व = **पूर्व दिशा, पहले** गुण = **सद्वृत्ति, रस्सी**

बाट = **इंतजार, वस्तु आदि तौलने का एक उपकरण**

कर = **हाथ, टैक्स**

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए-

पैर = **चरण, पाद, पग** सरिता = **नदी, तरंगिनी, निर्झरिणी**

सुमन = **पुष्प, फूल, कुसुम** वृक्ष = **पेड़, विटप, तरु**

दिवस = **दिन, वार, दिवा**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

12 भेंट

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. सुखिया एक दुखी लड़की थी।
2. सुखिया के परम स्नेही भाई-बहन के नाम अभाव और गरीबी थे।
3. सुखिया के पुत्र का नाम आनंद था।
4. डॉ० प्रसाद को विवाह के ठीक अट्ठारह वर्ष बाद पुत्र उत्पन्न हुआ।
5. हृदय के ऑपरेशन के लिए डॉ० प्रकाश प्रसिद्ध था।

लिखित उत्तर दीजिए

1. सुखिया अपना गुजारा मेहनत-मजदूरी करके किया करती थी।
2. सुखिया के पति की मृत्यु डेंगू की जानलेवा बीमारी से हुई।
3. अभाव और गरीबी को सुखिया का भाई-बहन इसलिए बताया गया है क्योंकि अभागिन सुखिया ने बचपन से ही अभावों और गरीबी का सामना किया था।
4. डॉ० प्रसाद ने सुखिया के साथ शैतान जैसा बहुत बुरा बर्ताव किया।
5. सुखिया के बेटे का बुखार बारिश में भीग जाने के कारण ठीक हुआ।
6. डॉ० प्रसाद के बेटे के हृदय में जन्म से ही बड़ा छेद था। उसका सफल इलाज केवल ऑपरेशन था, जिसका सफल इलाज डॉ० प्रकाश ने किया था।
7. डॉ० प्रकाश ने अपनी सारी फीस डॉ० प्रसाद को वापस कर दी और कहा—"आपसे बड़ा गरीब दुनिया में भला कौन होगा। सोने-चाँदी से भले ही आपके भंडार भरे हों, परंतु दया, करुणा, सहानुभूति जैसे सद्‌गुणों का नाम भी आपके पास नहीं है। सचमुच ये गुण ही तो मनुष्य की सच्ची संपत्ति हैं। आपको याद दिलाता हूँ, बीस वर्ष पहले आपने मेरा इलाज करने से मना कर दिया था। सिर्फ इसलिए कि मेरी मजदूर माँ के पास आपकी तिजोरी भरने के लिए फीस न थी। आज जिसे आपने मालिन समझा था, वह मेरी पूज्या माँ थी।

   मैंने अपना फर्ज निभाया है। अपनी माँ के उपदेश पर मैं आपकी दी हुई फीस लौटा रहा हूँ। आशा है इससे आपकी गरीबी मिटाने में सहायता मिलेगी।

   पत्र पढ़कर डॉ० प्रसाद दोनों हाथों से अपना सिर पकड़कर बैठ गए।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के समास कीजिए-

घोड़े पर सवार	=	**घुड़सवार**	आनंद में मग्न	=	**आनंदमग्न**
राजा का महल	=	**राजमहल**	दस सिर हैं जिसके	=	**दशानन**
जन्म से अंधा	=	**जन्मांध**	कमल के समान चरण	=	**चरणकमल**
पेट भरकर	=	**भरपेट**	यश को प्राप्त	=	**यशप्राप्त**

2. संधि-विच्छेद कीजिए-

भाग्योदय	=	**भाग्य + उदय**	सप्तर्षि	=	**सप्त + ऋषि**
महीश	=	**महा + ईश**	परमात्मा	=	**परम् + आत्मा**
महोदया	=	**महा + उदया**	वार्तालाप	=	**वार्ता + अलाप**
विद्‌यालय	=	**विद्‌या + आलय**	लघूर्मि	=	**लघु + उर्मि**

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

अपना	=	**अपनापन**	भक्त	=	**भक्ति**	कठोर	=	**कठोरता**
ईमानदार	=	**ईमानदारी**	सच्चा	=	**सच्चाई**	बच्चा	=	**बचपन**
मनुष्य	=	**मनुष्यता**	खुश	=	**खुशी**	वीर	=	**वीरता**
लिखना	=	**लिखाई**	जीतना	=	**जीत**	मातृ	=	**मातृत्व**
खेलना	=	**खेल**	धिक्	=	**धिक्कार**	दूर	=	**दूरी**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

13 गुरु नानक देव जी

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. शरदकाल का पूर्ण चंद्रमा इस दिन अपने पूरे वैभव पर होता है, आकाश निर्मल एवं वायुमंडल शांत होता है। इस दिन पूरे भारतवर्ष में कोई-न-कोई उत्सव, मेला या अनुष्ठान आदि अवश्य होता है। इन्हीं तथ्यों के आधार पर लेखक ने कार्तिक पूर्णिमा को 'पवित्र तिथि' बताया है।
2. जिस प्रकार आकाश में षोड्श कलाओं से पूर्ण चन्द्रमा अपनी कोमल स्निग्ध किरणों से प्रकाशित होता है, उसी प्रकार मानव चित्त में भी किसी उज्ज्वल प्रसन्न ज्योतिपुंज का अभिर्भाव होना स्वाभाविक है।
3. गुरु नानक देव का जन्म कार्तिकी पूर्णिमा को सन् 1469 ई० में तलवंडी नामक स्थान पर हुआ था।
4. नानक जी के जन्म के समय भारतीय समाज अलग-अलग जातियों में बँटा हुआ था। व्यक्ति का जन्म के आधार पर आकलन किया जाता था। स्त्रियों को पुरुषों से छोटा समझा जाता था। राजनीतिक अवस्था तो और भी खराब थी।
5. मुगल आक्रमणकारियों ने लोगों के साथ अमानुषिक अत्याचार किए।
6. गुरु नानक देव जी ने लोगों को जाति, धर्म, वर्ण आदि बन्धनों से ऊपर उठकर आपस में भाई-चारे के साथ व्यवहार करने पर जोर दिया। गुरु जी ने ऊँच-नीच, राजा-रंक, छूत-अछूत आदि को हेय बताते हुए सबको एक साथ बैठना एवं एक साथ बैठकर भोजन करना जैसे उपदेश दिए एवं सभी को प्रेम का पाठ पढ़ाया।

लिखित उत्तर दीजिए

1. गुरुनानक ने अपने सद्ज्ञान और सद्विचारों से लोगों को ठीक वैसे ही नवजीवन दिया जैसे किसी घायल मरणासन्न अवस्था में पड़े व्यक्ति पर सुधा अमृत औषधि का लेप कर दिया गया हो। नानक जी वैसे ही प्रकाशमान हैं जैसे पूर्ण चंद्र अपने शीतल आलोक से सब को शीतलता अनुभव कराता है।
2. शरतकाल का पूर्णचंद्र अपनी कोमल स्निग्ध किरणों से आकाश को निर्मल, दिशाओं को प्रसन्न एवं वायुमंडल को शांत करता है एवं मनुष्य के चित्त को उद्वेलित करता है।
3. आज से पाँच सौ वर्ष पहले हमारा देश अनेक कुसंस्कारों में उलझा पड़ा था, इसका मुख्य कारण था—अशिक्षा। लोगों में शिक्षा का सर्वथा अभाव था, जिस कारण से उन्हें कर्तव्य और अकर्तव्य का ज्ञान नहीं था।
4. गुरु नानक देव जी के जीवन में कहीं कोई आडम्बर, कोई बनाव नहीं था। उनकी उपदेश की शैली भी अभिमान रहित एवं मीठी थी। यही गुरु नानक देव की सहज साधना थी।
5. गुरु नानक देव जी ने नारी जाति को सम्मान दिलाया, जात-पात का भेद मिटाकर परस्पर भाई-चारे के साथ रहते हुए जीवन के चरम लक्ष्य को प्राप्त करने पर बल दिया। उन्होंने बाह्य आडम्बरों से दूर रहकर अपने भीतर ही भगवान के दर्शन पर जोर दिया। उन्होंने तर्क और शास्त्रार्थ के मार्ग को अनुचित बताते हुए सत्य को प्रत्यक्ष कर देना तथा उस पर

आचरण करना ही श्रेष्ठ मार्ग बताया है। इन्हीं 'सब विचारों' के आधार पर गुरु नानक देव जी के व्यक्तित्व की उत्कृष्टता सिद्ध होती है।

6. **निम्नलिखित सूक्तियों की व्याख्या कीजिए-**

(क) भारतवर्ष में समय-समय पर श्रेष्ठ आत्माएँ अवतरित होकर समाज में फैली कुरीतियों को दूर कर लोगों को सत्यज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित करती रही हैं। भगवान श्रीकृष्ण, जगद्‌गुरु शंकराचार्य, गुरु नानक देव स्वामी दयानन्द सरस्वती आदि सभी पुण्य आत्माओं ने समय के अनुसार समाज को नई दिशा दी है।

(ख) जीवन को अभिमान व ईर्ष्या रहित रखकर, विनम्र व्यवहार को अपनाकर सरल जीवन जीना वास्तव में एक कठिन साधना है। विरले ही इस प्रकार का सहज-जीवन जी पाते हैं। इसी प्रकार सरल भाषा को जीवन में अपनाना बहुत ही कठिन है।

(ग) मन में स्थित अथवा व्याप्त संकीर्ण विचारों अथवा धारणाओं को समाप्त करना तथा लोगों को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराना वैसा ही कठिन कार्य है; जैसे सीधी लकीरें खींचना।

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित में संधि विच्छेद कीजिए-**

सर्वाधिक	=	**सर्व + अधिक**	कुलभिमान	=	**कुल + अभिमान**
अनायास	=	**अन् + आयास**	अमृतोपम	=	**अमृत + उपम**
लोकोत्तर	=	**लोक + उत्तर**			

2. **नीचे दिए दो स्तंभों में से पाठ के अनुसार विशेषण और विशेष्य का चयन कर उनकी संगति बैठाइए-**

अपार	=	**शक्ति**	परम	=	**लक्ष्य**
बलवती	=	**आस्था**	बाह्य	=	**आडम्बर**
मृतप्राय	=	**आचार**	निरीह	=	**रूप**
अर्थहीन	=	**संकीर्णता**	क्षुद्र	=	**अहमिका**
चरम	=	**प्राप्तव्य**	आध्यात्मिक	=	**दृष्टि**
तीव्र	=	**प्रहार**			

3. **निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग का निर्देश कर अर्थ बताइए-**

		उपसर्ग	**अर्थ**
प्रतिक्षण	=	प्रति	हर क्षण
विच्छिन्न	=	वि	काटकर अलग किया हुआ
संस्कार	=	सम्	शुद्ध करना
निराभिमान	=	निर् अभि	अभिमान रहित
सम्मुखीन	=	सम्	सामने का
अनुग्रह	=	अनु	कृपा, उपकार
अवतार	=	अव	शरीर धारण करना
अनुभूत	=	अनु	महसूस करना
संजीवनी	=	सम्	जीवनदायिनी औषधि
संकीर्ण	=	सम्	निम्न

संबंध	=	सम्	लगाव, नाता		
उद्भासित	=	उद्	प्रकट किया हुआ		

4. **निम्नलिखित में प्रकृति प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए-**

स्वाभाविक	=	**स्वभाव + इक**	उल्लासित	=	**उल्लास + इत**
महत्व	=	**महत् + त्व**	प्रहार	=	**प्र + हार**
पांडित्य	=	**पंडित + त्य**	संजीवनी	=	**संजीवन + ई**
अवतार	=	**अव + तार**	अनुग्रह	=	**अनु + ग्रह**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

14 *दिल्ली के किले*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. दिल्ली को सात बार बसाया गया।
2. पाण्डवों की राजधानी का नाम इन्द्रप्रस्थ था।
3. पृथ्वीराज चौहान दिल्ली का शासक था। उसे राय पिथौरा के नाम से भी जाना जाता है।
4. सर्वप्रथम एशियाई खेलों का आयोजन दिल्ली में हुआ।
5. मुहम्मद तुगलक ने अपने द्वारा बनवाये गए किले का नाम आदिलाबाद इसलिए रखा, क्योंकि वह अपने को आदिल (न्याय करने वाला) कहता था।
6. फिरोजशाह कोटला का मुख्य आकर्षण सम्राट अशोक का स्तंभ है।
7. लालकिले को बनवाने में उस समय एक करोड़ रुपये खर्च हुए।

लिखित उत्तर दीजिए

1. दिल्ली में बनवाया गया पहला किला लाल कोट है। जिसे अनंगपाल तोमर ने सन् 1051 ई० के आस-पास बनवाया था।
2. खिलजी वंश के बाद ग्यासुद्दीन तुगलक दिल्ली का सुलतान बना। उसने कुतुबमीनार से करीब 8 कि०मी० पूर्व में एक चट्टानी पहाड़ी पर एक तुगलकाबाद नामक किला बनवाया।
3. यमुना नदी के तट पर बने किले का नाम लालकिला है। इसे शाहजहाँ ने बनवाया।
4. यह स्तंभ पिरामिड के आकार की एक तीन-मंजिली इमारत के ऊपर स्थित है, यही इस स्तंभ की विशेषता है।
5. लाल किला 1648 ई० में शाहजहाँ ने बनवाया। इसके निर्माण में ज्यादातर लाल रंग के पत्थरों का इस्तेमाल हुआ है।
6. लाल किले का सबसे सुंदर स्मारक दीवान-ए-खास है। इसमें हीरे-जवाहरात से जड़ा सोने का एक मयूर सिंहासन है।
7. दीवान-ए-खास पर अमीर खुसरो द्वारा रचित पंक्तियाँ हैं—''यदि पृथ्वी पर कोई स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है।''

भाषा प्रवाह

1. **निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए-**

ईन्द्रप्रस्थ	**इन्द्रप्रस्थ**	पुरावसेश	**पुरावशेष**
समारक	**स्मारक**	लौहसतम्भ	**लौहस्तम्भ**
पीरामिड	**पिरामिड**	अश्टभुजाकार	**अष्टभुजाकार**
जीम्मेदारीं	**जिम्मेदारी**	संगराहालय	**संग्रहालय**
खवाबगाह	**ख्वाबगाह**		

2. **निम्नलिखित पद रूपों में विशेषण और विशेष्य छाँटिए-**

विशेषण	**विशेष्य**
पारंपरिक	ज्ञान
विलुप्त	नदी
मानव	सभ्यता
निर्मल	वाणी
सांस्कृतिक	चरत्रि
सुंदर	आभूषण
विशाल	जलधारा
अंतर्राष्ट्रीय	स्तर
पारंपरिक	मान्यता
व्यावसायिक	एकाधिकार

3. **निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-**

निः + कलंक	=	**निष्कलंक**	हत् + उत्साहित	=	**हतोत्साहित**
सम् + कल्प	=	**संकल्प**	प्रति + एक	=	**प्रत्येक**
सह + अनुभूति	=	**सहानुभूति**	पुरुष + अर्थी	=	**पुरुषार्थी**

4. **निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय छाँटते हुए मूल शब्द भी लिखिए-**

	उपसर्ग	**प्रत्यय**	**मूलशब्द**
पुनर्जीवित	पुनः	इत	जीवन
अनावश्यक	अन	अक	अवश्य
विफलता	वि	ता	फल
अमानवीय	अ	ईय	मानव
वैज्ञानिक	वि	इक	ज्ञान
किलोमीटर	किलो	—	मीटर
अष्टभुजाकार	अष्ट	कार	भुजा

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

15 *भारत जननि अंब*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. भारत जननि भारत माता को कहा गया है।

2. भारत जननि का मुकुट सोने चाँदी के समान सुंदर दिखाई दे रहा है।
3. भारत माता के गुणगान में समुद्र, शंख और बादल वाद्य-यंत्रों का काम कर रहे हैं।

4. निम्नलिखित भाव कविता की किन पंक्तियों से प्रकट होते हैं-

(क) सजी कंठ में सरिता मुक्त माला।
(ख) सृजन ह्रास में, कोप में पर प्रलय है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. माँ के अंग पर हरित वर्ण का वस्त्र सुशोभित हो रहा है।
2. भारत जननि! अंब! तेरी विजय है! की अनेक बार आवृत्ति से कविता में निश्चित रूप से सौंदर्य की वृद्धि हुई है।
3. प्रकृति विभिन्न रुपों में भारत माता के प्रति अपना आदर व्यक्त कर रही है जैसे—बर्फ के द्वारा, चाँदनी के द्वारा, हरे-भरे खेत खलियानों द्वारा।
4. 'भारत जननि! अंब!' कविता से हमें देश भक्ति और राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा मिलती है।

5. निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) चाँदनी रात्रि में मानो शीतल मन्द पवन अपने स्नेह से परिपूर्ण पंखे से भारत माता की सेवा कर रहा हो।
(ख) पक्षियों की मधुर ध्वनि द्‌वारा मानो भारत माता की वन्दना हो रही हो।
(ग) ऐसा प्रतीत होता है कि सूर्य, चन्द्र और सभी तारे मानों भारत माता को प्रणाम कर रहे हों।

6. रिक्त स्थान भरिए-

उद्‌धि शंख **औ तूर्य** बादल बजाता,
विहग रब सदा वंदना गीत गाता,
नमन कर रहे **सूर्य और चंद्र तारे**,
सृजन हास में कोप में पर प्रलय है।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

जननि	=	**माता**	**अम्ब**	**माँ**
गगन	=	**व्योम**	**आकाश**	**अम्बर**
अनिल	=	**वायु**	**पवन**	**हवा**
अंक	=	**गोद**	**क्रोड**	**उत्संग**
विहग	=	**पक्षी**	**खग**	**नभचर**
बादल	=	**मेघ**	**पयोधर**	**जलधर**

2. निम्नलिखित शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) सुयोग्य (ख) अग्रणी (ग) स्वदेशी
(घ) मानव निर्मित (ङ) सामर्थ्यवान

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें

16 सुभाष का पत्र

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने यह पत्र बर्मा की मांडले जेल से लिखा था।
2. नेताजी ने जेल को विचित्र दुनिया इसलिए कहा क्योंकि जेल के अंदर उन्होंने बहुत कुछ सीखा था। जो धुँधले सत्य थे, वे सभी जेल के अंदर ही साफ हो सके।
3. नेताजी चौदह महीनों तक जेल में रहे।
4. जिस व्यक्ति ने जेल के अंदर रहकर उस जीवन की अनुभूति नहीं की हो, वह कष्ट से जीवन को परिपुष्ट नहीं कर पाता।
5. भावना और स्मृति के विषय में नेताजी ने कहा कि दोनों सत्य में परिणत हो जाते हैं।
6. देशबंधु ने अपने गीत काव्य में कहा है कि बंगाल के जल और बंगाल की मिट्टी में एक चिरंतन सत्य निहित है।

लिखित उत्तर दीजिए

1. नेताजी ने यह पत्र कलकत्ता की 'सेवक समिति' के उपमंत्री अनाथ बंधु दत्त को लिखा था।
2. जेल में दुख झेलना भी नेताजी के लिए गौरव की बात इसलिए थी क्योंकि वह मातृभूमि की आजादी के लिए जेल काट रहे थे।
3. नेताजी ने जेल में कष्ट में रहकर भी आंतरिक आनंद प्राप्त करना सीखा।
4. जेल से छूटने की कल्पना करने पर नेताजी को महसूस होता था कि जब तक क्रांति के लिए पूरी तरह से तैयार न हो जाऊँ, तब तक छूटने की बात ही न उठे।
5. नेताजी को जेल में बंगाल के सूर्योदय की याद आती है।

6. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) जो मनुष्य किसी भी अपराध के कारण राज्य सरकार का बंदी बन जाता है, उसके साथ संबंध रखने वाला भी राजद्रोही कहलाता है।

(ख) जब मनुष्य राष्ट्र व जनहित कार्यों के लिए कष्ट सहता है तो उसमें भी वह आनंद की अनुभूति प्राप्त करता है। क्योंकि उसके लिए अपने कष्टों से बढ़कर राष्ट्रहित अथवा जनहित होता है।

(ग) अस्त होते सूर्य की किरणों से जब पश्चिम दिशा में आकाश सुनहरा अथवा अच्छी तरह से रंग जाता है तो उस लाल वर्णीय रंग में असंख्य बादलों के टुकड़े रूप बदल-बदलकर मानो स्वर्ग लोक की रचना करते हैं, उन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे स्वर्ग के दर्शन हो रहे हो।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

भगवान	=	**ईश्वर,**	**सच्चिदानन्द,**	**प्रभु**
ईर्ष्या	=	**द्वेष,**	**जलन,**	**बैर**
व्यक्ति	=	**आदमी,**	**मनुष्य,**	**नर**

दोपहर	= **मध्यान्ह,**	**मध्य वेला,**	**मध्य दिन**

2. **निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग, प्रत्यय और मूल शब्द पृथक-पृथक लिखिए-**

उपसर्ग	**प्रत्यय**	**मूलशब्द**
×	आनी	मेहमान
×	ता	कृतज्ञ
×	ई	सत्याग्रह
×	ता	विनम्र
×	दारी	ईमान
×	इक	वास्तव
×	इक	अंतर

3. **निम्नलिखित शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक संज्ञाएँ छाँटिए-**

व्यक्तिवाचक	**जातिवाचक**	**भाववाचक**
सुभाष	मकान	मिठास
बर्मा	पुस्तक	पागलपन, अपनापन
	जेल	उदासी
		सुख

4. **निम्नलिखित अनुच्छेद में 'विराम चिह्नों' का प्रयोग कीजिए-**

प्रभात की विचित्र वर्णछटा जब दिग्मंडल को आलोकित करके आती है और निद्रालस पलकों पर चिकोटी काटकर कहती है, "जागो"! तब एक और सूर्योदय की याद आती है, जिसमें बंगाल के कवियों ने, बंगाल के साधकों ने बंग-जननी का दर्शन किया था।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।

17 *बूढ़ी काकी*

अभ्यास

मौखिक उत्तर दीजिए

1. बुढ़ापा बचपन का पुनरागमन होता है क्योंकि बुढ़ापे में व्यक्ति बच्चों वाली हरकतें करने लगता है; जैसे—छोटी-छोटी बातों पर रोना, सिसकना तथा जिद्द करना आदि।
2. बुद्धिराम की छोटी लड़की लाड़ली को काकी से अनुराग था क्योंकि वह (काकी) उसकी रक्षा उसके दोनों भाइयों से करती थी।
3. बूढ़ी काकी मन-ही-मन विचार कर रही थीं कि संभवत: मुझे पूड़ियाँ न मिलेंगी। इतनी देर हो गई, कोई भोजन लेकर नहीं आया, मालूम होता है सब लोग भोजन कर चुके हैं। मेरे लिए कुछ न बचा। सोचकर उन्हें रोना आ गया। (परंतु अपशकुन के भय से वे रो न सकीं।)
4. कड़ाह के पास काकी को बैठा देखकर रूपा ने कहा, "जाकर कोठरी में बैठो। जब घर के लोग खाने लगेंगे तब तुम्हें भी मिलेगा। तुम कोई देवी नहीं हो कि चाहे किसी के मुँह

में पानी न जाए, परंतु तुम्हारी पूजा पहले ही हो जाए।''

5. रूपा ने पश्चाताप इसलिए किया क्योंकि जिसकी संपत्ति के बल पर वह हजारों रुपए कमा रहे थे उसे ही उत्सव में भरपेट भोजन न दिया गया। केवल इस कारण से, क्योंकि वह बूढ़ी काकी असहाय थी।

लिखित उत्तर दीजिए

1. बुढ़ापा बहुधा बचपन का पुनरागमन होता है।
2. भतीजे ने संपत्ति लिखवाते समय खूब लंबे-चौड़े वादे किए, किंतु वे सब वादे केवल कुली डिपो के दलालों के दिखाए हुए सब्जबाग के समान थे।
3. बुद्धिराम के घर पर शहनाई इसलिए बज रही थी क्योंकि उसके बेटे का तिलक था।
4. बूढ़ी काकी की कल्पना में पूड़ियों की तस्वीर नाचने लगी। खूब लाल-लाल, फूली, नरम-नरम होंगी। रूपा ने भली-भाँति भोजन दिया होगा, कचौड़ियों में अजवाइन और इलायची की महक आ रही होगी। एक पूड़ी मिलती तो जरा हाथ में लेकर देखती। क्यों न चलकर कड़ाह के सामने बैठूँ। पूड़ियाँ छन-छनकर तैयार होंगी, कड़ाह से गरम-गरम निकालकर थाल में रखी जाती होंगी। फूल हम घर में भी सूँघ सकते हैं परंतु वाटिका में कुछ और बात होती है। इस प्रकार निर्णय करके बूढ़ी काकी उकड़ूँ बैठकर हाथों के बल सरकती हुई कठिनाई से चौखट से उतरीं और धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास आ बैठीं।
5. रूपा ने देखा कि लाडली जूठी पत्तलों के पास चुपचाप खड़ी है और बूढ़ी काकी झूठी पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा-उठाकर खा रही हैं। यह देख रूपा का हृदय सन्न हो गया।
6. कहानी के अंत में रूपा ने बूढ़ी काकी से अपने अपराधों की क्षमा माँगी और थाली में भोजन लाकर खाने को दिया। बूढ़ी काकी सब कुछ भुलाकर खाना खाने लगीं।
7. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें परिवार में वृद्धों का कभी भी तिरस्कार नहीं करना चाहिए।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. बुद्धिराम को कभी-कभी अपने **अत्याचार** का खेद होता था।
2. आज **बुद्धिराम** के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया है।
3. **पूड़ियों** का स्वाद स्मरण करके **हृदय** में गुदगुदी होने लगती थी।
4. उसने **काकी** का हाथ पकड़ा और ले जाकर **जूठी** पत्तलों के पास बैठा दिया।
5. इस **अधर्म** का दंड मुझे मत दो, नहीं तो मेरा सत्यानाश हो जाएगा।
6. रूपा को अपनी **स्वार्थपरता** और अन्याय इस प्रकार प्रत्यक्ष रूप में कभी न दीख पड़े थे।
7. परमात्मा से प्रार्थना कर दो कि वह मेरा **अपराध** क्षमा कर दें।

सही विकल्प के सामने (✓) का चिह्न लगाइए-

1. (ग) बुद्धिराम   2. (ग) लड़कों को   3. (ब) बड़े

निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

1. **आशय-**बूढ़ी काकी के पति का बहुत पहले ही स्वर्गवास हो गया था और बेटे छोटी उम्र में ही चल बसे थे अब बस केवल एक भतीजे के सिवाय उनका कोई न था। उसी भतीजे

के नाम वह सारी संपत्ति लिख रही थीं। लिखते समय भतीजे ने बहुत-से वादे किए थे जिस प्रकार एक कुली डिपो के दलाल किया करते हैं किंतु उन किए गए वादों में से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। वह केवल एक सुनहरे सपने की तरह ही बनकर रह गए।

2. **आशय-**इस पंक्ति में लेखक कहता है कि जिस प्रकार थोड़ी-सी बरसात होने से धरती पर ठंडक न होकर उसकी जगह और ज्यादा गर्मी उत्पन्न हो जाती है अर्थात् उमस हो जाती है। ठीक उसी प्रकार थोड़ी-सी पूड़ियों के खाने से बूढ़ी काकी की भूख तो खत्म नहीं हुई अपितु उन थोड़ी-सी पूड़ियों ने और पूड़ियाँ खाने की इच्छा को बढ़ा दिया।
3. **आशय-**इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक यह कहना चाहता है कि बुढ़ापे में व्यक्ति की इच्छाएँ बढ़ जाती हैं और उनका एक विशेष केंद्र बिंदु बन जाता है। अर्थात वृद्ध व्यक्ति की कोई एक इच्छा तीव्रतर हो उठती है। बूढ़ी काकी को स्वादिष्ट खाने की तीव्र उत्कंठा होती थी।
4. **आशय-**बूढ़ी काकी को अपने सामने थाल में सजे अनेक प्रकार के व्यंजन देखकर ऐसा आनंद प्राप्त हुआ, जैसा आकाश में स्थित देवगणों को स्वर्गीय पदार्थ खाने पर भी नहीं हुआ होगा।

भाषा प्रवाह

1. निम्नलिखित शब्दों का उचित अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

पुनरागमन = पुन: आगमन

बुढ़ापा बचपन का ही **पुनरागमन** होता है।

कालांतर = बहुत समय पहले

कालांतर से ही यह प्रथा चली आ रही है कि बेटियाँ पराया धन होती हैं।

अर्धांगिनी = पत्नी

सीताराम तो बहुत ही सज्जन व्यक्ति हैं परंतु उनकी **अर्धांगिनी** कौशल्या देवी बहुत ही कट्टर स्वभाव की हैं।

भलमनसाहत = सज्जनता

किसी व्यक्ति की परेशानी में मदद करना **भलमनसाहत** का स्पष्ट प्रमाण है।

अनुराग = प्रेम

परिवार में यदि राहुल से किसी को **अनुराग** था तो वो थीं उसकी माँ।

कलेजा = हृदय

उस व्यक्ति की इतनी दयनीय स्थिति देखकर अमन का **कलेजा** भर आया।

2. निम्नलिखित शब्दों से विलोम शब्द लिखिए-

आगमन	=	**निगमन**	अर्थ	=	**अनर्थ**
प्रतिकूल	=	**अनुकूल**	स्वर्ग	=	**नरक**
उचित	=	**अनुचित**	क्रोध	=	**शांति**
कठोर	=	**कोमल**	आदि	=	**अंत**
बड़े	=	**छोटे**	आज	=	**कल**

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

अमृत	=	**सुधा**	अश्व	=	**घोड़ा**

आनंद	=	**हर्ष**	अतिथि	=	**मेहमान**
इंद्र	=	**सुरेश**	कपड़ा	=	**वस्त्र**
घर	=	**गृह**	नदी	=	**सरिता**
पृथ्वी	=	**धरा**	बेटा	=	**पुत्र**

4. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) जिसका अनुभव किया गया हो - **अनुभवी**

(ख) जो संभव न हो सके - **असंभव**

(ग) जो आँखों के सामने हो - **प्रत्यक्ष**

(घ) ईश्वर में विश्वास रखने वाला - **आस्तिक**

(ङ) जिसका आचरण अच्छा हो - **सदाचारी**

(च) जो इस लोक की बात है - **इहलोक**

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र स्वयं करें।